C M Y K

आज का विचार

सहनशील होना अच्छी बात है... पर अन्याय का विरोध करना उससे भी उत्तम है....

अम्बिकावाणी

www.ambikavani.com

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-259 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, शनिवार 12 जुलाई , 2025

बिजली बिल अपडेट करने का झांसा दे अधिवक्ता से ठगी, केस दर्ज

किशोर कुमार साधक ने इंग्लैंड में मचाया धमाल, लगातार 2 ओवर में 2 हैट्रिक लेकर रचा इतिहास

पहला कॉलम

मुख्यमंत्री साय ने कवर्धा में सड़क दुर्घटना पर जताया शोक

00 घायलों की समुचित चिकित्सा एवं आवश्यक मदद के जिला प्रशासन को दिए निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कवर्धा जिले के आगरपानी के पास हुई सड़क दुर्घटना में पांच लोगों के दुःखद निधन और चार अन्य के घायल होने पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों की समुचित चिकित्सा एवं आवश्यक मदद के निर्देश जिला प्रशासन को दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

दुकान किराए पर उपलब्ध

स्थानः ब्रह्म रोड, शिवगोपी होटल के सामने, अंबिकापुर

फ्लोरः पहला मंजिल (First Floor)

क्षेत्रफलः 800 वर्ग फुट

पार्किंग की सुविधा उपलब्ध

संपर्क करें - मो. 7415805463

कैबिनेट में कई विधेयकों का अनुमोदन, छात्र स्टार्ट-अप और नवाचार नीति लागू करने का एक महत्वपूर्ण निर्णय

00 छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम-1991 में संशोधन

00 छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम-1994 के नियम, 55 में संशोधन का अनुमोदन

00 छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र के विकास के लिए संबंधित प्राधिकरण की होगी स्थापना

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के उचित प्रबंधन हेतु अर्हकारी सेवा अवधि पूर्ण कर चुके वर्ष 2005, 2006, 2007, 2008 तथा 2009 बैच के अधिकारियों को वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान किये जाने हेतु 30 सांख्येतर पद निर्मित कर वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

2- मंत्रिपरिषद द्वारा जनजातीय समूहों एवं अन्य वंचित वर्गों के गरीब युवा, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों के संस्थागत विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के मध्य एक गैर-लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन को मंजूरी प्रदान की गई। इस ज्वाइंट वेंचर कंपनी के माध्यम से अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के गरीब युवाओं, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों को संस्थागत व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से सशक्त एवं विकसित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी का ज्वाइंट वेंचर वंचित समुदायों के विकास के लिए आदिवासी उपयोजना, अनुसूचित जाति उपयोजना आदि के अप्रयुक्त फंड का अभिसरण कर आजीविका एवं सामाजिक आर्थिक बदलाव के लिए कार्य करेगा।

कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य पैन आईआईटी द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षित युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कौशल के साथ फॉरेन लैग्वेज सिखाने का कार्य किया जाएगा। पैन आईआईटी द्वारा प्रशिक्षण देने के लिए जिला प्रशासन एवं विभागों द्वारा आवश्यक शासकीय भवनों का पहचान किया जाएगा एवं उसे ज्वाइंट वेन्चर कंपनी को हस्तांतरित किया जाएगा। पैनआईआईटी, आईआईटी के पूर्व छात्रों द्वारा बनाई गई सोसायटी है जो राज्य सरकारों के साथ गैर लाभकारी संयुक्त उपक्रम बनाकर, राष्ट्रनिर्माण मिशन, व्यवसायिक, आजीविका शिक्षा व्यवस्था एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से वंचित समुदायों के आय में सुधार लाने का कार्य करती है।

3- मंत्रिपरिषद द्वारा पुराने वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम-1991 में संशोधन विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

4- मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम-1994 के नियम, 55 में संशोधन का अनुमोदन किया गया। जिसके तहत वाहन स्वामी अपने पुराने वाहन के फैंसी या च्वाइस नंबर को नए या किसी अन्य राज्य से लाए गए उसी श्रेणी के वाहन में उपयोग कर सकेंगे, इसके लिए आवश्यक शुल्क का भुगतान करना होगा। यदि पुराना नंबर सामान्य नंबर था तो छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम 1994 के नियम 55(2)(ग) के अनुसार आवश्यक शुल्क भरने के बाद इसका उपयोग संभव होगा। यह सुविधा केवल नए वाहन के पंजीयन या अन्य राज्य से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर आए वाहनों पर लागू होगी, पहले से राज्य में पंजीकृत वाहनों पर नहीं। शासकीय वाहनों के लिए भी यह सुविधा मिलेगी, इसके लिए उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा।

5- छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

6- मंत्रिपरिषद ने राज्य के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार के जरिए सशक्त बनाने के लिए छात्र स्टार्ट-अप और नवाचार नीति लागू करने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस नीति का उद्देश्य छात्र-केंद्रित नवाचार और इन्क्यूबेशन सिस्टम बनाना, साथ ही बौद्धिक संपदा जागरूकता बढ़ाना है। जनजातीय क्षेत्रों में नवाचार केंद्र स्थापित करना और कृषि, हरित ऊर्जा, स्वास्थ्य व विनिर्माण जैसे क्षेत्रों पर खास ध्यान देना भी इस नीति के प्रमुख उद्देश्य हैं। इस नीति का लक्ष्य है राज्य के 100 तकनीकी संस्थानों के 50 हजार छात्रों तक पहुंच बनाना, 500 प्रोटोटाइप्स का समर्थन करना, 500 बौद्धिक संपदा अधिकार फाइल करना और 150 स्टार्टअप्स को इन्क्यूबेट करना। इससे युवाओं को नई सोच और तकनीक विकसित करने में मदद मिलेगी।

7- छत्तीसगढ़ कृषि उपज मण्डी (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप पर अनुमोदन किया गया।

8- मंत्रिपरिषद द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र के विकास के लिए संबंधित प्राधिकरण की स्थापना हेतु विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। रायपुर, दुर्ग-भिलाई और नया रायपुर अटल नगर में तेजी से बढ़ती आबादी और शहरीकरण को देखते हुए इस क्षेत्र के सुव्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास के लिए यह प्राधिकरण कार्य करेगा। यह प्राधिकरण राजधानी क्षेत्र के लिए योजना बनाना, निवेश को बढ़ावा देना, विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के बीच समन्वय तथा शहर के विस्तार को सही ढंग से नियंत्रित करने का काम करेगा। 2031 तक इस क्षेत्र में लगभग 50 लाख लोग रहने की संभावना है, इसलिए भूमि का प्रभावी उपयोग और पर्यावरण की रक्षा करते हुए शहरी विकास सुनिश्चित करना जरूरी है। इस तरह राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों को बेहतर, सतत और सुव्यवस्थित बनाने में मदद करेगा।

9- छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे अंतर्राज्यीय लेनदेन में इनपुट सेवा वितरक के नियम और अधिक प्रभावी तथा केंद्र सरकार के वित्त अधिनियम, 2025 के संशोधनों के अनुरूप यह होगा।

10- मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के छोटे और मध्यम व्यापारियों को प्रोत्साहित करने तथा न्यायालयों में लंबित कर संबंधी मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया है।

11- मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता संशोधन विधेयक 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे नक्शा बंटवारे और अभिलेखों के अद्यतनीकरण में सहूलियत होगी अवैध प्लाटिंग पर रोक लगेगी, जियो-रेफरेंस मैप से भविष्य में कानूनी विवाद कम होंगे। नामांतरण की प्रक्रिया आसान होगी। भूमि धारक की मृत्यु पर संयुक्त खाताधारकों और वारिसों को नामांतरण में सहूलियत होगी। भवन या भूखंड का हस्तांतरण भूमि के अनुपात में हो सकेगा। औद्योगिक नीति, आवास योजना और नगरीय विकास की प्रक्रियाएं सरल होंगी।

12- मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय अधिनियम, 2004 में संशोधन विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

आगरपानी चांटा गांव में 50 फीट गहरी खाई में गिरी बोर गाड़ी, 7 की मौत, 4 घायल

कवर्धा। शुक्रवार की सुबह 7.30 बजे कबीरधाम जिले से होकर गुजरने वाली पंडरिया कुकदूर बजाग शहडोल मार्ग पर कुकुदुर थाने के आगरपानी चांटा गांव में ब्रेक फेल होने से 50 फीट गहरी खाई में बोर गाड़ी गिर जाने से उसमें सवार 4 लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया जबकि दो लोगों की जिला अस्पताल में मौत हो गई, वहीं चार घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। मृतकों में तीन तमिलनाडू और 4 लोग जशपुर जिले के रहने वाले है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह लगभग 7.30 बजे शहडोल एमपी से बेमेतरा जा रही बोर गाड़ी क्रमांक टीएन 88 डी 1702 ग्राम चांटा थाना कुकदूर के पास ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर घाटी में गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही कुकदूर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और रेस्क्यू ऑपरेशन में लग गई। घटनास्थल पर 4 लोगों की मौत हो गई और गाड़ी के नीचे दबे 4 लोगों के शव को पुलिस और स्थानीय नागरिकों के द्वारा बड़ी मुश्किल से निकाला गया। घायल 6 लोगों को तुरंत कुकदूर अस्पताल भेजा गया जहां रास्ते में एक मजदूर ने दम तोड़ दिया वहीं 5 मजदूरों में से चालक हरि वलगन (तमिलनाडु) और वाहन मालिक किशोर तंगवेल (तमिलनाडु) ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतकों में गजेंद्र राम पिता रंगू राम ठेठे टांगर बरा गजोर थाना कुनकुरी, सुभाष राम पिता बलदेव बरागजोर थाना कुनकुरी जिला जशपुर, हरीश पिता चंद्राराम बरागजोर थाना कुनकुरी जिला जशपुर, देवधर पिता देवभोराम नारियरढार कोका भरी थाना भन्सानेल जिला जशपुर, राज तिर चूमगोड़ थाना नामकल जिला नामकल तमिलनाडु शामिल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

घरेलू उपभोक्ताओं को लगा बिजली का झटका, 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की हुई वृद्धि

रायपुर। प्रदेशवासियों को 1 जुलाई से बिजली का झटका लगने जा रहा है। वर्ष 2025-26 के लिए बिजली की नई दरें आज घोषित कर दी गई है। विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने शुक्रवार की दोपहर नई दरों की घोषणा कर दी जो 1 जुलाई से लागू हो गई है। जिसमें घरेलू उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका लगा है विद्युत कंपनी 10 पैसे प्रति यूनिट से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि कर दी है, वहीं कृषि पम्पों के लिए विद्युत की दरों में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। आयोग ने वर्तमान प्रचलित दरों में औसत 13 पैसे की वृद्धि मंजूर किया है।

नियामक आयोग के अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य की बिजली दरों में औसतन 1.89 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी है। यह नई दरें 1 जुलाई 2025 से लागू हो चुकी हैं। आयोग ने यह निर्णय राज्य की बिजली उत्पादन, पारेषण, वितरण कंपनियों और भार प्रेषण केंद्र की वार्षिक राजस्व आवश्यकता के विस्तृत मूल्यांकन के बाद लिया। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन, पारेषण, वितरण कम्पनी लिमिटेड एवं छत्तीसगढ़ राज्य भार प्रेषण केन्द्र के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं उपभोक्ताओं हेतु विद्युत दरों का निर्धारण राज्य विद्युत वितरण कंपनी के राजस्व आवश्यकता की पूर्ति -आयोग द्वारा राज्य की विद्युत कंपनियों के विगत वर्षों के राजस्व घाटा तथा राजस्व आधिक्य पर विचारोपरान्त वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मांग की गई वार्षिक राजस्व आवश्यकता रू. 28397.64 करोड़ के स्थान पर रू. 25636.38 करोड़ मान्य किया गया है। वितरण कंपनी द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष हेतु अनुमानित विद्युत विक्रय 35727 मिलियन यूनिटं के स्थान पर 36540 मिलियन यूनिट मान्य किया गया है। इसी तरह वितरण कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विद्युत की अनुमानित बिक्री पर प्रचलित टैरिफ से अनुमानित रु.4947.41 करोड़ राजस्व घाटे के स्थान पर रू.523.43 करोड़ मान्य किया गया है।

औसत विद्युत प्रदाय दर एवं औसत विद्युत बिलिंग दर -

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए औसत विद्युत प्रदाय दर (आपूर्ति की औसत लागत) रू.7.02 प्रति यूनिट अनुमानित की गई है। आयोग द्वारा वर्तमान टैरिफ आदेश में लिए गए निर्णयों के फलस्वरूप औसत विद्युत बिलिंग दर रू.7.02 प्रति यूनिट अनुमानित है। तदनुसार वर्तमान प्रचलित दर से विद्युत दरों में औसत 1.89 प्रतिशत की वृद्धि अनुमोदित की गई है। जारी की जा रही नई विद्युत दरें जो कि संलग्नक-1 और संलग्नक-2 में उपलब्ध है, जो कि 1 जुलाई, 2025 से प्रभावशील होंगी।

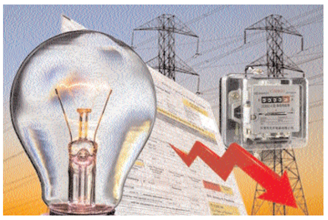

00 नई दरें 1 जुलाई से लागू होंगी

वर्तमान आदेश के मुख्य बिन्दु :-

घरेलु उपभोक्ता

घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 10 पैसे प्रति यूनिट से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। गौशाला, शासन द्वारा अधिसूचित बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्रधिकरण तथा सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण क्षेत्रों में आने वाले स्टे-होम्स में प्रयुक्त होने वाली विद्युत पर घरेलू विद्युत दर लागू करने हेतु घरेलू उपभोक्ता श्रेणी (एलवी-1) में सम्मिलित किया गया है। घरेलु उपभोक्ता श्रेणी के अन्तर्गत लिए गए अस्थाई कनेक्शन पर नार्मल टैरिफ का 1.5 गुना टैरिफ के स्थान पर नार्मल टैरिफ का 1.25 गुना टैरिफ लागू किया गया है।

गैर घरेलू उपभोक्ता

गैर घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। आफसेट प्रिन्टर्स एवं प्रिंटिंग प्रेस उपभोक्ताओं को एलवी-2 से हटाकर एलवी-5 श्रेणी में सम्मिलित किया गया है। गैर घरेलु उपभोक्ता श्रेणी के अन्तर्गत लिए गए अस्थाई कनेक्शन पर भी नार्मल टैरिफ का 1.5 गुना टैरिफ के स्थान पर नार्मल टैरिफ का 1.25 गुना टैरिफ लागू किया गया है। राज्य शासन द्वारा अधिसूचित वाम चरमपंथी प्रभावित जिलों में संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु मोबाईल टॉवर की स्थापना को प्रोत्साहित करने हेतु इन क्षेत्रों में आने वाले सभी मोबाईल टॉवरों को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है।

कृषि एवं कृषि संबंधी उपभोक्ता

कृषि पम्पों के लिए विद्युत की दरों में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। गैर सबसिडी वाले कृषि विद्युत पंप वाले उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत की छूट को बढाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। किसानों को खेतों में लगे विद्युत पम्पों और खेतों की रखवाली के प्रयोजनार्थ पम्प कनेक्शन के अंतर्गत वर्तमान में पम्प के समीप 100 वॉट के भार उपयोग की सुविधा प्रभावशील है। किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए आयोग द्वारा 100 वॉट तक लाईट एवं पंखे की स्वीकृति जारी रखी गई है।

निम्नदाब उपभोक्ता

निम्नदाब की एलवी-1, एलवी-2, एलवी-5, एलवी-6 और एलवी-7 श्रेणियों के 10 किवों भार से अधिक भार के उपभोक्ताओं पर टॉड टैरिफ लागू करते हुए ऑफ पीक ऑवर (प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजे तक) टैरिफ में 5 प्रतिशत की छूट एवं पीक ऑवर (सांयः 5 बजे से रात्रि 11 बजे तक) टैरिफ में 5 प्रतिशत का अधिभार लगाया गया है। निम्नदाब श्रेणियों पर लागू होने वाले न्युनतम बिलिंग डिमाण्ड को 80 प्रतिशत से बढ़ाकर 85 प्रतिशत किया गया है। आयोग द्वारा निम्नदाब कनेक्शनों में दिए जा रहे भार की सीमा को 112.5 कि. वॉ. (150 एच.पी.) को बढ़ाकर 150 कि. वॉ. (200 एच.पी.) किया गया था। वर्तमान टैरिफ आदेश में पूर्व में 112.5 कि.वॉ. (150 एच.पी.) भार तक लागू होने वाले टैरिफ को 150 कि. वॉ. (200 एच.पी.) भार तक लागू किया गया है। ऐसे निम्नदाब उपभोक्ता जिनकी बिलिंग स्मार्ट मीटर द्वारा प्री-पेड मोड में हो रही है उन्हें ऊर्जा प्रभार में 1.5 प्रतिशत की छूट देने का प्रावधान किया गया है। निम्नदाब पर अक्षय ऊर्जा के ओपन ऐक्सेस को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान टैरिफ आदेश में व्हीलिंग चार्ज का निर्धारण करते हुए ऐसे ओपन ऐक्सेस पर 10 प्रतिशत का व्हीलिंग लास निर्धारित किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रीकल व्हीकल चार्जिंग इकाईयों हेतु इलेक्ट्रीकल व्हीकल चार्जिंग की टैरिफ को औसत विद्युत लागत के बराबर अर्थात रू.7.02 प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। महिला सशक्तिकरण हेतु पंजीकृत महिला स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित उद्योगगतिविधिय और व्यवसायिक गतिविधियों को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट जारी रखी गई है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों, बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्रधिकरण तथा सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण में संचालित अस्पताल, नर्सिंग होम एवं डायग्नोस्टिक सेंटर के लिए प्रचलित विद्युत दरों के ऊर्जा प्रभार में दी जा रही 5 प्रतिशत की छूट को जारी रखा गया है। एलवी-5 श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले पोहा एवं मुरमुरा मिल को ऊर्जा प्रभार में 5 प्रतिशत की छूट को बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। बायोमॉस ब्रिकेट्स यूनिट को एलवी-5 श्रेणी में सम्मिलित किया गया है।

उच्चदाब उपभोक्ता

पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रीकल व्हीकल चार्जिंग इकाईयों हेतु इलेक्ट्रीकल व्हीकल चार्जिंग की टैरिफ को औसत विद्युत लागत के बराबर अर्थात रू.6.32 प्रति केव्हीएएच निर्धारित किया गया है। स्टैण्ड अलोन स्टोन क्रशर, मिक्सर एवं स्टोन क्रशर सह-मिक्सर उद्योग को एचवी-2 से हटाकर एचवी-3 श्रेणी में सम्मिलित किया गया है। लांगटर्म एवं मिडियम टर्म ओपन ऐक्सेस लेने वाले सौर ऊर्जा उत्पादकों पर नॉर्मल ट्रसमिशन चार्जेस का 33 प्रतिशत चार्ज ही लागू होगा। ₹आयरन वाशरी / बेनिफिकेशन' को उद्योगों को एचवी-4 से हटाकर एचवी-2 श्रेणी में सम्मिलित किया गया है।

सरगुजा एवं बस्तर प्राधिकरण क्षेत्र में आने वाले एचवी-4 उपभोक्ता श्रेणी के 132 केही से अधिक वोल्टेज पर जुड़े उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की विशेष छूट का प्रावधान किया गया है। इन्ही क्षेत्रों में आने वाले एचवी-4 उपभोक्ता श्रेणी के 132 केव्ही एवं इससे कम वोल्टेज पर जुड़े उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में 5 प्रतिशत की विशेष छूट का प्रावधान किया गया है। उच्चदाब की एचवी-5, एचवी-6, एचवी-8, एचवी-9 ड्डठ्ठस्त्र एचवी-11 श्रेणियों पर भी दिनांक 01/09/2025 से ञ्जह्रष्ठ टैरिफ लागू करने का प्रावधान किया गया है। 11 केव्ही एवं 33 केव्ही के कनेक्शनों को 30 घण्टे पॉवर आफ ऑवर प्रतिमाह को विस्तारित करते हुए इसे 132 केव्ही एवं 220 केव्ही पर भी लागू किया गया है। कैप्टिव पॉवर प्लान्ट पर लागू होने वाले पैरेलल ऑपरेशन चार्जेस को 13 पैसे/यूनिट से बढ़ाकर 15 पैसे / यूनिट कर दिया गया है।

रक्षा स्थापना (डिफेंस स्टेब्लिसमेंट) को ऊर्जा प्रभार में 15 प्रतिशत की रियायत जारी रखी गई है।

एचवी-3 श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले पोहा एवं मुरमुरा मिल को ऊर्जा प्रभार में 5 प्रतिशत की छूट को जारी रखा गया है।

सभी उच्चदाब स्टील उपभोक्ताओं की विद्युत दरों में 15 पैसे प्रति केव्हीएएच से 30 पैसे प्रति केव्हीएएच की वृद्धि की गई है एवं लागू लोड फेक्टर रिबेट में परिवर्तन करते हुए लोड फैक्टर रिबेट की अधिकतम सीमा 25 प्रतिशत निर्धारित की गई है। एचवी-4 इस्पात उद्योगों को 50 प्रतिशत से 75 प्रतिशत लोड फैक्टर पर लोड फैक्टर रियायत देने का प्रावधान किया गया है। उच्चदाब श्रेणियों पर लागू होने वाले न्युनतम बिलिंग डिमाण्ड को 80 प्रतिशत से बढ़ाकर 85 प्रतिशत किया गया है। बायोमॉस ब्रिकेट्स यूनिट को एचवी-3 श्रेणी में सम्मिलित किया गया है।

C M Y K

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 15 जुलाई को

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक १५ जुलाई २०२५ को दोपहर २:०० बजे, समय-सीमा की बैठक पश्चात संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। जिसमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत अद्यतन प्रगति की समीक्षा एवं विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की जाएगी।

पहला कालम

घुनघुट्टा नदी में मिला लापता ग्रामीण का शव

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
साढ़ू के घर दरीपारा जाने की बात कहकर घर से निकले ग्रामीण का शव आज हर्राटिकरा के चिटकीपारा में स्थित घुनघुट्टा नदी में तैरता हुआ पाया गया है। जयनगर पुलिस ने बताया कि लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पुहपुटरा निवासी ५८ वर्षीय बली राम गोंड पिता स्व. बालबोध गोंड पिछले दिनों ८ जुलाई को घर से साढ़ू के घर दरीपारा जाने की बात कहकर घर से निकला था, जो वापस घर नहीं लौटा। काफी पता तलाश उपरांत परिजन द्वारा मामले की सूचना लखनपुर थाना में दी गई थी। इसी दौरान शुक्रवार की सुबह लापता ग्रामीण का शव ग्राम पंचायत हर्राटिकरा के चिटकीपारा में स्थित घुनघुट्टा नदी में तैरता हुआ पाया गया है, इसके पश्चात गांव के उपसरपंच संजय राजवाड़े द्वारा ग्रामीणों की मदद से शव को छानकर नदी किनारे लाया गया। उपसरपंच ने जब किसी व्यक्ति का शव नदी में देखा तो इसकी सूचना तत्काल जयनगर पुलिस व मृतक के परिजन को दी। सूचना पर पुलिस व परिजन तत्काल मौके पर पहुंच शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

बिजली बिल अपडेट करने का झांसा दे अधिवक्ता से ठगी, केस दर्ज

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शिवनंदनपुर निवासी सूरजपुर जिला न्यायालय के अधिवक्ता राजेंद्र प्रशाद यादव को उनके मोबाइल में कॉल कर अज्ञात ठग ने उनसे ५१ हजार से अधिक रकम की ठगी कर ली।दो वर्ष पुराने मामले में बिश्रामपुर पुलिस ने गुरुवार को अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा ४२० आईपीसी,६६ घ आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है।मामला दो वर्ष पूर्व का है।पुलिस में दर्ज कराए गए रिपोर्ट में शिवनंदनपुर निवासी अधिवक्ता राजेंद्र प्रशाद यादव पिता शिव बहादुर यादव बताया कि ३० मई २०२३ को उनके मोबाइल नंबर में अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर उन्हें बिजली बिल अपडेट करने का झांसा दिया जिसके बाद अलग अलग किस्तों में उनसे ५१४१०रु की ठगी कर ली।ठगी के शिकार अधिवक्ता ने मामले की शिकायत तत्काल साइबर सेल में कि थी जिसके बाद चली लंबी जांच पड़ताल के बाद आज उन्होंने बिश्रामपुर पुलिस में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

भाजपा मंगल कार्यालय में हुआ गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
भारतीय जनता पार्टी संगठन के निदेशानुसार मंडल कार्यालय प्रतापपुर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती मानती /योगेंद्र सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतापपुर कार्यक्रम के अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष मुकेश, प्रेमपाल अग्रवाल, अक्षय तिवारी पूर्व मंडल अध्यक्ष, अंबिका जायसवाल, कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र के समक्ष धूप दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर किया गया कार्यक्रम के दौरान गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आमंत्रित परम सम्मानीय गुरुजनों एवं समाज के पथ प्रदर्शक प्रबुध जनों को सम्मानित किया गया गुरुजनों एवं वरिष्ठ जनों का आशीर्वाद प्राप्त किया गया कार्यक्रम के दौरान सुरेंद्रनाथ तिवारी सेवानिवृत शिक्षक,रामानंद ओझा सेवानिवृत शिक्षक, शैलेंद्र सिंह,सेवानिवृत स्वास्थ्य विभाग, अशोक राम नक्षत्र तिवारी, प्राचार्य अचीवर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल कृष्ण मुरारी शुक्ला प्रेमपाल अग्रवाल, जिला मंत्री, राजेंद्र जायसवाल, मोहन पांडे, आनंद मित्तल ,आशुतोष जायसवाल ,कृष्ण सोनी को सम्मानित किया गया इस दौरान अवधेश पांडे मण्डल महामंत्री, सांसद प्रतिनिधि आनंद शुक्ला, श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता,सूर्यदेव जायसवाल,नंदा यादव, श्रीमती सीता पैकरा पार्षद,अरविंद जायसवाल पूर्व पार्षद श्रीमती राधा सिंह महिला मोर्चा महामंत्री, लालमेंन पार्षद सौरभ देवांगन पार्षद विक्रम नामदेव युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष, अंकुर जयसवाल आर्यन दुबे ,संतोष रजक , सोनू शर्मा, योगेंद्र सिंह पूर्व पार्षद, अजय सिंह जी बुधराम देवांगन श्री धर्मेंद्र, अभिषेक कुशवाहा, आयुष वर्मा अक्षय कुमार रवि एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तेज डायग्नोस्टिक सेंटर में 13 जुलाई को मौजूद रहेंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
तेज डायग्नोस्टिक एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल में प्रत्येक माह के दूसरे रविवार दिनांक १३ जुलाई २०२५ को निम्न विशेषज्ञ डॉक्टर परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगें । छ.ग. के सुप्रसिध्द मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. भुवन शर्मा एमडी डीएम न्यूरोलॉजिस्ट,छ.ग. के विशेष स्पाईन एण्ड पेन मैनेजमेन्ट डॉ. बी. मिंज एमबीबीएस,एमडी, छ.ग. के सुप्रसिद्ध पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार अग्रवाल एमबीबीएस ,एमडी, मेडिसिन, दिल्ली, डीएम, गैस्ट्रो, बीएचयू, वाराणसी स्थान-डॉक्टर हॉऊस / सरगुजा...ब्रेन एवं स्पाईन सर्जन एण्ड एण्डोस्कोपिक न्यूरो सर्जन डॉ. महावीर सिंह जौहरी एमबीबीएस एमएस डीएनबी हैदराबाद ...संबंधित रोगों से पीड़ित मरीजों के उपचार हेतु एवं परामर्श के लिए तेज डायग्नोस्टिक सेंटर एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल, जोड़ा तालाब के सामने बाबूपारा अम्बिकापुर में उपलब्ध रहेंगें। संपर्क नं. ८२२४००७७९९,८२२४००७७५५,०७७७४६६९९९, ०७७७४२२२९९९,९८२६१८३७८०...।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 14 जुलाई को

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक १४ जुलाई २०२५ दिन सोमवार को दोपहर ०२:३० बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा, जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यों के प्रगति, विद्युत समस्याओं पर चर्चा, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग सहित अन्य विभागीय योजनाओं के विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की जाएगी।

गुरु पूर्णिमा उत्सव पर भाजपा ने किया गुरुओं का सम्मान

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के आह्वान पर भाजपा बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा जिला कार्यालय के सभा कक्ष में भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में गुरु पूर्णिमा उत्सव के अवसर पर गुरुओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भजन मंडली आरागाही द्वारा गुरु एवं शिष्य की महिमा का बखान करते हुए गुणगान किया गया। गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने कहा कि यह पर्व सिर्फ हिंदूओं में ही नहीं बल्कि बौद्ध धर्म और जैन धर्म के लिए भी खास माना जाता है. हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाते हैं. इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म भी हुआ था इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं.गुरु पूर्णिमा उत्सव को शासकीय नवीन महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉक्टर अर्चना गुप्ता के द्वारा गुरु एवं शिष्य की महिमा को बखान करते हुए उपस्थित छात्र-छात्राओं को समय प्रबंधन व आत्म निर्भर बनने की सिख दी गई। कार्यक्रम को संयोजक मुन्ना लाल चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्ण मिश्रा जिला महामंत्री दीनानाथ यादव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के सह संयोजक भानु प्रकाश दीक्षित के द्वारा बताया गया कि जिले के सभी १३ मंडलों में २७७ विभिन्न सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले गुरुओं का भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों द्वारा शाल श्रीफल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। उनके द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार व्यक्त करते हुए उपस्थित छात्र- छात्राओं से एक पेड़ गुरु के नाम लगाने का आह्वान भी किया गया ।इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह, बंशीधर गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष लोधिराम एक्का , उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, बिहारी पाल,दिवाकर मुखर्जी, निखिल मित्र,बलरामपुर मंडल अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह, मंडल महामंत्री गुरुदेव सिंह, रजनी सोनी,जिला मीडिया सह प्रभारी अजय यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं सम्मानित होने वाले गुरुजन एवं सैकड़ों की संख्या में छात्र- छात्राओं की मौजूदगी रही ।

नई शॉर्ट फिल्म व्यर्थ में एक नई पहचान और पुराने स्टीरियोटाइप्स को चुनौती देती नजर आएँगी कुशा कपिला

मुंबई। अभिनेत्री कुशा कपिला अब अपने नए प्रोजेक्ट 'व्यर्थ' के साथ दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस शॉर्ट फिल्म का पहला पोस्टर आ गया है, जो दर्शकों के सामने फिल्म की दुनिया की पहली झलक बहुत ही खूबसूरती से पेश करता है।
कुशा ने इस फिल्म में सिर्फ अभिनय ही नहीं किया है, बल्कि को-प्रोड्यूसर के रूप में भी एक नया कदम उठाया है। यह उनके करियर में एक नया मोड़ है, जो उनके भीतर के स्टोरीटेलर को उजागर करता है और यह दिखाता है कि वे सिर्फ डिजिटल दुनिया की जानी-मानी हस्ती ही नहीं, बल्कि एक गंभीर कलाकार भी हैं।
फिल्म के बारे में बात करते हुए कुशा कहती हैं, ‘व्यर्थ मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में टाइपकास्टिंग के खिलाफ एक आइना है, जो भूमि के किरदार की यात्रा में साफ झलकता है। एक अभिनेता के तौर पर आप किरदार की आत्मा में उतरते हैं, लेकिन एक निमार्ता के रूप में आपको पूरी तस्वीर देखनी होती है। यह बदलाव कि 'मैं यह डायलॉग कैसे बोलूँ?' से लेकर 'यह पूरी फिल्म कैसे असर डाले?' तक पहुँचना, मेरे लिए बहुत ही सुंदर अनुभव रहा, जिसने मुझे सशक्त बनाने का काम किया। अपने कमरे में फनी वीडियोज बनाने से लेकर अब फिल्म एक्टिंग और प्रोडक्शन तक का सफर मेरे लिए स्वाभाविक विकास जैसा है।
'व्यर्थ' की कहानी एक कम आँकी गई अभिनेत्री भूमि के इर्द-गिर्द घूमती है, जो लगातार पारंपरिक भूमिकाओं में टाइपकास्ट हो चुकी है। जब उसे एक माँ का रोल ऑफर होता है, तो उसकी उम्मीदें जैसे टूट जाती हैं। कहानी में मोड़ तब आता है, जब उसकी युवा रूममेट मीनाक्षी उसी रोल के लिए भूमि से मदद माँगती है।
फिल्म का निर्देशन और निर्माण पंकज दयानी ने किया है, जो 'न्यूटन' के असिस्टेंट डायरेक्टर रह चुके हैं। फिल्म को फहीम इरशाद ने लिखा है। कास्टिंग डायरेक्टर रोमिल मोदी 'लापता लेडीज' एवं 'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' जैसी फिल्मों से जुड़े रहे हैं। 'मॉनिका ओ माय डार्लिंग' फेम सिनेमैटोग्राफर स्वप्निल एस. सोनावले ने फिल्म की भावनाओं को खूबसूरती से कैमरे में कैद किया है।

कोयला अधिकारियों को स्मार्ट फोन खरीदने कोल इंडिया देगी राशि

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कोल इंडिया एवं उसके सहयोगी कंपनियों में कार्यरत अधिकारियों को स्मार्ट फोन खरीदी के लिए अधिकारियों के रैंक के अनुसार तीस से साठ हजार रु भुगतान किया जाएगा।
११ जुलाई २०२५ को सीआईएल प्रबंधन ने जारी नोट में बताया कि ३० अक्टूबर २०२४ को बोर्ड की ४७२ वीं बैठक आयोजित हुई थी।इस बैठक में कोयला अधिकारियों को स्मार्ट फोन की खरीदी के लिए भुगतान किए जाने की स्वीकृति दी गई थी।बताया जाता है कि कोल इंडिया स्थापना दिवस एक नवंबर को उक्त राशि अधिकारियों को दिया जाना था लेकिन यूनियनों के विरोध के कारण इसे लंबित रखा गया और अब विरोध के स्वर शांत होते ही भुगतान की मंजूरी दे दी गई है।जारी गाइड के अनुसार ई ९ संवर्ग को साठ हजार, ई ७, ई ८ को पचास हजार, ई ४ से ई ६ को चालीस हजार उनसे नीचे को तीस हजार देय होगा। एसईसीएल में ई ८ संवर्ग के१२९, ई ७ के २६४, ई ६ के ३३५, ई ५ के ४४५, ई ४ के३२७, ई ३ के ७१४, ई २ के२९९अधिकारी कार्यरत हैं।इस प्रकार एसईसीएल के कुल २५१३ अधिकारियों को इस योजना का लाभ प्राप्त होगा।

गुरु पूर्णिमा पर शिवनंदनपुर में सम्मान समारोह

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कैबिनेट मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नगर पंचायत शिवनंदनपुर में एक भावभीने कार्यक्रम में सेवानिवृत्त वरिष्ठजनों और गुरुजनों का साल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि गुरु वही नहीं जो सिर्फ विद्यालय में पढ़ाए, बल्कि जीवन के हर मोड़ पर जो सही दिशा दे, वही सच्चा गुरु होता है। इन वरिष्ठजनों का आशीर्वाद हमारे लिए पथप्रदर्शक है। कार्यक्रम पश्चात मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भाजपा के स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकताओं से मुलाकात कर संगठन की मजबूती पर चर्चा की। इस बैठक में विभिन्न स्थानीय मुद्दों, संगठन की आगामी रणनीतियों और जमीनी स्तर पर भाजपा की उपस्थिति को और प्रभावी बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े, महामंत्री शितिकांत स्वाई, रितेश जायसवाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्यामू साहू, मनी बग्गा, अमर लाल साहू, विवेक जायसवाल, कमलेश सोनी, प्रमिला साहू, अनीता सिंह, मनीष सिंह, समीर सिंह, सुजीत सिंह, अंजली राजवाड़े, यश सोनी, नपं शिवनंदनपुर के सीएमओ सुनील सिन्हा व अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं भी शामिल हुईं। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने शिवनंदनपुर क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और विकास संबंधी सुझाव भी मांगे। लोगों ने मूलभूत सुविधाओं, जल निकासी, सड़क मरम्मत और महिलाओं की स्वरोजगार योजनाओं पर चर्चा की, जिन पर मंत्री ने जल्द ही संबंधित विभागों से बात करने का आश्वासन दिया है।

गायत्री प्रज्ञा पीठ सीतापुर में मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

गुरु संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का लिया संकल्प

सीतापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गायत्री प्रज्ञा पीठ सीतापुर में श्रद्धा और भक्ति के साथ गुरुपूजन एवं एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। साधकों ने गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र के साथ लोककल्याण हेतु आहुतियाँ अर्पित कीं। सीतापुर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में गायत्री साधक इस पुण्य अवसर पर सम्मिलित हुए।कार्यक्रम के दौरान माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी और अखंड ज्योति प्राकट्य के १०० वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शांतिकुंज हरिद्वार से प्रारंभ होने वाली ज्योति कलश यात्रा के विषय में जानकारी दी गई। उपस्थित साधकों ने परम पूज्य गुरुदेव के युग निर्माण सत्संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर दो विद्यारंभ संस्कार, एक नामकरण संस्कार तथा चार बहनों का दीक्षा संस्कार विधिवत संपन्न कराया गया।गुरु की महत्ता प्रतिपादित करते हुए गायत्री परिवार के सीतापुर समन्वयक श्री एफ. आर. भगत ने बताया कि गुरु पूर्णिमा केवल गुरु पूजन का दिन नहीं है, यह आत्मनिरीक्षण, समर्पण और संकल्प का पर्व है। यह पर्व है अपने जीवन में गुरु की महत्ता को समझने का और उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा का। हम सभी के जीवन में गुरु का महत्व सर्वोपरि है। गुरुपर्व के आयोजनों की श्रृंखला में युवा मंडल बरपारा द्वारा दीप यज्ञ का आयोजन भी किया गया, जिसमें गुरु की महिमा एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस गरिमामयी अवसर पर युवा मंडल की सक्रिय सदस्य कुमारी भारती प्रधान का जन्मदिन भी उत्साहपूर्वक मनाया गया।
कार्यक्रम में गायत्री प्रज्ञापीठ सीतापुर के नारी जागरण प्रकोष्ठ की प्रमुख श्रीमती ज्योति सिंह, मण्डल की सदस्य आरती पैंकरा, वरिष्ठ कार्यकर्ता, सक्रिय युवा मंडल के भाई एवं बहनें उपस्थित रहीं।

जन्मजात विकृति का जिला अस्पताल में सफल उपचार

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत क्लब फुट का मुफ्त ईलाज

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शासन द्वारा दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं में से एक स्वास्थ्य सुविधाएं और केंद्र सरकार बचपन में ही जन्मजात बीमारियों का पता लगाकर उसे समूल समाप्त करने के उद्देश से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित कर रही है, जिसमें जटिल बीमारियों का निःशुल्क इलाज किया जाता है।
विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम सावित्रीपुर निवासी विदास सिंह के यहां पुत्री का जन्म हुआ तो परिवार में खुशी का माहौल था। लेकिन परिवार में खुशी उस समय थोड़ी फीकी पड़ गईं। जब चिकित्सकों ने बताया कि ५ माह की पुत्री समायरा को क्लब फुट की जन्मजात स्थिति है। विदास सिंह विगत दो सप्ताह पूर्व नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने बताया कि बच्ची का पैर अंदर की ओर मुड़ा हुआ है। जिससे वह आगे चलने में असमर्थ हो सकती है।
तब उन्हें जानकारी दी गई कि जिला अस्पताल बलरामपुर में प्रत्येक गुरुवार को चिरायु दिवस पर विभिन्न प्रकार की जन्मजात बीमारियों का निःशुल्क उपचार किया जाता है। इसी कड़ी में विदास सिंह ने अपनी पुत्री समायरा को जिला अस्पताल लाकर चिरायु दल से संपर्क किया। यहाँ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय गुप्ता ने समायरा का परीक्षण कर तुरंत उपचार शुरू किया। जहां समायरा का विगत गुरुवार चिरायु दिवस पर सफल उपचार कर लिया गया। विदास सिंह बताते है कि हमें लगा था कि बेटी के पैर का इलाज हम शायद नहीं करवा पाएंगे, लेकिन चिरायु दिवस के माध्यम से जिला अस्पताल में मदद मिली, इसके लिए उन्होंने शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया है।
कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत प्रत्येक गुरुवार को चिरायु दिवस के माध्यम से जन्मजात विकृतियों की पहचान कर उपचार की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत सिंह ने बताया कि क्लब फुट एक ऐसी स्थिति है, जिसमें बच्चे का पैर अंदर की ओर मुड़ जाता है और समय रहते इलाज से पूरी तरह ठीक हो सकता है। उन्होंने जिले वासियों से अपील की है कि यदि किसी बच्चे में जन्म के समय कोई असामान्य स्थिति दिखे तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जाकर चिरायु दल से संपर्क करें।
मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक गुरूवार को जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम अन्तर्गत चिरायु दिवस मनाया जाता है, जिसमें चिरायु दलों द्वारा केटगरी अनुसार बच्चों को निकट के स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचार के लिए लाया जाता है। पहले ऐसी स्थिति में परिजनों को इलाज के लिए अम्बिकापुर जैसे बड़े शहर जाना पड़ता था, जिससे आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियाँ आती थीं। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। शासन-प्रशासन के प्रयासों से जिला अस्पताल में ही उपचार किया जा रहा है। वर्ष २०२४ में चिन्हांकित १४ बच्चों में से ११ बच्चों का सफलतापूर्वक उपचार हो चुका है। जबकि २०२५ में चिन्हांकित १२ बच्चों में से ३ बच्चों को सफलतापूर्वक इलाज मिल चुका है। बाकी बच्चों का शीघ्र उपचार किया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पर नमामि हसदेव सेवा समिति ने आयोजित की हसदेव आरती, सौंदर्यीकरण और संरक्षण का लिया संकल्प

कोरबा अम्बिकावाणी – आषाढ़ पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) के पावन अवसर पर नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा १० जुलाई की सायं ५ बजे माँ सर्वमंगला घाट, कोरबा में भव्य हसदेव आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। समिति द्वारा उपस्थित जनसमूह के लिए समुचित व्यवस्थाएं की गई थीं।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि हसदेव नदी, उसकी सहायक नदियों एवं अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण एवं तटों के सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से प्रत्येक मास की पूर्णिमा को माँ सर्वमंगला घाट में हसदेव आरती का आयोजन किया जाएगा। इसी श्रृंखला में आषाढ़ पूर्णिमा के दिन आयोजित आरती आध्यात्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण का संगम बनी। आरती कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रांतीय चेयरमैन अशोक मोदी मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही विशिष्ट यजमान के रूप में परशुराम ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष अधिवक्ता बृजेश कुमार शुक्ला, राजपूत क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह ठाकुर, झेरिया यादव समाज के जिलाध्यक्ष रिखी राम यादव, एवं कनौजिया राठौर समाज के जिलाध्यक्ष सीताराम राठौर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस मौके पर अनेक गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में सहभागी हुए। आयोजन ने श्रद्धा, पर्यावरण जागरूकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

छोटी खबरें

एसईसीएल अस्पताल के पास मिला 9 फीट लंबा अजगर, वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम ने किया सफल रेस्क्यू

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा जिले में लगातार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सांप निकलने की घटनाएं सामने आ रही हैं। एक ओर जहां लोग सुबह होते ही अपने रोजमर्रा के कामों में जुट जाते हैं, वहीं जिले की वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम भी हर दिन अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार रहती है। इसी कड़ी में गुरुवार सुबह लगभग ५:३० बजे बांकीमोंगरा स्थित एसईसीएल अस्पताल के समीप लगभग ९ फीट लंबा एक विशालकाय अजगर देखे जाने की जानकारी रेस्क्यू विशेषज्ञ जितेंद्र सारथी को मिली। सूचना मिलते ही उन्होंने तुरंत कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत को अवगत कराया। डीएफओ के निर्देश पर वे कोरबा से बांकीमोंगरा रवाना हो गए। मौके पर पहुंचते ही श्री सारथी ने स्थानीय लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की। बताया गया कि अजगर घर के बगल में रखे ईंटों के ढेर में छिपा हुआ था। स्थानीय लोगों की मदद से जैसे ही ईंटें हटाई गईं, अजगर बाहर निकल आया और गुस्से में जितेंद्र सारथी पर लगातार हमला करने लगा। लेकिन श्री सारथी ने पूरी सावधानी और रेस्क्यू प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सुरक्षित दूरी से अजगर को थैले में कैद कर लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों को जानकारी दी कि यह इंडियन रॉक पाइथन है, जो जहरीला नहीं होता, लेकिन यह अपने शिकार को कुंडली मारकर दम घोंट कर मार सकता है। इसलिए ऐसे जीवों से छेड़छाड़ या पकड़ने का प्रयास न करें। अंततः अजगर को सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों ने राहत की सांस लेते हुए जितेंद्र सारथी का धन्यवाद ज्ञापित किया और रेस्क्यू टीम के कार्य की सराहना की।

महामहिम राज्यपाल रमेन डेका कोरबा पहुँचे- कलेक्टर, डीएफओ सहित अन्य अधिकारियों ने किया आत्मीय स्वागत

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ राज्य के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका आज एनटीपीसी गेस्ट हाउस कावेरी भवन कोरबा पहुँचे। यहां कलेक्टर अजीत वसंत ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान डीएफओ निशांत कुमार, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, निगमायुक्त आशुतोष पांडेय आदि ने भी स्वागत किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, एडिशनल एसपी एनटीपीसी के अधिकारी, एसडीएम कटघोरा आदि उपस्थित थे। महामहिम राज्यपाल दो दिवसीय प्रवास पर कोरबा में रहेंगे।

महामहित राज्यपाल अधिकारियों की बैठक लेंगे आज – महामहिम राज्यपाल श्री डेका १२ जुलाई को प्रातः ९.४५ बजे कावेरी भवन से प्रस्थान कर ९.५५ बजे कलेक्टोरेट पहुंचेंगे। वे यहां एक पेड़ माँ के नाम पोधारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेंगे। दोपहर ११.५० बजे कलेक्टर आफिस से प्रस्थान कर लंच करेंगे। वे दोपहर १ बजे पोड़ी उपरोड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे और पोड़ी उपरोड़ा मुख्यालय में दोपहर १.३० बजे एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेंगे। वे यहां से अपरान्ह ३ बजे राजभवन रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

एकलव्य आवासीय विद्यालयों में कक्षा 11वी लेटरल एंट्री में प्रवेश मैरिट सूची से किया जायेगा

कोरबा अम्बिकावाणी- जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा ११वी में रिक्त सीटों में प्रवेश के लिए ०७ जुलाई २०२५ तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय के अनुसार ०७ जुलाई २०२५ तक प्राप्त आवेदनों का कक्षा १० वीं में प्राप्तांक के आधार पर मैरिट सूची से चयन किया जाएगा। मैरिट सूची के प्रकाशन की घोषणा अलग से की जायेगी। कक्षा ११वी में प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा नहीं होगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र० 202507021700091 /ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय मण्डल आ० अमल मण्डल, व अन्य 04, निवासी ग्राम चठिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम चठिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 335/1 रकबा 1.146 हे० में से रकबा 0.052 हे० भूमि आवेदक क्र० 01 की पुत्री के ईलाज एवं मकान निर्माण हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका स्तुति जायसवाल आ० राजेश कुमार जायसवाल, निवासी वार्ड नं० 03 तुर्रापानी रोड, होटल बंधन इन के सामने फुन्दुरडिहारी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) व अन्य 01, को रू० 21,00,000/- (इक्कीस लाख रुपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/08/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार,
अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार दरिमा, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

::ईश्तहार::

रा०प्र०क्र०/ /अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता कि, आवेदक मनोज कुमार अग्रवाल पिता स्व० कलीराम के द्वारा ग्राम कतकालो प०ह०नं० 3 रा०नि०मं० सोहगा तहसील दरिमा जिला सरगुजा छ०ग० में स्थित अपने भूमि स्वामी हक की भूमि ख०नं० 740/1 रकबा 0.047 में से रकबा 0.020 को सुशील प्रसाद सिन्हा पिता श्री जगदीश नारायण सिन्हा के पक्ष में एवं सुशील प्रसाद सिन्हा पिता श्री जगदीश नारायण सिन्हा की भूमि ख०नं० 741/9 रकबा 0.020 हे० भूमि को मनोज कुमार अग्रवाल पिता स्व० कलीराम के पक्ष में दिनांक 23/04/2025 को की गयी पंजीकृत सुधार पत्र एवं दिनांक 30/06/2025 का संयुक्त शपथ पत्र की प्रति संलग्न कर राजस्व अभिलेख में सुधार कर नामान्तरण करने हेतु आवेदन प्राप्त है।

अतः उपरोक्त संबंध मे जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत किसी भी का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर इस पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा द्वारा जारी।

नायब तहसीलदार
दरिमा
जिला-सरगुजा (छ०ग०)

कोरबा में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, पाली ब्लॉक में नाला पुलिया बहा, ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

कोरबा अम्बिकावाणी – जिले में हो रही लगातार बारिश से आम जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक सड़कों की हालत खराब हो चुकी है। जलभराव और कीचड़ के कारण लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इधर, पाली ब्लॉक अंतर्गत टाले नाले पर बनी पुलिया तेज बारिश के चलते बह गई है। मिली जानकारी के अनुसार मड़वामौहा से लोहड़िया मार्ग पर स्थित यह पुलिया टूट जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह कट गया है। साथ ही भारी पानी और मिट्टी के कटाव के कारण कई पेड़ भी धराशायी हो गए हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग के जरिए वे पोड़ी क्षेत्र से अपनी दैनिक जरूरतों की पूर्ति करते थे, लेकिन अब उन्हें ५ किलोमीटर की दूरी तय करने के बजाय करीब २० किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करने और क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत की मांग की है, ताकि आवागमन फिर से सामान्य हो सके।

कोरबा वन मंडल के कुदमुरा परिक्षेत्र में दो दंतैल हाथियों की सक्रियता, ग्रामीणों को किया गया सतर्क

कोरबा अम्बिकावाणी- वन मंडल कोरबा के कुदमुरा वन परिक्षेत्र में दो दंतैल (नर) हाथियों की सक्रियता की जानकारी सामने आई है। हाथियों की मौजूदगी की पुष्टि के बाद वन विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। स्थानीय ग्रामीणों को सतर्क करते हुए जंगल के निकट न जाने की सलाह दी गई है। जानकारी के अनुसार, ये दंतैल हाथी सामान्य हाथियों की तुलना में अधिक आक्रामक प्रवृत्ति के होते हैं और इनके हमले जानलेवा साबित हो सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए वन विभाग द्वारा प्रभावित संभावित गांवों में मुनादी और अन्य माध्यमों से सूचना पहुंचाई जा रही है। वन विभाग के साथ-साथ करतला पुलिस भी सक्रिय है। पुलिस प्रशासन ने अपने सूचना तंत्र के माध्यम से ग्रामीणों को सतर्क रहने, समूह में चलने और जंगल के किनारे अकेले न जाने की सलाह दी है। पुलिस का मानना है कि जंगली जानवरों की सक्रियता से ग्रामीण क्षेत्रों में खतरा बढ़ता है, जिससे सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। वन विभाग और पुलिस की संयुक्त सतर्कता से क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना से बचाव की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अफवाहों से बचें और प्रशासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों का पालन करें।

रजकम्मा गांव में बिजली संकट को लेकर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, नेशनल हाइवे पर घंटों रुका यातायात

कोरबा अम्बिकावाणी – कोरबा जिले के ग्राम रजकम्मा में पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप होने से नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार को बिलासपुर-अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। चक्काजाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। इस दौरान आमजन, बस यात्री, स्कूली छात्र और नौकरीपेशा लोग बुरी तरह फंसे रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली आपूर्ति ठप होने की लगातार शिकायतें विद्युत विभाग को की गईं, लेकिन न तो अधिकारी फोन उठाते हैं और न ही मौके पर पहुंचकर समाधान करते हैं। गर्मी के इस मौसम में बिना बिजली के रहना ग्रामीणों के लिए बेहद कठिन हो गया है। विभागीय लापरवाही से आक्रोशित होकर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से चक्काजाम का निर्णय लिया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और युवा शामिल हुए। सभी ने विद्युत विभाग पर मनमानी और उपेक्षा का आरोप लगाते हुए जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप ले सकता है।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा कर समस्या के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। हालांकि, पुलिस की समझाइश के बावजूद ग्रामीण चक्काजाम खत्म करने को तैयार नहीं हुए। चक्काजाम के कई घंटे बीत जाने के बावजूद न तो विद्युत विभाग के कोई अधिकारी मौके पर पहुंचे और न ही प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल की गई, जिससे ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया। लोगों ने साफ कहा कि अगर जल्द कार्यवाही नहीं हुई, तो वे कलेक्टर कार्यालय तक आंदोलन ले जाएंगे।

इस बीच बस, ट्रक और अन्य वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यात्रियों ने बताया कि वे समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे नौकरी, शिक्षा और अन्य जरूरी कामकाज प्रभावित हो रहा है। कई स्कूल-कॉलेज के छात्र भी जाम में फंसे रहे। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

न्यायालय नायब तहसीलदार रघुनाथपुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

::ईश्तहार::

रा०प्र०क्र०/........./ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम असकला को सूचित किया जाता है किआवेदक संजय यादव पिता स्व. रामकरन उम्र 40 वर्ष, जाति अहीर निवासी असकला तहसील रघुनाथपुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने पिता स्व. रामकरन का मृत्यु दिनांक 15/07/2011 का प्रमाण पत्र बनवाने हेतु शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन पेश किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 25/06/2025 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 06/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
रघुनाथपुर
जिला-सरगुजा (छ०ग०)

खरीफ 2025 के लिए फसल बीमा की अंतिम तिथि 31 जुलाई

कोरिया - प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ वर्ष २०२५ के लिए बजाज एलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को राज्य शासन द्वारा कोरिया जिले में अधिकृत बीमा प्रदाता नियुक्त किया गया है। इस योजना के अंतर्गत फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि ३१ जुलाई २०२५ निर्धारित की गई है। कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी कृषकों से अपील की गई है कि वे प्राकृतिक आपदाओं, कीट व रोग आक्रमण एवं फसल कटाई उपरांत होने वाले संभावित नुकसान से अपनी फसलों को सुरक्षित करने हेतु बीमा अवश्य कराएं। कोरिया जिले के लिए अधिसूचित फसलों में धान (सिंचित व असिंचित), उड़द, मूंग, मूंगफली, कोदो, कुटकी, मक्का, तुअर (अरहर), रागी एवं सोयाबीन शामिल हैं। इन फसलों के लिए किसानों को बीमांकित राशि का केवल दो प्रतिशत कृषक अंश प्रीमियम के रूप में जमा करना होगा, शेष प्रीमियम राज्य व केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। जिले में प्रति हेक्टेयर धान सिंचित की बीमांकित राशि ५० हजार है, बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम दर १२ प्रतिशत, किसानों द्वारा २ प्रतिशत प्रीमियम दर, राज्यांश व केंद्रांश प्रीमियम दर ५-५ प्रतिशत है। इसी तरह धान असिंचित प्रति हेक्टेयर की बीमांकित राशि ४० हजार है, बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम दर ७ प्रतिशत, किसानों द्वारा २ प्रतिशत प्रीमियम दर, राज्यांश व केंद्रांश प्रीमियम दर २.५०-२.५० प्रतिशत है। वहीं उड़द की प्रति हेक्टेयर बीमांकित राशि २२ हजार है, बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम दर १० प्रतिशत, किसानों द्वारा २ प्रतिशत प्रीमियम दर, राज्यांश व केंद्रांश प्रीमियम दर ४-४ प्रतिशत है। मूंग की प्रति हेक्टेयर बीमांकित राशि २२ हजार है, बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम दर ५ प्रतिशत, किसानों द्वारा २ प्रतिशत प्रीमियम दर, राज्यांश व केंद्रांश प्रीमियम दर १.५०-१.५० प्रतिशत है। मूंगफली की प्रति हेक्टेयर बीमांकित राशि ४२ हजार है, बीमा कंपनी और किसानों द्वारा प्रीमियम दर २-२ प्रतिशत है, इसमें राज्यांश व केंद्रांश नहीं है जबकि अरहर की प्रति हेक्टेयर बीमांकित राशि ३० हजार है, बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम दर ९ प्रतिशत, किसानों द्वारा २ प्रतिशत प्रीमियम दर, राज्यांश व केंद्रांश प्रीमियम दर ३.५०-३.५० प्रतिशत है।

बलरामपुर जिले के पहले राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता ताइक्वांडो प्रशिक्षक प्रांजल का गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जिला सम्मान

* राष्ट्रीय खिलाड़ी और प्रशिक्षक के तौर पर लंबे समय से काम कर रहे हैं

बलरामपुर – जिले में गुरु पूर्णिमा के दिन भाजपा प्रदेश संगठन के आह्वान पर गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें बलरामपुर जिले के भाजपा के विशिष्ट लोगों ने ताइक्वांडो (मार्शल आर्ट) के प्रशिक्षक प्रांजल सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया और उनके कार्य के लिए उन्हें साल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया. प्रांजल बलरामपुर जिल के पहले राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता हैं उन्होंने निरंतर अपनी मेहनत से दो बार राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किया है और राज्य सहित जिले का नाम रोशन किया है।जो वर्तमान में निरंतर अपने कार्य में प्रशिक्षक के तौर पर प्रगतिशील हैं।

***प्रांजल ने खुशी जाहिर करते हुए जताया आभार...**

इस सम्मान से खुशी जाहिर करते हुए प्रांजल ने मीडिया को बताया कि इस उम्र में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु के रूप में सम्मान पाना ये बड़ी सौभाग्य की बात है इसके लिए आभार व्यक्त करता हूं मैं लंबे समय से ताइक्वांडो (मार्शलआर्ट) के माध्यम से कई जिलों में आत्म रक्षा का प्रशिक्षण देते आया हूं कई सरकारी एवं प्राइवेट स्कूल,कॉलेज सहित सरकारी और निजी जागरूकता शिविरों के आयोजनों में निःशुल्क हजारों लड़के,लड़कियों एवं पुरुष, महिलाओं, को खुशी से प्रशिक्षण दिया है और आजीवन मौके आने पर देते रहूंगा इस काम में खुद को गौरांवित महसूस करता हूं जिससे आत्म रक्षा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लोग जिसमें छोटे बच्चे,लड़कियां,महिलाएं, अपनी सुरक्षा करना सिख पाती हैं और खुद को निडर महसूस करती हैं ये अनुभव खुशी दे कर जाता है। जिला मुख्यालय बलरामपुर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अलग-अलग विधाओं में गुरुओं का सम्मान किया गया, इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला भाजपा अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल, बाल कृष्ण पाठक, बिहारी पाल,बंसीधर गुप्ता, दीनानाथ यादव,दिलीप सोनी, सत्य प्रकाश सिंह, कोदूराम द्विवेदी, डॉ अर्चना गुप्ता,इत्यादि वरिष्ठों के साथ साथ शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं स्वामी आत्मानंद स्कूल से आए सैकड़ों बच्चों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही कार्यक्रम के संयोजक मुन्ना लाल चौधरी एवं भानु प्रकाश दीक्षित रहे।

युक्तियुक्तकरण नीति के विरोध में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन, राज्य सरकार को सौंपा ज्ञापन

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ में युक्तियुक्तकरण नीति के खिलाफ आम आदमी पार्टी कोरबा के नेतृत्व में बुधवार को विरोध प्रदर्शन कर राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपा गया। पार्टी ने ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश की भाजपा सरकार पर शिक्षा नीति के मोर्चे पर विफल रहने का आरोप लगाया। ज्ञापन में कहा गया है कि युक्तियुक्तकरण के नाम पर हजारों स्कूल बंद कर दिए गए और कई विद्यालय शिक्षकविहीन हो गए हैं। सरकार ६३ हजार रिक्त शिक्षकों के पदों को भरने में विफल रही है। अपनी नाकामी छिपाने के लिए लगभग १० हजार स्कूलों को बंद कर दिया गया, ताकि युवाओं को नौकरी न देनी पड़े। आम आदमी पार्टी ने इसे छात्रों और युवाओं के साथ अन्याय बताया। पार्टी ने कहा कि युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूलों का आपस में विलय, शिक्षकों का स्थानांतरण और छोटे विद्यालयों को बंद किया गया, लेकिन इसका वास्तविक प्रभाव नकारात्मक रहा। कई छात्रों को अब ३ से ५ किमी दूर स्कूल जाना पड़ रहा है, जिससे खासकर बालिकाओं की शिक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कई स्कूलों में विषय विशेषज्ञ शिक्षक ही नहीं हैं और छात्रों को बिना गणित व विज्ञान शिक्षक के पढ़ाई करनी पड़ रही है। बिना स्थानीय परिस्थितियों को समझे स्कूलों का विलय कर दिया गया, जिससे सामाजिक, भौगोलिक और आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो गईं। बंद हुए स्कूलों के भवन जर्जर हो रहे हैं और सरकारी संसाधन बर्बाद हो रहे हैं। पार्टी ने उदाहरण देते हुए बताया कि दंतेवाड़ा जिले में एक स्कूल को ७ किमी दूर स्थानांतरित कर दिया गया, जिससे छात्रों ने आना बंद कर दिया। एक गांव में शिक्षक न होने के कारण बच्चों ने खुद स्कूल में ताला जड़ दिया। बस्तर, सरगुजा, कांकेर जैसे आदिवासी क्षेत्रों में छात्र संख्या घटने और ड्रॉपआउट दर में वृद्धि की भी बात कही गई। आम आदमी पार्टी ने बताया कि इस नीति का अभिभावक, छात्र और पंचायतें भी विरोध कर रही हैं। १ जुलाई २०२५ को साझा शिक्षक संघ द्वारा आयोजित राज्यव्यापी हड़ताल में करीब २ लाख शिक्षक शामिल हुए थे। संघ का आरोप है कि सरकार ने केवल कागजों में सुधार किया है, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति बदहाल है। यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो शिक्षक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। पार्टी ने राज्य सरकार से युक्तियुक्तकरण नीति को तत्काल रद्द करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समयसीमा में शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो जनता के सहयोग से बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर प्रदेश संगठन मंत्री आनंद सिंह, लोकसभा अध्यक्ष प्रतिमा सिन्हा, सचिव शत्रुघ्न साहू, कोषाध्यक्ष लहना सिंह, जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) जगलाल राठिया, जिला सचिव रिचर्ड लोगन, ग्रामीण इकाई से संतोष कुमार गबेल, कोषाध्यक्ष सोमराज, यूथ विंग जिला अध्यक्ष आजाद बॉक्स, करतला तहसील अध्यक्ष गुरुवार सिंह बघेल, तहसील सचिव हरदेव सिंह समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अम्बिकावाणी
अम्बिकापुर, शनिवार 12 जुलाई, 2025

सम्पादकीय

समय ही जीवन है। समय को बरबाद करना अपने जीवन को बर्बाद करने के समान है।
0 ब्रह्मकुमारी

संपादकीय

पुरानी गाड़ियों पर पेट्रोल-डीजल प्रतिबंध

अभियान में जुटी यातायात एवं परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और दिल्ली नगर निगम की संयुक्त टीमों ने पहले दिन की कार्रवाई में 25 ईओएल (समय-सीमा पूरी कर चुके वाहन) जब्त किए। पेट्रोल पंपों को ऐसे वाहनों को ईंधन न देने को निर्देशित किया गया है, और दिल्ली में 350 से ज्यादा पेट्रोल पंपों पर स्वचालित नंबर प्लेट रीडर कैमरे (एएनपीआर) लगाए गए हैं। वायु गुणवत्ता आयोग ने भी पेट्रोल पंप कर्मचारियों को सतर्क कर दिया था।

दरअसल, काफी पहले नेशनल ग्रीन ट्राइब्यूनल (एनजीटी) नियत अवधि से ज्यादा पुराने हो चुके वाहनों को दिल्ली में चलने से रोकने के आदेश पारित कर चुका है। आदेश की अनुपालना में समय-समय पर सख्ती भी की गई लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं निकल पा रहे थे।

डंप किए गए पुराने वाहनों, जिन्हें सार्वजनिक जगहों पर पार्क किया गया था, को जब्त भी किया गया लेकिन ऐसे वाहनों के मालिकों में किसी तरह का कोई डर या कानून की अनुपालना की ललक नहीं दिखलाई दी।

दिल्ली में कड़ी सुरक्षा के बीच पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल-डीजल देने पर प्रतिबंध की शुरूआत हो गई। इस अभियान के तहत 15 साले से ज्यादा पुराने पेट्रोल-चालित वाहनों और 10 साल से ज्यादा पुराने डीजल-चालित वाहनों को पेट्रोल पंपों से ईंधन नहीं लेने दिया जाएगा।

लेकिन वाहनों से होने वाले प्रदूषण के नुकसान को देखते हुए जरूरी बन पड़ा था कि सख्ती से पुराने वाहनों को सड़क से हटवाया जाए। इस काम में अब तकनीक बड़ी मददगार साबित हो रही है। पुराने वाहनों की पहचान के लिए जो कैमरे पेट्रोल पंपों पर लगाए गए हैं, वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संचालित हैं।

उनमें स्वचालित हूटर सिस्टम भी लगाया गया है। प्रतिबंधित वाहन के पेट्रोल पंप पर पहुंचते ही कैमरे तुरंत उसका पता लगा लेते हैं, और अभियान में जुटे कर्मियों को सचेत करने के लिए हूटर बजा देते हैं। कार्रवाई के बाद कई वाहन चालक अपने वाहन के बिना ही घर जाने को मजबूर हो गए।

बेशक, प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के साथ ही उद्योग आदि पर सख्ती की दरकार है। लेकिन यह भी जरूरी है कि नये वाहन खरीदने के लिए आवधिक ऋण जैसी सहूलियतों की शत्रे आसान की जाएं ताकि यह अभियान नागरिक-विरोधी करार न दिया जा सके।

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना: नौकरियों, आर्थिक विकास और औपचारिकीकरण की एक उत्प्रेरक

सुश्री ज्योति विज

अब जबकि दुनिया स्वचालन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, भारत सरकार ने हाल ही में रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को स्वीकृति दी है। यह एक बेहद ही सामयिक और सोचा-समझा कदम है। लगभग एक लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाली यह योजना भारत के उभरते रोजगार परिदृश्य, विशेषकर मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, में एक साहसिक नीतिगत हस्तक्षेप है।

अगले दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को समर्थन देने के उद्देश्य से तैयार की गई यह ईएलआई योजना महज एक आर्थिक उपाय भर नहीं है - यह भारत की श्रमशक्ति के भविष्य में एक ऐसा रणनीतिक निवेश है, जो सीधे तौर पर सरकार के विकसित भारतञ्च2047 के विजन का समर्थन करता है। ईएलआई देश में रोजगार सृजन का एक प्रमुख उत्प्रेरक बनने जा रहा है।

कई अन्य ऐसे देशों के उलट, जहां आबादी शीघ्र ही घटने लगेगी या घट चुकी है, भारत में अभी भी कार्यशील आयु वर्ग की एक ऐसी बड़ी आबादी है, जिसे रोजगार के अधिक अवसरों की जरूरत है। ईएलआई योजना का उद्देश्य नौकरी चाहने वालों और नौकरी देने वालों के बीच ही नहीं बल्कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण रूप से अनौपचारिक कार्य एवं औपचारिक रोजगार के बीच की खाई को पाटना है।

रोजगार संबंधी तात्कालिक नतीजों से परे जाकर, इस बात पर गौर करना महत्वपूर्ण है कि ईएलआई योजना विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में भारत की प्रगति को मजबूत करती है। खासतौर पर, औपचारिक व दीर्घकालिक रोजगार को प्रोत्साहित करके एसडीजी 8 (सभ्य कार्य तथा आर्थिक विकास) और कम वेतन पाने वालों एवं पहली बार नौकरी चाहने वालों को लक्षित वित्तीय सहायता प्रदान करके एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) तथा एसडीजी 10 (असमानताओं में कमी) के संदर्भ में।

आधार-समर्थ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रणाली (डीबीटी सिस्टम) के जरिए ईपीएफओ पंजीकरण एवं संवितरण के साथ इस योजना का जुड़ाव न केवल रोजगार सृजन बल्कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार भी सुनिश्चित करता है, जोकि एक न्यायसंगत और समावेशी अर्थव्यवस्था के निर्माण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। भारत द्वारा किए गए ऐसे प्रयासों को मान्यता देते हुए, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने हाल ही में भारत की इस उपलब्धि को स्वीकार किया और आधिकारिक तौर पर अपने डैशबोर्ड पर इस तथ्य को प्रकाशित किया कि भारत की 64.3 प्रतिशत आबादी (2015 में 19 प्रतिशत की तुलना में), यानी 94 करोड़ से अधिक लोग अब कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा लाभ के दायरे में हैं।

मैन्यूफैक्चरिंग पर जोर खासतौर पर स्वागत योग्य है। जैसे-जैसे वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं नए सिरे से बदल रही हैं, भारत भी कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता वस्तुओं और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहा है। इन क्षेत्रों में दीर्घकालिक रोजगार सृजन का समर्थन करके, ईएलआई योजना पीएलआई योजनाओं, 'मेक इन इंडियाञ्च तथा 'स्किल इंडियाञ्च जैसी मौजूदा पहलों का पूरक बनने के साथ-साथ शहरी व अर्द्ध-शहरी, दोनों समूहों में औद्योगिक विकास को गति देगी।

अक्सर लागत संबंधी चिंताओं के कारण औपचारिक भर्ती को बढ़ाने में बाधाओं का सामना करने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को यह योजना महत्वपूर्ण राहत प्रदान करती है। नियोक्ता-पक्ष के प्रोत्साहन नई भर्ती की सीमांत लागत को कम करते हैं। इससे विस्तार, औपचारिकीकरण और श्रमशक्ति के उन्नयन की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है। वैश्विक स्तर पर, वेतन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं रोजगार को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुई हैं। जर्मनी जैसे देश अप्रेंटिसशिप और दीर्घकालिक भर्ती के लिए नियोक्ता सब्सिडी प्रदान करते हैं। दक्षिण कोरिया युवा एवं वृद्ध श्रमिकों के नियोक्ताओं को लक्षित वेतन सहायता प्रदान करता है। सिंगापुर कौशल के उन्नयन (अपस्किलिंग) और रोजगार को कायम रखने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में कार्य अवसर कर क्रेडिट (डब्ल्यूओटीसी) की व्यवस्था है, जो वंचित समूहों के व्यक्तियों की भर्ती करने वाले नियोक्ताओं को पुरस्कृत करता है। भारत की ईएलआई योजना हमारे विशाल अनौपचारिक श्रम बाजार, जनसांख्यिकीय लाभांश और डिजिटल बुनियादी ढांचे के विस्तार जैसी स्थानीय जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर की सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का समावेश करती है।

ईएलआई योजना भारत की रोजगार नीति की परिपक्वता - अल्पकालिक राहत से हटकर दीर्घकालिक श्रम बाजार के विकास की दिशा में बदलाव - को दशार्ती है। ढलती उम्र वाली आबादी के साथ-साथ डिजिटल और हरित बदलावों जैसे व्यापक वैश्विक रुझानों की पृष्ठभूमि में, ऐसी कारगर नीतियां अधिक संख्या में लोगों को गुणवत्तापूर्ण नौकरियां सुलभ कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। फिक्की में, हम अपने सदस्यों से इस योजना का सदुपयोग करने हेतु आगे आने का आग्रह करते हैं। नियोक्ताओं- खासकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से जुड़े- को इसे वित्तीय लाभ से कहीं आगे बढ़कर देखना चाहिए। यह योजना परिचालन को बढ़ाने, युवा प्रतिभाओं का दोहन करने, वेतन भुगतान प्रणाली (पेरोल) का औपचारिकीकरण करने और स्थायी आर्थिक मूल्य सृजित करने का एक उपकरण है। उद्योग जगत के एक शीर्ष चैंबर के रूप में, फिक्की इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लेखिका महानिदेशक, फिक्की हैं

मतदाता सूची में सुधार करने को लेकर विवाद क्यों हो रहा है

अजय दीक्षित

चुनाव आयोग ने बिहार सहित सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों में सुधार के लिए कुछ नियम कायदे कानून बनाए हैं और इन सुधारों को लेकर बिहार में राजद के नेता तेजस्वी यादव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी बिहार में कुछ विशेष संप्रदाय के मतदाताओं को मतदान से वंचित करना चाहती है और उन्होंने इस प्रक्रिया के चुनाव से ठीक पहले करने पर आपत्ति जताई है।

9 जुलाई को पटना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने इस संबंध में प्रदर्शन कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र की तरह चुनाव में हेराफेरी करना चाहती है।दूसरी ओर कुछ व्यक्तियों ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा है कि इस प्रक्रिया पर रोक लगाएं। सर्वोच्च न्यायालय 10 अगस्त को सुनवाई करेगा।

भारत के संविधान के लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951

की अनुच्छेद 243 (क) के तहत ईसीआई यानि मुख्य चुनाव आयोग मतदाता सूचियों का राज्य बार समय समय पर प्रकाशित करता है।भारत का प्रत्येक नागरिक 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर मतदाता सूची में एक स्थान पर अपने मत का किसी भी चुनाव में भाग ले सकता है।

मतदाता सूचियों के गठन की प्रणाली आजादी के बाद 1951 से लागू है और प्रथम चुनाव 1952 में लोकसभा और विधानसभा के एक साथ कराए गए। आरंभ में मतदाता के लिए आयु 21 वर्ष थी जो 1986 में 18 वर्ष करदी गई।

जैसे जैसे समय बीता तो कुछ विसंगति भी नजर आई जैसे अनाधिकृत तरीके से कुछ राज्यों घुसपैठियों भी मतदाता सूची में शामिल हो गए।इन लोगों ने राशनकार्ड बनवाकर अपने आप को मतदाता सूची में शामिल कर बा लिया ।जिन राज्यों इस प्रकार की घुसपैठ हुई उनमें पश्चिमी बंगाल,बिहार,उत्तर प्रदेश,असम, नागालैंड त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, प्रमुख रूप से शामिल हैं।इन राज्यों में बांग्लादेश के चकमा शरणार्थी, घुसपैठियों की संख्या अधिक थी।

सबसे पहले अटलजी की सरकार में गृह मंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी ने इसे संज्ञान में लिया। लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया। और एनआरसी बनाने की घोषणा की इतना ही नहीं पहले आधार को पैन कार्ड से लिंक कराया उसके बाद वोटर आईडी को आधार से लिंक करने का काम चल रहा है।चुनाव आयोग ने वर्तमान में बिहार में मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों को रोकने के लिए आवश्यक कर दिया है कि मतदाता को यह साबित करना पड़ेगा कि वह भारत का निवासी है फिर चाहे वह किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश का हो । इसके लिए मतदाता को अपने पिता का जन्म प्रमाणित करना पड़ेगा ।बस यही से विवाद शुरू हुआ है। बिहार, पश्चिमी बंगाल, असम, और,सातों पूर्वोत्तर राज्यों में लाखों लोगों ने जाली राशनकार्ड, वोटर कार्ड, आधार कार्ड, बनवा लिया है। उनमें से अधिकाक मुस्लिम है जो बांग्लादेश,म्यांमार,से आए हैं।

पश्चिमी बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार, तुड़मूल कांग्रेस, राजद, समाजवादी पार्टी ने इन लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया है। उसी कार्ड से ये लोग वोटर बन गए हैं।

केंद्र में जब तक कांग्रेस सरकार रही उसने इन मुद्दों को महत्व नहीं दिया लेकिन चुनाव आयोग समय समय पर संज्ञान में लाता रहा था। टी एन शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे तब उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव से बकायदा पत्र लिख कर सूचित किया था कि पश्चिमी बंगाल की मतदाता सूचियों का परीक्षण कराया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मतदाता सूचियों का प्रचलन बहुत प्राचीन है और समय समय पर इस प्रक्रिया में सुधार किया गया है।

दुनियां की पहली मतदाताओं सूची का उल्लेख 1241 में ब्रिटेन में मिलता है तत्कालीन समय में किसी मुद्दे पर राय लेने के लिए एक सूची थी । लेकिन 1761 में अमेरिका में बकायका चुनाव के लिए मतदाता सूची बनी ।उससे पहले मत व्यक्त करने के लिए पहले कान में कहना बाद में ध्वनि मत का ईजाद किया गया था।फिर एक हस्त लिखित पर्ची की प्रथा चली उसके बाद रेफरेंडम बना । स्विटजरलैंड में सबसे पहले नागरिकों के घर पोस्ट से मतपत्र भेजने का भी प्रचलन था।

मॉडर्न डेमोक्रेसी अमेरिका से आई।अब पूरे संसार में लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूचियों है ।किन्हीं राष्ट्रों में तो एनआरसी से स्वचालित मतदाता सूचियों का उपयोग किया जाता है।18 वर्ष पूरी होने पर स्वचालित रूप से मतदाता बनता है।जन्म विवाह, मृत्य पंजीकरण से मतदाता का स्थान तय किया जाता है।

भारत में ईवीएम से मतदान होता है लेकिन मतदाता सूचियों का निर्धारण प्रक्रिया जटिल व कठिन है।चुनाव आयोग सरलीकरण और कंप्यूटर जनित मतदाता सूचियों को ऑनलाइन करने के रास्ते में है । विपक्ष का तर्क भी सही है कि चुनाव के मौके पर इस तरह के प्रक्रिया करना आपत्तिजनक है। लेकिन यह फैसला चुनाव आयोग का है न कि केंद्रीय सरकार का । और भारत में चुनाव आयोग अब तो काफी शक्तिशाली है। यहां तक कि मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ दो अन्य चुनाव आयुक्त हैं।किसी जमाने में चुनाव आयोग, मतदाता सूचियों, मतपत्र छापने,चुनाव से जुड़े कर्मचारियों, अधिकारियों को साज सामान, देने तक सीमित था लेकिन टी एन शेषन ने चुनाव आयोग की शक्तियों का परिचय करवाया।

राष्ट्र और मानवता के कल्याण हेतु धमार्नुकूल आचरण को अनिवार्य मानते हैं मोहन भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गत दिवस गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुरा में स्थित सदगुरु धाम में श्री भावभावेश्वर महादेव मंदिर के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से सचेत किया कि भय अथवा प्रलोभन का दैनिक जीवन में सामना करना पड़ सकता है और ये लोगों को उनके धर्म से दूर ले जा सकते हैं लेकिन धर्म ही खुशी की ओर ले जा सकता है। धर्म हमें जोड़ता है और सही रास्ते पर ले जाता है। इसीलिए भय या प्रलोभन के प्रभाव में आकर लोगों को अपना धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि हम एक जुट होना जानते हैं और एक जुट होना भी चाहते हैं । हम किसी से लडना नहीं चाहते लेकिन आज भी कुछ ऐसी ताकतें मौजूद हैं जो चाहती हैं कि हम अपने आप को बदल बदल दें हमें ऐसी ताकतों से बच कर रहना है।

संघ प्रमुख ने महाभारत काल का एक दृष्टांत देते हुए कहा कि उस काल में धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास करने वाली ताकतें मौजूद नहीं थीं लेकिन दुर्योधन ने पांडवों का राज्य हड़पने के लिए जो कुछ किया वह अधर्म था। संघ प्रमुख ने दैनिक जीवन में धार्मिक आचरण को व्यवहार में लाने का आह्वान करते हुए कहा कि लालच और भय हमें अपनी आस्था से विमुख करते हैं इसीलिए सदगुरु धाम जैसे स्थलों का निर्माण किया गया है। लोगों में धार्मिक चेतना के प्रचार प्रसार हेतु सदगुरु धाम के द्वारा संचालित गतिविधियों एवं कार्यों की सराहना करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि यह संस्थान सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में जाकर आदिवासियों के उत्थान के लिए सामाजिक गतिविधियों का संचालन कर रहा है। अतीत में जब इस तरह के केंद्रों का अभाव था तब तपस्वी गांव गांव में अपने सत्संग कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को धर्म के मार्ग पर दृढ़ रखते थे लेकिन अब आबादी बढ़ जाने से सदगुरु धाम जैसे केंद्र बन गये हैं जहां समाज के लोग एकत्र हो कर पूजा करते हैं और आध्यात्मिक सत्संग का लाभ प्राप्त करते हैं । यहां उनके कला का अभ्यास करने का अवसर भी मिलता है। संघ प्रमुख ने अपनी इस बात को रेखांकित किया कि सदगुरु धाम जैसे आध्यात्मिक केंद्र लोगों का धर्म परिवर्तन नहीं करते बल्कि उन्हें अपने धर्म पर दृढ़ रहकर धर्म के अनुसार आचरण करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे केंद्रों को मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी है।इसी से हमारा कल्याण , राष्ट्र की सेवा और संपूर्ण मानवता का कल्याण सुनिश्चित होगा।भागवत ने कहा कि धर्म के अभाव में मनुष्य बुरी आदतों में पड़कर जीवन बर्बाद कर लेता है और धर्म के अनुसार आचरण करने से समाज और राष्ट्र का कल्याण होता है। यही हमारे राष्ट्र की प्रगति भी सुनिश्चित करता है।

0 कृष्णमोहन झा

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1370

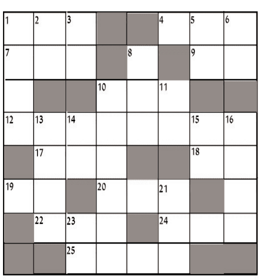

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह एशिया का निष्प्राण क्षेत्र कहलाता है (3)
4. यह देश 1814 में ब्रिटेन के अधीन हो गया था और 26 मई 1966 को राष्ट्रमंडल के भीतर स्वाधीन बना जिसकी राजधानी जार्जटाउन है (3)
7. हस्तलिखित, उपरोपित, पैबंदी (3)
9. एक बार सांस लेने का समय, बल, कश, फूंक (2)
10. किसी वी.आई.पी. के आने पर की जाने वाली तोपों का फैर (3)
12. इस स्वतंत्रता सेनानी को पंजाब केसरी भी कहा जाता था (8)
17. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)
18. अंधकार, तमोगुण, विजय वासना रूपी अज्ञान (2)
19. जल, आब, नीर, पानी (2)
20. थलीय धरातल, पृथ्वी (3)
22. अनलंकृत, दर्पहीन, सरल, सामान्य (3)
24. कुएं के आसपास बना हुआ चबूतरा (4)
25. मनुहार, मनाने का काम, मन्नत (4)

ऊपर से नीचे

1. रसोईघर को यह भी कहा जाता है (4)
2. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई (2)
3. सुमात्रा द्वीप में होने वाली एक प्रकार की घास (2)
5. अविस्मरण, स्मृति, वियोग, दुख (2)
6. संज्ञा, इस्म, उपाधि, संज्ञिका (2)
8. मिलन, समझौता, समागमन, इस फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा ने सर्प की भूमिका निबाही थी (3)
10. श्रृंगार करना, तैयार होना, बनना-ठनना (6)
11. प्रेमी, पुरुष मित्र को यह भी कहा जाता है (2)
13. उत्तराधिकारी, अनाथ, स्वामीहीन (4)
14. राल, लुआबा, लासा (2)
15. निशा, विभावरी, रात्रि, रजनी (2)
16. यमराज की भेजे जाने वाले संदेशवाहक (4)
21. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (3)
23. समाकार, समकोटीय, अनेतर, सदृश्य (2)

वर्ग पहेली 1369 का हल

ब	ह	री	न		म	हु	आ
या	र		म	दी	ना		स
र	फ	बु	क		व		पा
		त	ह	स	न	ह	स
सु	ख		ला	वा		स्ती	
न	ल		ल	लि	ता		फौ
य		आ		या	र	बा	ज
ना	म	ज	द		क	र	

एकदा

टिकाऊ हल की तलाश

प्रदूषण से भारत की छवि को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में हर साल औसतन 275 दिन खराब हवा दर्ज की जाती है। ये मुश्किलें स्पष्ट हैं। फिर भी टिकाऊ हल की तलाश का कोई गंभीर प्रयास होते हम नहीं देख रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में छाया जहरीला धुआं इस महीने की प्रमुख खबरों में रहा है। इस बीच यह जिक्र भी हुआ है कि एनसीआर की बदहाली तो फिर भी सुर्खियों में आ जाती है, लेकिन देश के बहुत-से शहरों के प्रदूषण पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, जबकि वहां हाल किसी रूप में बेहतर नहीं है। फिर प्रदूषण पर चर्चा अक्सर स्वास्थ्य के नजरिए से होती है- जबकि अर्थव्यवस्था पर होने वाले खराब असर पर अक्सर बात नहीं होती। जबकि हकीकत यह है कि इसका अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण से हर साल देश की जीडीपी के लगभग तीन प्रतिशत हिस्से का का नुकसान हुआ है। डलबर्ग नाम की ग्लोबल कंसल्टेंसी फर्म ने यह अनुमान लगाया था। बेशक प्रदूषण के नुकसान को पैसों में नहीं तोला जा सकता। फिर भी इसकी आर्थिक कीमत भी बहुत महंगी है, यह साफ है। सघन प्रदूषण के समय दफ्तरों का बंद होना, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण लोगों का काम पर ना जा पाना, बीमारियों के इलाज, समय से पहले मौत, और इन सबके परिवारों पर पडने. वाले असर की कीमत बेहद महंगी है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

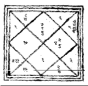

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आपका दिन आज अच्छा बीतेगा। आपका वैवाहिक जीवन सुनहरा रहेगा। आज आपको घूमने - फिरने और खुद पर खर्च करने में काफी अच्छा महसूस होगा। व्यवसाय के विस्तार में सफलता मिलेगी और रोजगार संबंधित कोई अतिरिक्त योजना बना रहे हैं,

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ा उलझन में रह सकते है, लेकिन जल्द ही सब ठीक होगा। आज आपके मन में कुछ नया करने की इच्छायें जागृत होंगी और आज आपको किसी अपने से धन की प्राप्ति होगी।

मिथुन राशिः आज आपकी हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं, उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन राहतपूर्ण रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि वाले कवियों के लिए आज का दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण रहने वाला है।

सिंह राशिः आज का दिन ठीक - ठाक रहेगा। करियर के मामले में आप अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां लेंगे। आपको शारीरिक थकान का अहसास हो सकता है। आज आप जिससे भी बात करेंगे, उसे अपनी राय से सहमत कर देंगे। किसी खास मामले को लेकर आपकी सोच बदल सकती है।

कन्या राशिः दिन आज व्यस्तता में बीतेगा। आज आपके करीबी आपको अचानक से गिफ्ट देकर उनको आश्चर्य चकित कर सकते हैं। आज आप अपने बच्चों के साथ समय व्यतीत कर सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। अगर आप नई योजनायें शुरू करना चाह रहें है तो उसको ज्यादा लम्बे समय तक न टालें। आज आप जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपने सहकर्मियों का पूर्ण योगदान प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। आज कारोबारी गतिविधियों में व्यवस्था बनाकर रखना जरूरी है।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढ़िया लाभ मिलेगा। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। आज व्यवसाय संबंधी नई जानकारियां हासिल करना जरूरी है। मीडिया और ऑनलाइन कामों से जुड़े बिजनेस में फायदा होगा।

मकर राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे एवं आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज कार्यस्थल पर चल रही किसी भी गतिविधि को नजरअंदाज ना करें और अपनी योजनाओं को गुप्त ही रखें।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरुरत है। कुछ समय से चल रही आपकी लगन और मेहनत का आज ज्यादा लाभ मिलने वाला है।

मीन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आपकी अच्छी सोच का अच्छा नतीजा मिलेगा। आपके रहने और बोलने का तरीका लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा।

श्रावण सोमवार पर बन रहे विशेष ज्योतिषीय संयोग, महादेव करेंगे हर मनोकामना पूरी

श्रावण माह 11 जुलाई से 9 अगस्त 2025 तक रहेगा, जिसमें शिव उपासना के पूरे 30 दिन मिलेंगे। चारों सोमवार विशेष योगों से युक्त हैं। मराठी व गुजराती समाज में श्रावण 25 जुलाई से शुरू होगा। इस माह में कई व्रत-त्योहार, जैसे नाग पंचमी, रक्षाबंधन व सावन शिवरात्रि मनाए जाएंगे।

हिंदू पंचांग के अनुसार शिव आराधना का पावन श्रावण माह इस बार 11 जुलाई 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक चलेगा। इस बार का श्रावण मास विशेष खगोलीय संयोगों, शुभ योगों और धार्मिक आयोजनों के कारण बहुत लाभदायक माना जा रहा है। पूरे 30 दिन मिलने से शिव उपासकों को लगातार पूजा-अर्चना का अवसर मिलेगा। शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने की पूरी संभावना है। मंदिरों में विशेष आयोजन शुरू हो चुके हैं।

आयुष्मान, सौभाग्य और प्रति योग में होगी शुरुआत

श्रावण माह की शुरुआत 11 जुलाई को आयुष्मान, सौभाग्य और प्रति योग में हो रही है। यह तीनो योग जीवन में समृद्धि, दीर्घायु और शुभफल देने वाले माने जाते हैं। इस शुभ शुरुआत के साथ पूरे माह का वातावरण धार्मिक ऊर्जा से भरपूर रहेगा।

चार सावन सोमवार पर विशेष ज्योतिषीय संयोग

इस बार चारो सोमवार अत्यंत विशेष हैं क्योंकि हर सोमवार को कोई न कोई शुभ योग बन रहा है-

पहला सोमवार (14 जुलाई) - गजकेसरी योग और संकष्टी चतुर्थी।

दूसरा सोमवार (21 जुलाई)- सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और बुधादित्य योग।

तीसरा सोमवार (28 जुलाई)- रवि योग।

चौथा सोमवार (4 अगस्त)- सर्वार्थ सिद्धि योग।

इन योगो में शिव पूजा विशेष रूप से कल्याणकारी मानी जाती है और भक्तों को आरोग्य, आयु और मानसिक शांति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

मराठी और गुजराती समाज में अलग श्रावण माह

ज्योतिषाचार्य श्रीकांत पोपलेकर के अनुसार मराठी एवं गुजराती समाज के पंचांग के अनुसार श्रावण माह की शुरुआत 25 जुलाई से होगी। उनके सोमवार 28 जुलाई, 4 अगस्त, 11 अगस्त और 18 अगस्त को होंगे। इस अनुसार दोनो परंपराओ मे धार्मिक आस्था और अनुष्ठानों की विविधता देखने को मिलेगी।

सावन में घर में रखें ये चीजें, पूरे महीने बनी रहेगी शुभता

सावन का महीना जिसे श्रावण मास भी कहते हैं, हिंदू धर्म में भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र महीनों में से एक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव अपनी पत्नी देवी पार्वती के साथ पृथ्वी पर निवास करते हैं और इस दौरान उनकी पूजा करने से वे विशेष रूप से प्रसन्न होते हैं। भक्त शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और धतूरा चढ़ाकर शिव का अभिषेक करते हैं जिससे उन्हें मनोकामनाओं की पूर्ति, सुख-समृद्धि और कष्टों से मुक्ति मिलती है। खासकर सोमवार के दिन जिसे सावन का सोमवार कहते हैं शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है और कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है, जो इस महीने की धार्मिक महत्ता को और बढ़ा देती है। सावन का जितना धार्मिक महत्व है उतना ही ज्योतिष शास्त्र में भी विशेष स्थान माना गया है। सावन माह के शुरू होने से पहले या फिर सावन माह के पहले दिन भगवान शिव से जुड़ी इन 5 चीजों को घर में अवश्य रखना चाहिए। इससे कई लाभ भी मिलते हैं।

सावन के दौरान घर में रखें शिवलिंग

घर में एक छोटा शिवलिंग रखना सावन में बहुत शुभ माना जाता है। इसे पूजा स्थान पर स्थापित करना चाहिए और नियमित रूप से अभिषेक करना चाहिए। शिवलिंग घर में साक्षात शिव की उपस्थिति का प्रतीक है। इसे रखने से चंद्रमा ग्रह मजबूत होता है जिससे मानसिक शांति और स्थिरता आती है। यह राहु और केतु के बुरे प्रभावों को भी शांत करता है जिससे जीवन में अप्रत्याशित बाधाएं कम होती हैं। घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। शिवलिंग की पूजा से व्यक्ति को निरोगी काया और दीर्घायु प्राप्त होती है।

सावन के दौरान घर में रखें त्रिशूल

त्रिशूल भगवान शिव का प्रमुख अस्त्र है और यह तीन लोकों भूत, वर्तमान, भविष्य और तीनों गुणों सत्व, रज, तम पर शिव के नियंत्रण का प्रतीक है। सावन में चांदी या तांबे का छोटा त्रिशूल घर में रखना शुभ होता है। त्रिशूल को घर में रखने से मंगल ग्रह मजबूत होता है। यह घर में नकारात्मक शक्तियों और बुरी नज़र से रक्षा करता है। किसी भी प्रकार के तंत्र-मंत्र या टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पड़ता। यह घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, जिससे परिवार में शांति और सद्भाव बना रहता है। यह शत्रुओं पर विजय दिलाने और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक है।

सावन के दौरान घर में रखें रुद्राक्ष

रुद्राक्ष भगवान शिव के अश्रुओं से उत्पन्न हुआ माना जाता है, और इसमें स्वयं शिव का वास होता है। सावन मे रुद्राक्ष को घर में लाना और पूजा स्थान पर रखना या धारण करना अत्यंत शुभ है। रुद्राक्ष का संबंध सीधे सूर्य ग्रह और चंद्रमा ग्रह से होता है। इसे धारण करने या घर में रखने से आत्मविश्वास बढ़ता है, निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होता है और मन शांत रहता है। यह तनाव और चिंता को कम करता है और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक है। रुद्राक्ष पहनने से व्यक्ति को रोगों से मुक्ति मिलती है और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता लाता है।

सावन के दौरान घर में रखें डमरू

डमरू भगवान शिव का वाद्य यंत्र है और यह सृष्टि की ध्वनि और लय का प्रतीक है। सावन में छोटा डमरू घर में रखने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। डमरू की ध्वनि नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और घर में सकारात्मक कंपन पैदा करती है। यह शनि ग्रह के बुरे प्रभावों को कम करने मे सहायक है। बच्चों के कमरे में डमरू रखने से उनका मन शांत रहता है, भय दूर होता है और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है। यह घर में अमंगल को दूर करता है और बुरी शक्तियों को प्रवेश करने से रोकता है। डमरू घर में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण बनाता है।

सावन के दौरान घर में रखें नाग

भगवान शिव के गले में नाग विराजते हैं, इसलिए नाग उन्हें अत्यंत प्रिय हैं। सावन में घर में धातु का नाग-नागिन का जोड़ा रखना शुभ माना जाता है। इसे मुख्य द्वार के नीचे दबाने या पूजा स्थान पर रखने की परंपरा है। नाग-नागिन का जोड़ा राहु और केतु के नकारात्मक प्रभावों को शांत करता है। यह कालसर्प दोष के निवारण में भी सहायक माना जाता है। इसे घर में रखने से रुके हुए काम बनने लगते हैं और धन-समृद्धि में वृद्धि होती है। यह घर को बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाता है। नाग-नागिन का जोड़ा सुरक्षा और संतान प्राप्ति के लिए भी शुभ माना जाता है।

शनिवार के दिन शिव जी से जुड़े करें ये उपाय

भगवान शिव आदि भी हैं और अनत भी हैं। भगवान शिव भोले भी हैं और क्रोधी भी हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव की आराधना करने से जीवन मे सुख-समृद्धि, सौभाग्य, धन-संपदा आदि सभी का वास बना रहता है। ज्योतिष शास्त्र में हर देवी-देवता से जुड़े कुछ उपाय बताये गए हैं जिन्हें उनकी पूजा के साथ-साथ किया जाए तो इससे न सिर्फ देवी-देवताओं की कृपा मिलती है बल्कि कई लाभ भी प्राप्त होते हैं। इसी कड़ी में आज हम जानेंगे शिव जी से जुड़े कुछ उपायों के बारे में, जिन्हें आजमाने से हम भगवान शिव का आशीर्वाद और उनकी कृपा मिलने वाले लाभों को प्राप्त कर सकें।

पारिवारिक शांति के लिए शिव जी का उपाय

एक पीला कपड़ा लें और उस पर लाल चंदन से ॐ लिखें। फिर ॐ पर अक्षत छिड़कें। इसके बाद भगवान शिव का ध्यान करते हुए उनके पंचाक्षर मंत्र ॐ नमः शिवाय का 108 बार जाप करें। जाप समापन के बाद उस कपड़े को अच्छे से लपेटकर घर के मंदिर में रख दें। इससे पारिवारिक एवं वैवाहिक क्लेश दूर होगा। घर मे शांति की स्थापना होगी और आपसी प्रेम एवं सौहार्द बढ़ेगा।

धन प्राप्ति के लिए शिव जी का उपाय

अगर आपके रुद्राक्ष की माला है या रुद्राक्ष के मनके हैं तो एक मनका लेकर एक कटोरी में रखें और उसे गंगाजल या दूध से स्नान कराएं। इसके बाद रुद्राक्ष के मनके को लाल धागे में पिरोकर घर की तिजोरी में स्थापित करें। अगर आपके पास रुद्राक्ष की माला है तो उसे गंगाजल में भिगोगर घर के लॉकर में रखें। इससे घर की आर्थिक स्थिति में लाभ मिलने लगेगा और धन प्राप्ति होगी।

सुख-समृद्धि के लिए शिव जी का उपाय

एक बेलपत्र लें और उस पर श्री राम लिखें। फिर उस बेलपत्र को शिवलिंग पर अर्पित कर दें। इसके बाद कोई भी 5 अनाज किसी जरूरतमंद को दान कर दें। इससे घर मे सुख-समृद्धि बनी रहेगी। कभी भी घर में अन्न या धन का अभाव नही होगा। इसके अलावा, इस दिन आप अगर शिव चालीसा का पाठ करते हैं तो इससे भी शिव जी प्रसन्न होंगे और आप पर उनकी कृपा बरसेगी।

शुरू हो गया है सावन का महीना? सोमवार तिथियां और धार्मिक महत्व

सावन का महीना हिंदू धर्म में भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र महीनों में से एक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी महीने में भगवान शिव धरती पर अपनी ससुराल गए थे, जहां उनका स्वागत जल चढ़ाकर किया गया था। यह भी माना जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को शिव जी ने इसी महीने पीकर सृष्टि की रक्षा की थी, जिससे वे नीलकंठ कहलाए। इस पूरे महीने भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं, सावन में पड़ने वाले सोमवारों का विशेष महत्व होता है।

- सावन में भगवान शिव की सच्चे मन से पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसा माना जाता है कि जो भी इस महीने में शिव जी को प्रसन्न करता है उसे मनचाहा वर या वधु प्राप्त होता है और संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वालो को भी संतान सुख मिलता है।
- सावन में शिव पूजा करने से जीवन की कई परेशानियां दूर होती हैं। यदि आप आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, करियर में बाधाएं आ रही हैं या वैवाहिक जीवन में उलझनें हैं तो शिव जी की पूजा से इन सब में राहत मिल सकती है। कुंडली में राहु-केतु के अशुभ प्रभाव भी दूर होते हैं।
- शिवलिंग पर जल, दूध, शहद और बेलपत्र चढ़ाने से घर और जीवन से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इससे घर का वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मकता आती है। शिवजी की पूजा करने से आरोग्य और लंबी आयु का आशीर्वाद मिलता है।
- माना जाता है कि सावन में शिवजी को जल अर्पित करने से आयु की बाधाएं दूर होती हैं और स्वास्थ्य अच्छा रहता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए सावन महीने में कठोर तपस्या की थी।
- इससे शिवजी प्रसन्न हुए और उन्होंने पार्वती जी को वरदान दिया। इसलिए इस महीने में शिव-पार्वती की एक साथ पूजा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है और अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलता है।

कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़िए क्यों बोलते हैं बोल बम बम भोल

सावन का महीना शुरू हो गया है और इस दौरान शिव भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। ऐसे में यात्रा के दौरान कांवरिया बोल बम बम भोले क्यों बोलते हैं, चलिए जानते हैं।

हर साल सावन मास में शिव भक्त कांवड़ यात्रा करते हैं। इस दौरान शिव भक्त अधिक से अधिक संख्या में गंगा नदी या किसी पवित्र नदी के जल को कांवड़ में भरकर भगवान शिव के मंदिर में शिवलिंग पर अर्पित करते हैं। कांवड़िया सावन शिवरात्रि के खास अवसर पर शिव जी को गंगा नदी का जल अर्पित करते हैं। कांवड़िया पैदल चलते हुए कांवड़ यात्रा को पूरा करते हैं। इस दौरान कांवरिया बोल बम बम भोले मंत्र का जाप करते हुए यात्रा निकालते हैं और शिव जी पर जल चढ़ाने तक इस मंत्र का जाप करते हैं। क्या आपको पता है कि कांवड़ यात्रा के दौरान भक्त बोल बम बम भोले क्यों कहते हैं?

सदियों से सावन मास में कांवड़ यात्रा करने की प्रथा है। इस यात्रा में भगवान शिव का गंगा नदी के जल से अभिषेक किया जाता है और सोमवार का व्रत रखा जाता है। कांवड़िया केसरिया रंग के कपड़े पहन इस यात्रा को शुरू करते हैं। कावड़िया भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए कई किलोमीटर पैदल यात्रा कर शिव जी को जल अर्पित करते हैं। इस यात्रा के लिए जो भी पवित्र, प्रसिद्ध मंदिर और नदी मिले, वहां से यात्रा प्रारंभ कर शिव जी को जल अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि कांवड़ यात्रा से भगवान शिव अपने भक्तों से बहुत प्रसन्न होते हैं, और उनकी सभी मनोकामनाओ को पूरा करते हैं।

यात्रा के दौरान बोल बम बम भोले का जयकारा लगाने से कांवड़ यात्रा शिवमय हो जाता है और भक्तों में नया उत्साह और जोश उत्पन्न होता है।

कहा जाता है कि शिव जी के इस नाम का लगातार जाप करने से यात्रा मे किसी तरह की बाधा नही आती है और बिना विघ्न और बाधा के कावड़ यात्रापूरी होती है।

बता दें कि बोल बम एक सिद्ध मंत्र है, जिसे विस्तार से समझा जाए तो बम शब्द का अर्थ है ब्रह्मा, विष्णु, महेश और ओमकार का प्रतीक है। इस मंत्र का लगातार जाप करने से शरीर में नई ऊर्जा आती है।

कांवड़ यात्रा के दौरान इन बातों का रखें खास ध्यान

सावन का महीना सभी शिव भक्तो के लिए बहुत खास है। शिव भक्त कांवड़िया बन कर ये गंगाजल को कांवड़ में भरकर शिवलिंग पर अभिषेक करते हैं। सावन मास के शुरुआत के साथ ही गंगाजल भरकर कांवड़िया पैदल चलते हुए उस जल से शिवाभिषेक करते हैं। मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते है। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों को कुत्तों से सावधान रहना चाहिए। शास्त्रों में कुत्ते को भगवान काल भैरवका वाहन कहा गया है। काल भैरव भगवान शिव का संहारक रूप है। बता दें कि कुत्ता तामसिक आहार का सेवन करते हैं, इसलिए इन्हें अपवित्र माना जाता है। इसलिए कुत्तों के द्वारा किसी भी पवित्र चीज को स्पर्श करने बचना चाहिए। बता दें कि यदि कांवड़ के जल को कुत्ता छू ले तो वह अशुद्ध हो जाता है। ऐसे में कांवड़ियों को फिर से जल भरकर लाना पड़ता है और अपनी यात्रा पुनः प्रारंभ करना पड़ता है। कांवड़ यात्रा के दौरान चमड़े की चीजों से दूर रहें और भोजन में मांस-मदिरा का सेवन न करें और अन्य तामसिक और राजसिक भोजन के सेवन से बचें।

भरतपुर को मिली नई सौगात अब वहीं होगा न्यायालय और जनदर्शन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के विकासखंड भरतपुर के नागरिकों की सुविधा के लिए कलेक्टर डी. राहुल वेंकट द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया गया है। उन्होंने नवपदस्थ अपर कलेक्टर विनायक शर्मा को भरतपुर स्थित अपर कलेक्टर न्यायालय की जिम्मेदारी सौंपी है। इस निर्णय से अब भरतपुर ब्लॉक के रहवासियों को न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए जिला मुख्यालय तक नहीं जाना पड़ेगा। वहीं विनायक शर्मा भरतपुर अनुविभाग में नियमित रूप से जनदर्शन के माध्यम से आमजन की समस्याएं सुनेंगे और त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगे। जनदर्शन प्रत्येक द्वितीय और चतुर्थ मंगलवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय, भरतपुर में आयोजित किया जाएगा। इसी दिन अपर कलेक्टर न्यायालय की कार्यवाही दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक भरतपुर स्थित राजस्व कार्यालय में संपन्न होगी।

स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग की समन्वय बैठक

उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के 25 लक्षणों पर चर्चा

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निदेर्शानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी की अध्यक्षता में मातृ मृत्यु दर कम करने हेतु गुरुवार को महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, जिला परियोजना अधिकारी जे.आर. प्रधान सहित दोनों विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक में विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के २५ प्रकार के लक्षणों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह तय किया गया कि यदि गर्भवती महिला में इन २५ में से कोई भी लक्षण पाया जाता है, तो उसे विशेष निगरानी में रखा जाएगा। उसके लिए समय-समय पर उपचार, पौष्टिक आहार, और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. चतुर्वेदी ने निर्देशित किया कि महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मिलकर समन्वय के साथ कार्य करें। सभी गर्भवती माताओं की नियमित हीमोग्लोबिन जांच कर आवश्यकतानुसार आयरन- फोलिक एसिड तथा कोरिया मोदक लड्डू और प्रोटीन युक्त आहार उपलब्ध कराया जाए।

इसके अतिरिक्त, कम वजन वाले शिशुओं के जन्म को रोकने हेतु स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग के कार्यकताओं को सामूहिक काउंसलिंग करने के निर्देश दिए गए। विकासखंड स्तर पर खंड चिकित्सा अधिकारी एवं सीडीपीओ तथा सेक्टर स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक और पर्यवेक्षकों की नियमित अंतरविभागीय बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी जे.आर. प्रधान, जिला कार्यक्रम प्रबंधक असरफ अंसारी, बीएमओ डॉ. श्रेष्ठ मिश्रा, सीडीपीओ श्रीमती अनुपमा सिंह, समस्त बीएमओ, बीपीएम, बीईटीओ, महिला पर्यवेक्षक तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

नशीले इंजेक्शन की तस्करी करते 2 युवक पकड़ाए

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। झगराखंड पुलिस ने प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन की तस्करी करते 2 युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सीएनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर 9 जुलाई की रात करीब सवा 9 बजे सामुदायिक भवन झगराखंड के सामने रेड कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान मनेंद्रगढ़ थानांतर्गत ग्राम चनवारीडांड निवासी आरोपी राहुल सिंह पिता कैलाश सिंह गोंड़ 23 वर्ष तथा मुकेश उर्फ कुणाल पिता दुर्गा तिवारी 20 वर्ष बाइक क्रमांक सीजी16सीए9895 में सवार होकर मौके पर पहुंचे। आरोपियों के पास से एक सफेद कपड़ा के झोला के भीतर काले पॉलीथिन के अंदर रखा प्रतिबंधित नशीला इंजेक्शन 50 नग एविल इंजेक्शन तथा 50 नग बुप्रेनरफिन इंजेक्शन का परिवहन व्यवसायिक मात्रा में अवैध लाभ अर्जित करने विक्रय हेतु ले जाते समय मय वाहन जब्त किया गया।

जिले में अब तक 365.6 मिमी वर्षा दर्ज

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में मानसून ने जोर पकड़ लिया है और लगातार हो रही बारिश से खेतों में हरियाली की उम्मीदें प्रबल हो गई हैं। भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में जिले में औसत 38.3 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है, जबकि भरतपुर तहसील में अब तक की सर्वाधिक 415.7 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून से 10 जुलाई 2025 तक जिले में कुल औसत 335.6 मि.मी. वर्षा भू-अभिलेख शाखा द्वारा दर्ज गई जानकारी के अनुसार खरीफ फसलों की बोआई के लिए अनुकूल मानी जा रही है। भू-अभिलेख शाखा के अनुसार, तहसीलवार वर्षा की बात करें तो मनेंद्रगढ़ में 277.5 मि.मी., खड़गवां में 318.9 मि.मी., चिरमिरी में 345.2 मि.मी., केल्हारी में 268.5 मि.मी., भरतपुर में 415.7 मि.मी. और कोटाडोल में 387.6 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है।

गुरु पूर्णिमा पर गायत्री मंदिर में कार्यक्रम आयोजित, विधायक भैयालाल राजवाड़े ने किया भूमि पूजन

कोरिया बैकुंठपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बैकुंठपुर स्थित गायत्री मंदिर परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोरिया जिले के लोकप्रिय विधायक भैयालाल राजवाड़े विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने न केवल गुरुजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की, बल्कि मंदिर परिसर में विधायक निधि से बनने वाले सामुदायिक कक्ष का भूमि पूजन भी विधिवत रूप से सम्पन्न किया।

इस सामुदायिक कक्ष का निर्माण लगभग १५ लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। यह भवन क्षेत्र के धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भैयालाल राजवाड़े ने कहा, गुरु केवल ज्ञान के स्रोत नहीं, बल्कि हमारे जीवन की प्रेरणा होते हैं। शिक्षा, संस्कार और जीवन के उच्चतम मूल्यों का संचार करने वाले सभी गुरुजनों को गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर मैं सादर नमन करता हूं। यह पर्व हमें गुरु की महिमा को समझने और उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आगे कहा कि गायत्री मंदिर क्षेत्र में सामुदायिक भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, और अब इसका निर्माण शीघ्र ही प्रारंभ होगा। यह भवन सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा।

इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, गणमान्य नागरिक, मंदिर समिति के सदस्य और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्रोच्चार और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। उपस्थित जनसमूह ने विधायक का आभार प्रकट करते हुए सामुदायिक भवन निर्माण को क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात बताया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में गुरु महिमा पर आधारित भजन, प्रवचन एवं यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्रधानमंत्री पोषण निर्माण योजना के तहत कन्या विद्यालय में सामुदायिक सहभागिता से हुआ न्योता भोज

पूर्व शिक्षक और प्राचार्य की पहल पर छात्राओं को परोसा गया पोषक आहार

कोरिया – प्रधानमंत्री पोषण निर्माण योजना अंतर्गत शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर में मंगलवार को सामुदायिक सहभागिता के साथ 'न्योता भोज' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के सेवा निवृत्त शिक्षक श्री नंदलाल सोनी एवं वर्तमान प्राचार्य श्री ए. एल. गुप्ता का सराहनीय सहयोग रहा। यह कार्यक्रम कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी श्री जितेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ के शासकीय विद्यालयों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत मध्यान्ह भोजन को अधिक पोषक एवं समावेशी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह एक स्वैच्छिक पहल है, जिसमें कोई भी व्यक्ति या संगठन किसी विशेष अवसर पर विद्यार्थियों के लिए भोज का आयोजन कर सकता है या खाद्य सामग्री का योगदान दे सकता है। इस अवसर पर उपस्थित पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री शैलेश शिवहरे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई यह योजना बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों द्वारा नए शिक्षा सत्र की शुभकामनाएं दी गईं तथा छात्राओं को पढ़ाई और पोषण के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी गई। विद्यालय के समस्त शिक्षक -शिक्षिकाएं और छात्राएं इस आयोजन में शामिल रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

सावन के पहले दिन कोरिया में हरियाली का संकल्प

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत फलदार पौधों का भव्य रोपण, कलेक्टर बोलीं - पौधों की परवरिश करें बच्चों की तरह, तभी वृक्षारोपण सार्थक

कोरिया बैकुंठपुर - सावन माह की हरियाली की शुरूआत कोरिया जिले में विशेष रूप से यादगार बन गई, जब 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन और पंचायत विभाग के नेतृत्व में ग्राम चेरवापारा में बड़े पैमाने पर फलदार पौधों का रोपण किया गया। जिला पंचायत कार्यालय के पीछे स्थित लगभग डेढ़ एकड़ रिक्त शासकीय भूमि पर आम, आंवला, कटहल, लीची, जामुन और अमरूद के करीब १०० पौधे लगाए गए।

बच्चों की तरह परवरिश हो - कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने स्वयं फावड़ा उठाकर उन्नत किस्म के आम का पौधा लगाया और पानी डालकर यह संदेश दिया कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'पौधा लगाना सरल है, लेकिन उसकी परवरिश बच्चों की तरह करना ही असली काम है। पौधों को मवेशियों से बचाना, खरपतवार हटाना और समय-समय पर देखरेख करना जरूरी है।' उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षारोपण का उद्देश्य केवल फल या छांव प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि इसका लाभ सम्पूर्ण जीव-जगत और पर्यावरण को मिले, यह सोचकर पौधे लगाए जाने चाहिए।

बंजर भूमि को हरित बनाना भी हम सबकी दायित्व - जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने औषधीय गुणों से भरपूर आंवले का पौधा लगाया और कहा कि जैसे कुपोषित बच्चों को पोषण देकर सशक्त बनाना हमारी जिम्मेदारी है, वैसे ही बंजर भूमि को हरित बनाना भी हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए प्राणवायु, भूजल स्तर में वृद्धि और पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

पौधरोपण स्थल पर सेल्फी पाइंट भी बनाया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा सेल्फी फोटो ली गई। जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य राजेश साहू, श्रीमती सौभाग्यवती कुसरो, सुरेश सिंह, श्रीमती शिव कुमारी सिंह, श्रीमती सुषमा सिंह कोराम, श्रीमती स्नेहलता उदय, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर प्यारे लाल साहू तथा जिला प्रशासन और पंचायत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी इस अभियान में पूरे उत्साह से शामिल हुए और पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी ली।

शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण का ग्रामीण शिक्षा पर सकारात्मक असर

कोरिया – राज्य शासन द्वारा शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की पहल अब धरातल पर असर दिखा रही है। कोरिया जिले के सोनहत व बैकुंठपुर विकासखंडों के प्राथमिक, माध्यमिक और हाई स्कूलों में विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति के बाद न केवल शैक्षणिक माहौल में सुधार हुआ है, बल्कि विद्यार्थियों की उपस्थिति में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

अब प्रत्येक विषय के लिए प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध - युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के अंतर्गत विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और अंग्रेजी जैसे विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, अब प्रत्येक विषय के लिए समुचित रूप से प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध हैं, जिससे बच्चों को पढ़ाई में बेहतर मार्गदर्शन मिल रहा है। छात्र-छात्राएं अब सभी विषयों की पढ़ाई नियमित रूप से कक्षा में ही प्राप्त कर पा रहे हैं और बाहरी ट्यूशन पर निर्भरता कम हो गई है।

ग्रामीण शिक्षा में नई उम्मीदें - जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि यह पहल खासकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। शिक्षक संख्या में संतुलन आने से शिक्षकों पर काम का बोझ भी कम हुआ है और वे छात्रों पर अधिक ध्यान दे पा रहे हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता, बच्चों के भविष्य में सुधार - ज्ञात हो कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जहां शिक्षक कम हैं, वहाँ उनकी तैनाती की जाए। इस निर्णय से न केवल स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर हो रही है, बल्कि विद्यार्थियों को उनका शैक्षणिक भविष्य संवारने का एक बेहतर अवसर भी मिल रहा है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202506330400040 मामले की श्रेणी:- राजस्व

विषय:- अ-2, सनः- 2024-2025
लालपुर प.ह.नं. 00012 (हे.)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - उत्तम दुग्गड़
अनावेदक पक्षकार - छ.ग. शासन

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202506330400040/ अ-2/2024-25
पक्षकार उत्तम दुग्गड़ प्रति छ.ग. शासन

ग्राम/नगर मनेन्द्रगढ़ की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक उत्तम दुग्गड़ आ. स्व. गणेशमल दुग्गड़, उम्र करीब 46 वर्ष, जाति-जैन, निवासी वार्ड नं. 12 ओसवाल कॉम्पलेक्स मनेन्द्रगढ़, तह. मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) द्वारा छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा 172 के तहत प.ह.नं. 12, ग्राम लालपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 146/10, 146/15 रकबा क्रमशः 0.0680, 0.040 हे. भूमि का आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेखों में खातेदार के रूप में दर्जशुदा एवं कब्जेदार भूमिस्वामी है। उक्त भूमि के सम्पूर्ण रकबा का औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि परिवर्तन का आवेदन पत्र मय रजिस्ट्री, खसरा, बी-वन, ऋण पुस्तिका एवं ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो दिनांक 14/07/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/06/2025 को जारी किया जाता है।

लिंगराज सिदार
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
मनेन्द्रगढ़, जिला- एम.सी.बी. (छ.ग.)

शासकीय राशि गबन करने पर सोनहत के दो ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

निर्माण कार्य अधूरा छोड़ने पर डॉ. आशुतोष ने की सख्त कार्रवाई

कोरिया - जिले में शासन द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्यों की राशि गबन कर कार्य अधूरा छोड़ने वाले दो ग्राम पंचायत सचिवों को जिला प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश व जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में की गई है। डॉ. चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया कि शासकीय धन का गबन गंभीर अपराध है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्राम पंचायत कचोहर व कछाड़ी का मामला

निलंबन आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत कचोहर के सचिव श्री लालमन सोनवंशी, पूर्व में ग्राम पंचायत अकलासरई में पदस्थ थे। वहां राजीव गांधी सेवा केंद्र निर्माण के लिए एक लाख दस हजार रुपये आहरित किए गए थे, लेकिन कार्य प्रारंभ नहीं किया गया। संतोषजनक जवाब न देने पर इन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर जनपद पंचायत सोनहत कार्यालय में संलग्न किया गया है। अब ग्राम पंचायत कचोहर का प्रभार श्री धन सिंह को सौंपा गया है। वहीं दूसरा मामला है, ग्राम पंचायत कछाड़ी का है। इस मामले में ग्राम सचिव श्री रामचरण, पूर्व में ग्राम पंचायत कछाड़ी में पदस्थ थे। इन्होंने सर्व शिक्षा अभियान के तहत भवन निर्माण हेतु २१ हजार रुपये आहरित किए, लेकिन कार्य अधूरा रहा। बार-बार नोटिस देने के बावजूद जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर इन्हें भी निलंबित किया गया है।

नियमों का उल्लंघन कर पाए दोषी - दोनों सचिवों को छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा आचरण नियम १९९८, ग्राम पंचायत सचिव कृत्य नियम १९९९ तथा अनुशासन व अपील नियम १९९९ के तहत दोषी पाया गया और नियम ४(क) व ४(ख) के अंतर्गत कार्रवाई की गई है।

सख्त चेतावनी - डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि शासन की योजनाओं में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्य में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक सतर्कता और अधिक बढ़ाई जा रही है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिले की मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, खड़गवां और जनकपुर परियोजनाओं में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को बढ़ती जनसंख्या दर के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और परिवार नियोजन, महिला शिक्षा व सशक्तिकरण के संदेश को व्यापक रूप से फैलाना था।

डीएमएफ कार्यों के भुगतान में अब सख्ती, अंतिम किस्त गुणवत्ता जांच के बाद

कलेक्टर का निर्देश 1 नवंबर के बाद ही मिलेगा डीएमएफ कार्यों का अंतिम भुगतान

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निदेर्शानुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 से आज दिनांक तक जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत स्वीकृत निर्माण एवं अन्य सभी कार्यों की भुगतान प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिसमें समस्त विभागों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है।

अभी तक निर्माण कार्यों के लिए प्रथम किस्त में 40 प्रतिशत तथा द्वितीय किस्त कार्य के मूल्यांकन के आधार पर और अन्य कार्यों में विभागीय मांग पत्र के आधार पर द्वितीय किस्त का भुगतान किया जाता रहा है, लेकिन यह देखा गया है कि विशेष रूप से आंगनबाड़ी एवं स्कूल भवनों जैसे निर्माण एवं मरम्मत कार्य जो मानसून पूर्व पूर्ण कर दिए जाते हैं उनकी गुणवत्ता वर्षा पश्चात ही स्पष्ट हो पाती है जिससे इस कार्यालय को लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 से स्वीकृत कार्यों के भुगतान हेतु नई प्रक्रिया लागू की जा रही है। जिसके अंतर्गत प्रथम किस्त 40 प्रतिशत की होगी जिसमें विभाग का कार्य प्रस्ताव तकनीकी प्रतिवेदन, निरीक्षण, प्रतिवेदन स्थल का जीओ टैग फोटो, नक्शा, खसरा, प्रस्तावित स्थल विवरण कार्य का औचित्य एवं यदि निर्माण के अलावा कोई कार्य है तो उसका संपूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। द्वितीय किस्त 50 प्रतिशत की होगी जिसमें विभागीय मांग पत्र निरीक्षण प्रतिवेदन, कार्य का गुणवत्ता प्रमाण पत्र, उपयोगिता प्रमाण पत्र, मूल्यांकन एमबी की प्रमाणित प्रति, कार्य का जीओ टैग फोटो तथा संबंधित कार्यालय प्रमुख जो कार्य का दैनिक लाभ लेता हो उसका सत्यापन शामिल किया जाएगा। तृतीय एवं अंतिम किस्त 10 प्रतिशत की होगी जिसमें विभागीय मांग पत्र, निरीक्षण प्रतिवेदन, उपयोगिता प्रमाण पत्र, कार्य पूर्ण होने का जियो टैग फोटो संबंधित कार्यालय प्रमुख का सत्यापन कार्य की गुणवत्ता और पूर्णता प्रमाण पत्र तथा अंतिम मूल्यांकन एमबी की प्रमाणित प्रति अनिवार्य होगी। साथ ही यह अंतिम भुगतान 1 नवंबर के बाद ही किया जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद ही कार्य की गुणवत्ता की जांच के आधार पर अंतिम भुगतान स्वीकृत किया जाएगा और इस निर्धारित भुगतान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की छूट केवल विभाग प्रमुख द्वारा पृथक से प्रस्तुत पत्र प्राप्त होने के उपरांत ही दी जा सकेगी। कलेक्टर द्वारा लिया गया यह निर्णय डीएमएफ मद से होने वाले कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं जनता को स्थायी लाभ पहुंचाने की दिशा में एक सशक्त और पारदर्शी पहल मानी जा रही है।

Sports Live

यूपीआई का असर, आईएमएफ ने कहा- भारत में अन्य देशों की तुलना में अधिक तेजी से हो रहा भुगतान

नई दिल्ली ,11 जुलाई । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एक नोट में कहा कि भारत दुनिया में अन्य देशों की तुलना में अधिक तेजी से भुगतान कर रहा है। इसकी वजह देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का बड़े स्तर पर इस्तेमाल होना है।

आईएमएफ के 'बढ़ते खुदरा डिजिटल भुगतानः इंटरऑपरेबिलिटी का मूल्यइ शीर्षक वाले नोट के अनुसार, 2016 में अपनी शुरूआत के बाद से देश में यूपीआई तेजी से बढ़ा है, जबकि नकदी के इस्तेमाल में गिरावट शुरू हो गई है। यूपीआई अब प्रति माह 18 अरब से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस करता है और भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों में अग्रणी है।

यूपीआई एक त्वरित भुगतान प्लेटफॉर्म है जो इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बना हुआ है।

लॉर्ड्स में दिखा नीतीश कुमार रेड्डी का जलवा, एक ही ओवर में 2 इंग्लिश बल्लेबाजों को भेजा पवेलियन

लॉर्ड्स,11 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरे टेस्ट मैच लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है. इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है. इसके साथ ही उन्होंने भारतीय कप्तान शुभमन गिल को पहले गेंदबाजी करने का न्योता दिया. इस मैच में इंग्लैंड ने लंच ब्रेक तक 25 ओवर के अंदर 2 विकेट खोकर 83 रनों का स्कोर बनाया. इंग्लैंड ने पहले सेशन में नीतीश कुमार रेड्डी के 14वें ओवर में 2 विकेट गंवा दिए. हालांकि इस दौरान भारतीय फील्डरों के हाथों से कैच भी छूटे वरना इंग्लैंड का स्कोर कार्ड कुछ और हो सकता था.

नीतीश ने अपने पहले ओवर की तीसरी बॉल पर बेन डकेट को 23 रन के निजी स्कोर पर ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट करा दिया. इसके बाद ओवर की अंतिम बॉल पर जैक क्रॉली को नीतीश ने 18 रनों के निजी स्कोर पर फिर से विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट कराया. नीतीश के लिए दूसरा टेस्ट मैच खास नहीं रहा था. एजबेस्टन में न उनके बल्ले से रन निकले थे और न ही वो विकेट चटका पाए थे.

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए इस समय क्रीज पर ओली पॉप 34 बॉल में 12 और जो रूट 34 बॉल में 24 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर मौजूद हैं. भारत की ओर से पहले सत्र में जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप और मोहम्मद सिराज अपना असर नहीं दिखा पाए उन्हें अभी तक कोई विकेट नहीं मिला है.

भारत : यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

इंग्लैंड : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर.

किशोर कुमार साधक ने इंग्लैंड में मचाया धमाल, लगातार 2 ओवर में 2 हैट्रिक लेकर रचा इतिहास

नई दिल्ली,11 जुलाई। क्रिकेट में हैट्रिक लेना हर गेंदबाज का सपना होता है. हाल के दिनों में हैट्रिक लेना मुश्किल हो गया है क्योंकि बल्लेबाजों का दबदबा क्रिकेट के मैदान पर टी20 फॉर्मेट की वजह से हावी होने लगा है. लेकिन एक गेंदबाज है जिसने लगातार दो ओवरों में दो हैट्रिक लेकर रिकॉर्ड बनाया है.

जी हां, इंग्लैंड के सफोल्क काउंटी में 37 वर्षीय स्पिन गेंदबाज किशोर कुमार साधक ने यह रिकॉर्ड बनाया है, जिससे वह यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं और भारतीय मूल के भी पहले गेंदबाज बन गए हैं.

साधक ने यह उपलब्धि ब्रिटेन में आयोजित काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन में केसग्रेव के खिलाफ एक मैच में इप्सविच और कोलचेस्टर क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए हासिल की. उन्होंने लगातार दो ओवरों में दो हैट्रिक विकेट लिए और इतिहास रच दिया.

इस मैच में उन्होंने कुल 21 रन देकर 6 विकेट हासिल किए. साधक ने कुल छह ओवर फेंके और पांच बल्लेबाजों को शून्य पर आउट किया. उन्होंने पांच बल्लेबाजों को क्लीन बोल्ड किया तो वहीं एक बल्लेबाजों को कैच आउट कराया. कोलचेस्टर को अपनी गेंदबाजी की बदौलत मैच 7 विकेट से जीत दिलाई. इस मैच के बाद किशोर कुमार ने कहा कि, इस उन्हें कई लोगों के फोन कॉल आए हैं. हमे रेस्टोरेंट गए और वहां खाना खाया. हमने वहां पर काफी घंटे बिताए और जश्न मनाया. जब मैंने उन खिलाड़ियों को आउट कर दिया तो मैं आसमान में उड़ रहा था.

किशोर कुमार साधक से पहले एक मैच में दो हैट्रिक लेने का कारनामा ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और ऑस्ट्रेलिया के जिमी मैथ्यूज कर चुके हैं. स्टार्क ने 2017 में न्यू साउथ वेल्स के लिए शेफील्ड शील्ड मैच में दो हैट्रिक अपने नाम दर्ज कीं थीं. मैथ्यूज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक ही मैच में दो हैट्रिक ली थीं, लेकिन उन्होंने दो हैट्रिक दो पारियों में लीं थीं.

लॉर्ड्स में पहले दिन बेअसर रहे भारतीय गेंदबाज

0-रूट के अर्धशतक की बदौलत इंग्लैंड ने बनाए 251 रन

लॉर्ड्स,11 जुलाई। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के ऐतिहासिक क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा है. इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर भारतीय कप्तान शुभमन गिल को पहले गेंदबाजी करने का न्योता दिया और खुद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 83 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 251 रन बना लिए हैं. इंग्लैंड के लिए दिन के खेल के अंत तक जो रूट 191 बॉल में 9 बॉल के साथ 99 और बेन स्टोक्स 102 बॉल में 3 चौकों के साथ 39 रन बनाकर खेल रहे हैं. इंग्लैंड के लिए जो रूट शतक बनाने से सिर्फ 1 रन दूर हैं. इस मैच के पहले सेशन में भारत ने 2 विकेट चटकाए और इंग्लैंड को 25 ओवर में 82 रन दिए. भारत को पहले सेशन में बेन डकेट 23 और जैक क्रॉली 18 के रूप में 2 सफलता हासिल हुई. ये दोनों विकेट टीम इंडिया को युवा मीडियम पेसर नीतीश कुमार रेड्डी ने दिलाईं. पहले सेशन के अंत तक यानी लंच तक ओली पॉप 12 और जो रूट 24 रन बनाकर नाबाद थे. इसके बाद मैच के दूसरे सेशन में जो रूट ने शानदार बल्लेबाजी की और अपना अर्धशतक पूरा किया. जो रूट ने 102 बॉल में 4 चौकों की मदद के साथ नीतीश कुमार रेड्डी को चौका लगाकर अपने 50 रन पूरे किए. दूसरे सेशन में इंग्लैंड ने कोई विकेट नहीं खोया और 49 ओवर में चाय तक 2 विकेट के नुकसान पर 157 रन बनाए. चाय तक जो रूट 54 और ओली पोप 44 पर नाबाद रहे. भारत के लिए तीसरे सेशन की शुरूआत शानदार रही क्योंकि रविंद्र जडेजा ने चाय के बाद आते ही पहले ही ओवर में भारत को विकेट दिला दिया. जडेजा ने ओली पोप को 44 रनों के निजी स्कोर पर विकेट के पीछे ध्रुव जुरेल के हाथों कैच आउट कराया. इसके बाद 55वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने हैरी ब्रुक को 11 रनों के निजी स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर भारत को चौथी सफलता दिलाई. इसके बाद भारतीय बॉलर कोई और विकेट नहीं गिरा पाए और दिन के अंत तक इंग्लैंड ने 251 रन बना लिए हैं.

छोटी खबरें

5 बॉल पर 5 विकेट लेकर आयरिश गेंदबाज कर्टिस कैंफर ने मचाया तहलका, बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली,11 जुलाई। टी20 क्रिकेट में गेंदबाजी करना किसी भी गेंदबाज के लिए आसान नहीं है क्योंकि गेंदबाज को अपनी क्षमता दिखाने के लिए केवल चार ओवर ही मिलते हैं. फिर भी टी20 क्रिकेट में हर दिन रिकॉर्ड टूटते या बनते रहते हैं. अब आयरिश ऑलराउंडर कर्टिस कैंफर ने क्रिकेट में एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है जो पहले कभी नहीं देखी गई. आयरलैंड ने लगातार पांच गेंदों पर विकेट लेकर इतिहास रच दिया है. आयरलैंड में आयोजित घरेलू टी20 टूनामेंट (इंटर-प्रांतीय टी20 ट्रॉफी) के दौरान मुंस्टर रेड्स की ओर से खेलते हुए कर्टिस कैंफर ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने नॉर्थ वेस्ट वॉरियर्स के खिलाफ 12वां ओवर फेंका और ओवर की 5वीं गेंद पर गेरोड विल्सन को आउट कर दिया. इसके बाद आखिरी गेंद पर ग्राहम ह्यूम एलबीडब्ल्यू आउट हो गए. इस प्रकार उन्होंने दो गेंदों पर विकेट ले लिए. इसके बाद उन्होंने मैच का 14वां ओवर फेंका. उन्होंने ओवर की पहली गेंद पर एंडी मैकब्रायन को आउट कर अपनी हैट्रिक पूरी की.

इसके बाद उन्होंने अगली दो गेंदों पर रॉबी मिलर और जोश विल्सन के विकेट लिए. इस प्रकार उन्होंने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट लिए और ऐसा कारनामा करने वाले वो दुनिया के पहले मेंस गेंदबाज बन गए. उनसे पहले यह उपलब्धि जिम्बाब्वे की महिला ऑलराउंडर केलिस नधलोवु को मिली है, जिन्होंने 2024 में घरेलू टी-20 मैच में ईगल्स विमेन के खिलाफ पांच गेंदों में पांच विकेट लिए थे. बता दें कि, क्रिकेट की दुनिया में जब भी कोई गेंदबाज चार गेंदों पर चार विकेट लेता है तो उसे डबल हैट्रिक कहा जाता है, यहां वह डबल हैट्रिक से आगे निकल गए हैं. कर्टिस कैंफर ने मैच के शुरूआती दौर में बल्लेबाजी करते हुए भी अच्छा प्रदर्शन किया. उन्होंने मुंस्टर रेड्स के लिए 24 गेंदों पर 44 रन बनाए. उनके अलावा पीटर मूर ने 35 रनों का योगदान दिया. स्टीफन डोडानी और स्पिनिल ने 27-27 रन बनाए. इन खिलाड़ियों की बदौलत ही टीम 188 रन बना पाई. इसके बाद नॉर्थ वेस्ट वॉरियर्स की टीम महज 88 रन पर सिमट गई. कैंफर को गेंदबाजी और बल्लेबाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला.

भारत को बीच मैच में लगा बड़ा झटका, ऋषभ पंत चोटिल होकर हुए मैदान से बाहर

0-ध्रुव जुरेल ने संभाले दस्ताने

लॉर्ड्स,11 जुलाई। टीम इंडिया को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के पहले ही दिन बड़ा झटका लगा है. भारत के लिए हेडिंग्ले और एजबेस्टन में बल्ले से धमाल मचाने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए हैं. उनकी चोट कितनी गंभीर है इस पर अभी कोई भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. ऋषभ पंत को उंगली में चोट लगने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ गया. उनकी जगह विकल्प के तौर पर ध्रुव जुरेल को विकेट के पीछे उतारा गया. यह घटना लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड की पारी के 34वें ओवर के दौरान हुई, जब जसप्रीत बुमराह की एक गेंद उनके बाएं हाथ की उंगली में लग गई. 27 वर्षीय इस खिलाड़ी को भारतीय टीम के फिजियो ने तुरंत उपचार दिया और इसके बाद वो मैदान बने रहे और खेलते रहे.

-------------------------- व्यापार --------------------------

रियलमी 15 सीरीज बिल्कुल नए 4डी कर्व+ डिस्प्ले के साथ स्लिम डिजाइन को करती है फिर से परिभाषित

नई दिल्ली ,11 जुलाई । अब स्मार्टफोन सिर्फ एक डिवाइस नहीं रह गया है, यह हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। हम सिर्फ उनका इस्तेमाल नहीं करते, बल्कि हमारी पहचान भी दिखाते हैं। ये हर समय हमारे साथ होते हैं। वे मीटिंग में हमारे पास रखे होते हैं, हमारी तस्वीरों में दिखते हैं, और अक्सर हमारे कपड़ों या एक्सेसरीज जितने ही हमारे बारे में बहुत कुछ बता जाते हैं। इसलिए फोन कैसा दिखता है और हाथ में कैसा महसूस होता है, यह उतना ही जरूरी हो गया है जितना कि वह क्या-क्या कर सकता है।

इस नए जमाने में, फोन का डिजाइन सिर्फ स्टाइल के बारे में नहीं है। यह आराम, सुविधा और आपकी पहचान के बारे में भी है। फोन का डिजाइन ऐसा होना चाहिए कि मोबाइल डिवाइस किसी भी जेब या बैग में आ जाए, आपकी हथेली में आराम से फिट हो जाए और हर जगह सूट करे। यही सब चीजें रियलमी 15 सीरीज के पीछे का सिद्धांत है, जो ब्रांड के अब तक के सबसे पतले और कर्व्ड डिजाइन को पेश करता है, जिसे हाथ में बेहद आरामदायक फील और आसानी से ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है।

फोन के डिजाइन के साथ-साथ उसकी स्क्रीन का अनुभव भी बहुत मायने रखता है। रियलमी 15

प्रो में नया 4डी कर्व+ डिस्प्ले है, जो किनारों पर घुमावदार है। इससे फोन को पकड़ना आसान हो जाता है और स्क्रीन देखने का अनुभव भी अच्छा होता है।

यह कर्वेचर केवल देखने में ही नहीं शानदार नहीं है, बल्कि यह आपके हाथ में बढ़िया तरीके से फिट हो जाता है। यह स्क्रीन स्पेस से किसी तरह का समझौता किए बना एक हाथ से भी आराम से इस्तेमाल किया जा सकता है। तकनीकी रूप से भी स्क्रीन शानदार है, जिसमें 144 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ नेविगेशन स्मूद होता है, और अधिकतम ब्राइटनेस के साथ तेज धूप में भी स्क्रीन साफ दिखती है। इससे स्मार्टफोन शार्प दिखता है और हर तरह की परिस्थिति में आसानी से परफॉर्म करता है। फोन की मोटाई केवल 7.69एमएम है, यानी यह अब तक का सबसे पतला रियलमी फोन है। चाहे आप इसे किसी छोटे पर्स में रखें, कोट की जेब में या ऑफिस बैग में, यह आराम से फिट हो जाता है। यह उन लोगों के लिए एकदम सही है जो बिना पावर और परफॉर्मेंस से समझौता किए हल्का और कॉम्पैक्ट फोन चाहते हैं।

इसकी डिजाइन इसे और भी प्रभावशाली बनाती है। अविश्वसनीय रूप से स्लिम होने के बावजूद, फोन में 7000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी दी गई है। आमतौर पर ऐसा करने से फोन मोटा और भारी हो जाता है लेकिन यहां न तो फोन के डिजाइन से समझौता किया गया है और न ही इसकी खूबसूरती से। यही असली डिजाइन इनोवेशन है जो बिना शो ऑफ किए, असली जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया। यह दिखावटी फीचर्स में नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाली बैटरी को एक हल्के और खूबसूरत फोन में समाहित करने की क्षमता को दिखाता है। यह कंपनी की उस समझ को दशार्ता है जहां यूजर्स को असल में क्या चाहिए- जैसे बार-बार चार्जिंग की चिंता से आजादी, बिना फोन के भारीपन के।

फोन के रंग भी इसकी खूबसूरती को बढ़ाते हैं झ फ्लोइंग सिल्वर, वेलवेट ग्रीन और सिल्क पर्पल। हर रंग फोन की सादगी और एलिगेंस को और निखारता है, चाहे आप फॉर्मल कपड़े पहनें या कैजुअल, यह हर स्टाइल के साथ मेल खाता है।

रियलमी 15 सीरीज किसी एक बड़ी खासियत की वजह से नहीं, बल्कि अपने हर छोटे-बड़े फैसले में तालमेल बिठाने के कारण खास है। यह एक ऐसा स्मार्टफोन है जो शोर मचाकर ध्यान खींचने की बजाय अपनी खुद की पहचान बनाता है। यह समझता है कि आज की दुनिया में जहां टेक्नोलॉजी हमारे जीवन के हर पहलू को छू रही है, तब जरूरत इस बात की है कि जहां हमें डिवाइस के लिए अलग से जगह से बनानी पड़ी, बल्कि उसको हमारी जिंदगी में आसानी से ढल जाना चाहिए। इसका डिजाइन, इसकी स्क्रीन, इसका वजन और इसकी परफॉर्मेंस झ ये सभी बातें दिखाती हैं कि इसे लोगों की जीवनशैली और उनकी आज की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह ऐसा प्रोडक्ट है जो दिन के हर घंटे उनके साथ रहता है। जैसे-जैसे स्मार्टफोन हमारे रोजमर्रा के जीवन का एक सहज हिस्सा बनते जा रहे हैं, उन्हें केवल उनकी तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उनका सोच-समझकर किया गया डिजाइन ही यह तय करेगा कि कौन सा फोन लंबे समय तक चलेगा। रियलमी 15 सीरीज को इसी भविष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया है झ यह एक ऐसा स्मार्टफोन है जो सोच-समझकर, संतुलन के साथ बनाया गया है, जो स्लिम, फंक्शनल और खूबसूरत टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। यह सीरीज 24 जुलाई को लॉन्च होने वाली है। यह सिर्फ एक नया फोन नहीं, बल्कि ऐसा अनुभव है जो आज की जिंदगी में पूरी तरह फिट बैठता है।

आईटी मंत्रालय और बिट्स-पिलानी मिलकर सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के पेशेवरों को साइबर सिक्योरिटी की देंगे ट्रेनिंग

नई दिल्ली ,11 जुलाई । भारत की साइबर सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए सीईआरटी-इन और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स) पिलानी समूह ने सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र और उद्योग जगत के पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा में व्यावसायिक विकास कार्यक्रम शुरू करने के लिए आपस में सहयोग किया है।

सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और उद्योग जगत के कार्यरत पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा में एक 8-सप्ताह का कार्यक्रम तैयार किया गया है, जिसे बिट्स पिलानी अपने हैदराबाद कैंपस स्थित सेंटर फॉर रिसर्च एक्सीलेंस इन नेशनल सिक्योरिटी (सीआरईएनएस) के माध्यम से, अपने टेक्नोलॉजी साझेदार रैपिफज के साथ, सीईआरटी-इन के मार्गदर्शन में संचालित करेगा।

सीईआरटी-इन साइबर घटना प्रतिक्रिया के लिए भारत की राष्ट्रीय एजेंसी है।

इस सहयोग का उद्देश्य साइबर सुरक्षा में स्ट्रक्चर्ड, उच्च-प्रभाव क्षमता निर्माण की बढ़ती मांग को पूरा करना है, जो उभरते डिजिटल खतरों और साइबर सुरक्षा चुनौतियों के बीच बढ़ते महत्व का क्षेत्र है।

सीईआरटी-इन के डायरेक्टर जनरल डॉ. संजय बहल ने कहा, भारत की साइबर मजबूत क्षमता न केवल स्वदेशी कटिंग-एज टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल और विकास में नजर आती है, बल्कि डिजिटल और क्वांटम युग की उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार एक जीवंत, उच्च कुशल प्रतिभा समूह के विकास में भी अपनी असली ताकत तलाशती है।

उन्होंने बताया कि बिट्स-पिलानी के साथ सीईआरटी-इन का सहयोग इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह प्रयास पेशेवरों को कटिंग-एज साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञता से लैस करने के साथ-साथ उद्योग की उभरती मांगों और शैक्षणिक उत्कृष्टता के बीच एक गतिशील तालमेल को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है।

आईटी मंत्रालय के अनुसार, यह कार्यक्रम 19 जुलाई से शुरू होगा और सभी क्षेत्रों के पेशेवरों के लिए खुला है, जिनमें बिना किसी पूर्व कोडिंग अनुभव वाले लोग भी शामिल हैं।

कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा होने पर प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा में एक व्यावसायिक विकास प्रमाणपत्र प्राप्त होगा, जिसे सीईआरटी-इन और बिट्स पिलानी द्वारा सह-ब्रांड किया जाएगा।

दुनिया भर में बढ़ते साइबर खतरों के दौर में, सीईआरटी-इन भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 70बी के तहत साइबर घटनाओं से निपटने के लिए राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में नामित, घटनाओं की रोकथाम और रियल टाइम थ्रेट मिटिगेशन से लेकर सिक्योरिटी क्वालिटी मैनेजमेंट सर्विसेज के माध्यम से साइबर मजबूती बढ़ाने तक, सीईआरटी-इन भारत की साइबर सुरक्षा रणनीति के मूल में है।

बिट्स पिलानी के ग्रुप वाइस चांसलर, प्रोफेसर वी. रामगोपाल राव ने कहा, बिट्स पिलानी में, हम साइबर सुरक्षा को न केवल एक तकनीकी चुनौती के रूप में देखते हैं, बल्कि एक राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में भी देखते हैं।

लोग अब बंदूक नहीं, विकास की राह पर साथ चलना चाहते हैं- मुख्यमंत्री

रायपुर। नारायणपुर जिले में 37 लाख 50 हजार के इनामी कुल 22 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों के ऊपर 50 हजार रुपए से लेकर 8 लाख तक के इनाम घोषित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि लोग अब बंदूक नहीं, विकास की राह पर साथ चलना चाहते हैं। हमारी सरकार में अब तक कुल 1476 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह हमारी सरकार की नवीन आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की सकारात्मकता का प्रमाण है। 'नियद नेल्लानार' जैसी योजनाओं ने विश्वास जगाया है, लोग हिंसा छोड़कर विकास की मुख्यधारा में लौट रहे हैं। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनरुत्थान हेतु हम पूर्णतः संकल्पित हैं। डबल इंजन की सरकार 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजधानी

भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुख्यमंत्री साय की सबसे बड़ी कार्यवाही, 22 आबकारी अधिकारियों का तत्काल निलंबन भ्रष्टाचार पर कड़ी चोट

00 भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का संदेश, 00 हमारा उद्देश्य जनता को पारदर्शी, जवाबदेह और ईमानदार प्रशासन देना- साय, 00 आईएएस, आईएफएस से लेकर राज्य सेवा के अधिकारियों पर भी कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति लेकर आगे बढ़ रही है। साथ ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। पूर्व शासनकाल के दौरान हुए 3200 करोड़ रूपए के बहुचर्चित शराब घोटाले में साय सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए 29 में से 22 आबकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबन की इस कार्रवाई को किसी भी राज्य द्वारा की गई अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। इन अधिकारियों पर वर्ष 2019 से 2023 के बीच भ्रष्टाचार कर करीब 88 करोड़ रुपये की अवैध कमाई से चल-अचल संपत्तियां भी बनाने का आरोप है।

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा की गई विस्तृत जांच में यह खुलासा हुआ है कि यह पूरा घोटाला एक संगठित सिंडिकेट के जरिये संचालित हो रहा था, जिसमें आरोपी आबकारी अधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इसका खुलासा होते ही छत्तीसगढ़ सरकार ने बिना देर के 22 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। जिनमें आबकारी उपायुक्त अनिमेष नेताम, अरविन्द कुमार पाटले, नीतू नोतानी, नोहर सिंह ठाकुर, विजय सेन शर्मा शामिल हैं। इसी प्रकार सहायक आयुक्त आबकारी प्रमोद कुमार नेताम, विकास कुमार गोस्वामी, नवीन प्रताप सिंह तोमर, राजेश जायसवाल, मंजुश्री कसेर, दिनकर वासनिक, आशीष कोसम, सौरभ बख्शी, प्रकाश पाल, रामकृष्ण मिश्रा, अलख राम कसेर, सोनल नेताम और जिला आबकारी अधिकारी मोहित कुमार जायसवाल, गरीबपाल सिंह दर्दी, इकबाल अहमद खान, जनार्दन सिंह कौरव, नितिन कुमार खंडूजा शामिल हैं।

गौरतलब है कि पूर्व सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दौरान कई बड़े घोटाले हुए हैं, जिनकी जांच केंद्रीय और राज्य एजेंसियां कर रही हैं और एक-एक कर सभी दोषी जेल भेजे जा रहे हैं। केवल शराब घोटाला ही नहीं, राज्य सरकार डीएमएफ घोटाला, महादेव सट्टा एप घोटाला और तेंदूपत्ता घोटाले जैसे मामलों की भी गहराई से जांच करवा रही है, जिनमें किसी भी तरह की संलिप्तता सामने आने पर दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो रही है। बीते दो वर्षों में एसीबी ने 200 से अधिक भ्रष्ट अधिकारियों को पकड़ा है, जो राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के साथ-साथ राज्य में सुशासन और पारदर्शी प्रशासन को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसके तहत जेम पोर्टल से खरीददारी को अनिवार्य किया गया है, ई-ऑफिस प्रणाली की शुरूआत हुई है, 350 से अधिक सुधारों के जरिये निवेश की राह भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और आसान बनाई गई है, इसी क्रम में सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के माध्यम से एनओसी की प्रक्रिया बेहद सरल कर दी गई है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आबकारी विभाग में एफएल 10 नीति को समाप्त कर पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है और देशी-विदेशी मदिरा की बोतलों पर अब नासिक मुद्रणालय से छपने वाले होलोग्राम अनिवार्य किए गए हैं ताकि नकली शराब की बिक्री पर रोक लगाई जा सके। इसी तरह खनिज ट्रांजिट पास की प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई है, लकडियों की ई-नीलामी प्रणाली लागू की गई है और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना की गई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 2021 परीक्षा में हुई अनियमितताओं की जांच सीबीआई को सौंप दी है, जिसमें आयोग के तत्कालीन चेयरमैन को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, भारतमाला योजना और सीजीएमएससी घोटालों की जांच भी ईओडब्ल्यू को सौंपी गई है, जिनमें दोषी अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध इस पारदर्शी कार्रवाई में आईएएस, आईएफएस से लेकर राज्य सेवा के विभिन्न स्तर के अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट कहा है कि यह घोटाला पिछली सरकार के कार्यकाल में हुआ था, घोटाले में संलिप्त किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। अब राज्य में भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं है, हमारी सरकार का उद्देश्य जनता को पारदर्शी, जवाबदेह और ईमानदार प्रशासन देना है।

न्यूज गैलरी

पचपेड़ीनाका का नाम परिवर्तन की खबर पूरी तरह भ्रामक-महापौर चौबे

रायपुर। हाल ही में कुछ माध्यमों से यह भ्रामक जानकारी प्रसारित की जा रही है कि पचपेड़ी नाका का नाम परिवर्तित किया जा रहा है। इस संबंध में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम का पक्ष रखते हुए यह जानकारी दी है कि यह अफवाह पूर्णतः असत्य और भ्रामक है। किसी भी प्रकार के नाम परिवर्तन की प्रक्रिया न तो प्रारंभ की गई है और न ही इस पर विचार किया जा रहा है। अतः नागरिकों से अनुरोध है कि किसी भी असत्य सूचना या अफवाह पर ध्यान न दें। बता दें कि शहर में पिछले कुछ दिनों से यह चर्चा होने लगी थी कि पचपेड़ीनाका का नाम गोदड़ीवाला धाम मार्ग रखा जा रहा है। लोगो ने विरोध में मोर्चा खोल दिया था यहां तक निगम के जोन आफिस पहुंचकर वे अपना विरोध स्वरूप ज्ञापन भी सौंप रहे थे और अधिकारी ज्ञापन ले भी रहे थे। अब महापौर ने जब स्पष्ट कर दिया है तो विवाद पर विराम लग जायेगा।

खेल अधिकारी राजेन्द्र डेकाटे का निधन

रायपुर। सहायक संचालक खेल व युवा कल्याण विभाग श्री राजेन्द्र डेकाटे का आज सुबह आकस्मिक निधन हो गया। जानकारी ये है कि उनहे हार्ट अटैक आया था और वे एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। वर्तमान में वे बस्तर में पदस्थ थे। खेल व खिलाडियों के प्रति हमेशा समर्पित अधिकारी के रुप में उनकी पहचान रही। काफी समय तक वे रायपुर में भी कार्यरत रहें।

राज्यपाल डेका ने घायल जवानों का जाना कुशलछेम

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज रायपुर के श्री नारायणा हॉस्पिटल में पहुंचकर सीआरपीएफ के घायल जवान श्री मंटू नाथ (निवासी असम राज्य) और श्री राजवीर सिंह (निवासी गुजरात राज्य) का कुशलछेम जाना। ये जवान 8 जुलाई को नक्सलियों द्वारा बीजापुर में किये गए आईडी विस्फोट में घायल हो गए थे। राज्यपाल ने घायल जवानों से चर्चा की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। राज्यपाल ने जवानों का उपचार कर रहे चिकित्सकों से बातचीत कर उनके समुचित उपचार के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने उनके इलाज में किसी भी प्रकार की आवश्यकता की स्थिति में सरकार की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

सूचना आयोग को दस्तावेजी साक्ष्य के साथ जनसूचना अधिकारी जवाब प्रस्तुत करें - राज्य सूचना आयोग

00 आयोग को पत्राचार करते समय प्रकरण क्रमांक, वर्ष और सुनवाई की तिथि का स्पष्ट उल्लेख करें

रायपुर। छत्तीसगढ राज्य सूचना आयोग ने सभी लोकप्राधिकारियों (कार्यालय प्रमुखों) को निर्देशित किया है कि अपने अधीनस्थ तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/ वर्तमान जनसूचना अधिकारियों को निर्देशित करें कि राज्य सूचना आयोग के द्वारा द्वितीय अपील की सुनवाई के लिए प्रेषित नोटिस का जवाब प्रथम सूचना पत्र प्राप्ति के पश्चात 30 दिवस के भीतर कंडिकावार मय दस्तावेज के साथ जवाब प्रस्तुत कर पंजीकृत डाक से राज्य सूचना आयोग को प्रेषित करना सुनिश्चित करें। जवाब प्रस्तुत करते समय तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारी का नाम पदनाम का स्पष्ट उल्लेख करें। उन्होंने यह भी कहा है कि तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों का नाम पदनाम, कार्यावधि तथा वर्तमान पदस्थापना स्थल की जानकारी आयोग को देना सुनिश्चित करें।

राज्य सूचना आयोग ने कहा है कि तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों के द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत द्वितीय अपील की सुनवाई के लिए प्रेषित नोटिस का जवाब तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों से प्राप्त नहीं होने के कारण प्रकरण की सुनवाई में अनावश्यक विलंब होता है। साथ ही तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों सुनवाई में प्रकरण से संबंधित समस्त अभिलेख एवं नस्ती के साथ उपस्थित रहें, यदि अपरिहार्य कारण से तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/ वर्तमान जनसूचना अधिकारी आयोग के द्वितीय अपील की नियत तिथि को सुनवाई में उपस्थित नहीं होने की स्थिति में अपने ऐसे प्रतिनिधि को सुनवाई के लिए भेजा जाए जिनको प्रकरण के संबंध में संपूर्ण जानकारी हो एवं संपूर्ण दस्तावेज और जानकारी के साथ आयोग के समक्ष सुनवाई के अवसर पर सूचना आयोग के द्वारा चाही गई जवाब प्रस्तुत कर सके। आयोग ने कहा कि आयोग की सुनवाई में तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारी के द्वारा प्रतिनिधि के रूप में प्राधिकार पत्र मान्य किया जाएगा और उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब को तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारी का जवाब माना जाएगा। प्राधिकार पत्र के अभाव में प्रतिनिधि की उपस्थिति मान्य नहीं की जाएगी।

राज्य सूचना आयोग ने सभी तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आयोग/अपीलार्थी से पत्राचार करते समय प्रकरण क्रमांक, वर्ष और सुनवाई की तिथि के साथ-साथ अपना नाम, पदनाम, पदस्थापना स्थल का स्पष्ट उल्लेख करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि आयोग के समक्ष सुनवाई के पूर्व तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों से पंजीकृत डाक से नियमानुसार प्रतिउत्तर प्राप्त नहीं होने पर एवं उक्त निर्देश का पालन नहीं होने की स्थिति में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 20 (1) एवं धारा 20 (2) के तहत और शासन के द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार अर्थदण्ड एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

चांदी 1 13 500 के ऑल टाइम हाई पर, आज 2000 बढ़ी कीमत, सोना भी बढ़कर 1 00 400 पहुंचा

रायपुर। चांदी का दाम आज यानी शुक्रवार (11 जुलाई) को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। रायपुर सराफा बाजार में इसकी कीमत 1 13 500 रुपए प्रति किलो ग्राम है। आज में ही केवल 2000 रुपए कीमत बढ़े हैं। इससे पहले 18 जून 2025 को 1 11 500 तक भाव पहुंचा था, जिसे सबसे ऊंचा माना जा रहा था। ठीक वैसे ही सोना आज 400 रुपए की बढ़त लेकर 1 00 400 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जिस प्रकार टैरिफ थोप रहा है उसके असर से अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई तेजी का असर हैं कि दोनों बहुमूल्य धातुओं के भाव इस ऊंचाई तक पहुंच गए हैं। जैसा कि वे अन्य देशों के लिए भी टैरिफ बढ़ाने की धमकी दे रहे हैं बाजार में असमंजस की स्थिति बनना स्वाभाविक है।

स्थानीय कारोबारी बता रहे हैं कि शुक्रवार सुबह के कारोबार में दोनों कीमती धातुओं यानी सोना और चांदी ने निवेशकों को चौंका दिया। चांदी की कीमत ने तो इतिहास बना दिया। हालांकि अपने राज्य की बात करें तो अभी वैवाहिकी खरीदी कुछ धीमी है,लेकिन बाजार पर पकड़ रखने वाले सटोरियों की पैनी नजर हैं। वहीं, निवेशकों की नजर अब अगले सप्ताह की चाल पर होगी, क्योंकि सोने-चांदी की ये तेजी आने वाले कारोबारी सत्रों में नई दिशा तय कर सकती है। शुक्रवार क्लोजिंग भाव पर बाजार का अगले सप्ताह का रूख पता चलेगा।

आईएफएस अरुण प्रसाद का इस्तीफा केंद्र ने किया मंजूर, आदेश जारी

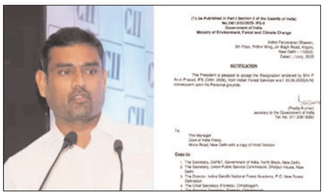

रायपुर। केंद्र सरकार ने 2006 बैच के आईएफएस अधिकारी अरुण प्रसाद के इस्तीफे को मंजूरी देते हुए उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। आईएफएस अरुण दंतेवाड़ा और राजनांदगांव के डीएफओ रह चुके हैं और वर्तमान में वे राज्य पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव के पद पर पदस्थ थे। अरुण प्रसाद मूल रूप से तमिलनाडु के रहने वाले हैं और वे 2006 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं।

जीवन जीने में सहायक बनी इंदिरा वृद्धावस्था पेंशन : लाभार्थी परिवार ने कहा - यह छोटी नहीं बड़ी मदद है

रायपुर। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे वृद्धजनों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें जीवन जीने में सहयोग देना इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना का उद्देश्य है। रायपुर जिले के तिल्दा ब्लॉक के ग्राम मांदाडीह निवासी श्री आत्मा राम मनहरे इस योजना के लाभार्थी हैं। वे पहले किसानी करते थे, लेकिन अब वृद्धावस्था के कारण कार्य करने में असमर्थ हैं। श्री मनहरे के बेटे ने बताया कि उनके पिता पिछले कई महीनों से इस योजना का लाभ मिल रहा है। उनके बेटे बताते है की पिताजी इस पैसे से अपने इलाज के लिए दवाई खरीदते है और सब्जी लेते है। यह थोड़ी सी मदद मेरे लिए बड़ी राहत बन गई है। श्री मनहरे के बेटे तुलसी राम मनहरे ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा, ₹मैं सरकार का दिल से धन्यवाद करता हूँ। प्रदेश के बुजुर्गों को इसका लाभ लेना चाहिए।₹ इस योजना के अंतर्गत 60 वर्ष से 79 वर्ष की आयु के ऐसे वृद्धजन, जो बीपीएल श्रेणी में आते हैं, उन्हें 500 प्रतिमाह तथा 80 एवं अधिक उम्र के वृद्धजनों को 650 रुपए की पेंशन राशि दी जाती है।

संवेदीकरण विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न, खाद्य और नापतौल विभाग के अधिकारी हुए शामिल

रायपुर। भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर द्वारा संवेदीकरण विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता खाद्य विभाग की सचिव सुश्री रीना बाबा साहेब कंगाले ने की। कार्यशाला में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग और नापतौल विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर शाखा कार्यालय के निदेशक एवं प्रमुख श्री एस. के. गुप्ता ने सचिव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर शाखा कार्यालय के संयुक्त निदेशक श्री फालेन्द्र कुमार ने पॉवर पाईंट के जरिए प्रस्तुतीकरण दी और भारतीय मानक ब्यूरो की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। जिसमें मानक निर्धारण की प्रक्रिया, समितियों की संरचना, ड्राफ्ट मानकों पर चर्चा एवं टिप्पणियाँ, आम नागरिकों की सहभागिता हेतु वाइड सकुर्लेशन ड्राफ्ट और मानक निर्धारण की प्रक्रिया की जानकारी शामिल थी।

कार्यशाला में प्रमाणन की विभिन्न योजनाएँ जैसे आईएसआई मार्क योजना, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों हेतु सीआरएस योजना की जानकारी का प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यशाला में आईएसआई मार्क एवं सीआरएस मार्क वाले उत्पादों के लिए अनिवार्य प्रमाणन आदेशों की जानकारी एवं उनकी पहचान की विधि की भी जानकारी दी गई।

नॉव योर स्टेण्डर्स फीचर के माध्यम से बीआईएस वेबसाइट पर मानक खोजने एवं डाउनलोड करने की प्रक्रिया के बारे में अधिकारियों को जानकारी दी गई। इसी प्रकार विभागीय खरीद के लिए टेंडर तैयार करते समय क्यूसीओ क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर की जानकारी एवं उत्पाद प्रमाणन को देखने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से बताया गया। कार्यशाला में टेंडर हेतु उत्पाद परीक्षण के लिए उपलब्ध प्रयोगशालाओं की जानकारी दी गई। सोने एवं चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्क एवं एचयूआईडी संख्या की सत्यता जांच, अनिवार्य हॉलमार्किंग आदेश, हॉलमार्किंग केंद्रों की उपलब्धता, हॉलमार्किंग की प्रक्रिया एवं उपभोक्ताओं के लिए जांच की सुविधा की जानकारी दी। मानकों के संग्रह का प्रदर्शन एवं स्टैण्डर्स वॉच की जानकारी दी गई। इसी के साथ शिक्षा के क्षेत्र में स्टैण्डर्स क्लब एवं एमओयू पार्टनरशिप के माध्यम से बीआईएस भागीदारी के संबंध में बताया गया। कार्यशाला में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से अधिकारियों के प्रश्नों का उत्तर देकर संतुष्ट किया गया।

स्वतंत्रता दिवस 2025 समारोह आयोजन हेतु राज्य शासन ने जारी किया दिशा-निर्देश

रायपुर। राज्य शासन ने स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 को गरिमामय एवं प्रेरणादायी ढंग से प्रदेशभर में मनाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में शासन द्वारा सभी जिलों एवं संस्थानों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। राजधानी रायपुर में मुख्य समारोह स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड में प्रातः 9 बजे आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। इस परेड में बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (पुरुष एवं महिला), नगर सेना, एनसीसी तथा बैंड प्लाटून की टुकडि ?ाँ भाग लेंगी। समारोह में मुख्यमंत्री जनता के नाम संदेश भी देंगे तथा पदक अलंकरण समारोह का आयोजन होगा। इस दौरान रंगीन गुब्बारों की उड़ान भी समारोह स्थल की शोभा बढ़ाएगी। जिला मुख्यालयों में शासन द्वारा नामित मंत्रीगण ध्वजारोहण कर मुख्यमंत्री का संदेश पढ़ेंगे तथा परेड की सलामी लेंगे। परेड में स्थानीय बलों के साथ एनसीसी, नगर सेना, जेल प्रहरी आदि की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। जनपद पंचायत मुख्यालयों में जनपद पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिकाओं एवं पंचायतों में उनके अध्यक्ष एवं सरपंच, तथा बड़े गांवों में ग्राम प्रमुख ध्वजारोहण करेंगे। इन स्थलों पर राष्ट्रीय गान, भाषण तथा देश की एकता एवं अखण्डता का संदेश प्रसारित किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस की रात प्रदेश के सभी शासकीय भवनों एवं राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों को रोशनी से सजाया जाएगा। इसके लिए खर्च संबंधित विभाग वहन करेंगे। जिला कलेक्टरों को अपील जारी करने एवं आयोजनों की समुचित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। शासकीय एवं शिक्षण संस्थाओं में प्रातः 9 बजे से पहले ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, प्रभात फेरी, सांस्कृतिक, साहित्यिक, मनोरंजन, खेलकूद, वृक्षारोपण एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों को आयोजन की जिम्मेदारी संबंधित विभाग सुनिश्चित करेंगे।

लाउडस्पीकर के प्रयोग हेतु जिला कलेक्टर से अनुमति लेना अनिवार्य होगा तथा उस पर बजने वाले गीत मर्यादित एवं देशभक्ति से ओतप्रोत होने चाहिए। राजधानी एवं जिला मुख्यालयों के शासकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण कार्यक्रम मुख्य समारोह से पूर्व सम्पन्न करने के निर्देश हैं ताकि अधिकारी व कर्मचारी मुख्य आयोजन में सम्मिलित हो सकें। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जारी होने वाले सरकारी विज्ञापन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों, विशेषकर छत्तीसगढ़ के शहीदों को समर्पित होंगे, जिनका प्रकाशन 15 अगस्त के दिन सुनिश्चित किया जाएगा। राज्य शासन ने यह भी निर्देश दिया है कि जिला स्तर पर आयोजित होने वाले समारोहों में नक्सली हिंसा में शहीद हुए जवानों के परिजनों को विशेष रूप से आमंत्रित कर उन्हें सम्मान प्रदान किया जाए।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

KJ
स्थापना - 1928
मानक पथप्रदर्शक 100% Hallmark Jewellery
कंचन ज्वेलर्स
स्वर्ण एवं रजत आभूषणों का विशाल संग्रह
सदर रोड, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)
फोन - 07774-222309

सरगुजा संभाग
अम्बिकावाणी
■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

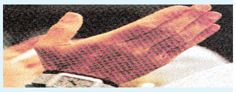

चरित्र ऐसी वस्तु है जो स्थूल दर्पण में नहीं देखी जा सकती है।

सरगवां में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन- 10

■उद्यमियों को दी गई प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी- 12

नदी के तेज बहाव में बह रहे विनय को मौत के मुंह से बचा लाई प्रतापपुर थाना की जांबाज पुलिस

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

पुलिस ने अपने जान से खेल कर उफनती नदी में बह रहे जगन्नाथपुर निवासी १८ वर्षीय विनय पिता साहेश टोप्पो की जान बहुत ही मुश्किल से बचायी। हालांकि यह देखा जाता है कि पुलिस अपराधियों पर नकेल कसती है। वही आज प्रतापपुर थाना के आरक्षकों ने प्रतापपुर के समीप बाकी नदी में डूब रहे ग्रामीण की जान बचाकर मानवता नहीं बल्कि पूरे पुलिस विभाग को आज गौरवांवित किया है।

ज्ञात होगी प्रतापपुर क्षेत्र में लगातार १५ घंटे से बारिश होने के कारण जहां नदी नाले उफान पर है वही स्थानीय बाकी नदी में डूब रहे इस युवक को मौके पर देखने वाले लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। युवक पूरी तरह से उफनते पानी में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा था। ऊपर से रस्सी फेंक कर उसे रोकने का प्रयास किया गया परंतु पुल की ऊंचाई लगभग ५० फीट की है वही नदी की गहराई और बाढ़ अनंत है। उसे बचाने के लिए ऊपर से रस्सी जरूर फेंकी गई परंतु वह पकड़ नहीं पाया और

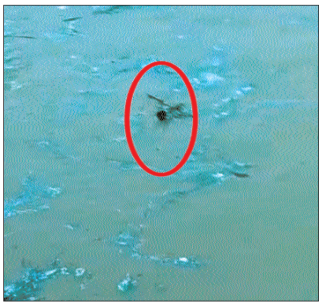

पानी के तेज बहाव मे वह बहता रहा। उसके पीछे नदी के किनारे किनारे पुलिस दौड़ती रही । साथ में ग्रामीण, १ से २ घंटे की कड़ी में मस्कत करते रहे। बहते पानी में पुलिस ने तैरकर आखिरकार ग्रामीण की जान बचाई। जान बचाने के दौरान पुलिस पानी के तेज बहाव में खुद बहते बहतें बचा। पहली बार पुलिस के इस तरह के जांबाज कारनामे से एक व्यक्ति का जिंदगी बचाने पर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है । पुलिस की आज प्रशंसनीय कार्य प्रणाली से एक युवक की जान बचाई जा सकी।

जान जोखिम में डालकर नदी में उतरे प्रधान आरक्षक और आरक्षक

एएसआई हरिशंकर तिवारी, प्रधान आरक्षक विनोद परीड़ा. रविशंकर चौबे.आर चालक जय प्रकाश पन्ना आर. अमर साय. सत्यनारायण तथा ग्राम गोटागांव के ग्रामीणों द्वारा २ घंटे की कड़ी मशक्कत से ग्रामीण को बचाया गया तथा अस्पताल में एडमिट कराया गया।

3 किलोमीटर तक बहता रहा ग्रामीण

बाकी नदी से बहता हुआ युवक लगभग ३ किलोमीटर तक पानी में कचरा और पेड़ के डंगाल के सहारे बहता रहा, जिसको ग्रामीणों ने देखा और प्रतापपुर पुलिस को फोन किया। पुलिस में तत्परता दिखाते हुए जगह-जगह अपने आदमियों को अलर्ट कर दिया और खुद रेस्क्यू को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि परिजनों के अनुसार तीन दिन से विनय घर नहीं लौटा था और आज इस स्थिति में पानी में बहते हुए इसे देखा गया। आखिर वह पानी में कैसे बह रहा था यह बात स्पष्ट नहीं हो पाई है।

किया जाएगा पुरस्कृत -एसएसपी

डीआईजी व सूरजपुर एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस की इस तत्परता और जान जोखिम में डालकर ग्रामीण की जान बचाने पर प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस का काम ही है जन सेवा करना। जिस तरह से पुलिस कर्मियों ने अपनी जान की परवाह करते हुए ग्रामीण की जान बचाई है उन पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा सनातन धर्म की संस्कृति-रमन

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)।

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश नेतृत्व के आहवान पर भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन के मार्गदर्शन में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संभाग प्रभारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल के द्वारा नगर के वयोवृद्धि सेवानिवृत शिक्षक धनंजय पाठक सहित मंदिर के पुजारी एवं गायत्री परिवार से जुड़े वरिष्ठ जनों के घर जाकर शाल श्रीफल देकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि गुरु पूर्णिमा सनातन धर्म की संस्कृति है सनातन संस्कृति में आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं हमारे धर्म ग्रंथो में गुरु में गु का अर्थ अंधकार या अज्ञान और रु का अर्थ प्रकाश अर्थात अज्ञान को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर नगर पुरोहित नंदकुमार पांडे, नगर के वार्ड क्रमांक ९ में स्थित प्राचीन राम मंदिर के पुजारी यशपाल दुबे पहाड़ी मंदिर के पुजारी पवन पांडे गायत्री परिवार के टीआर शर्मा के घर जाकर शाल श्रीफल देकर सम्मानित करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूर्व पार्षद मुकेश जायसवाल पार्षद सुमित गुप्ता, अंकित गुप्ता, अनूप कश्यप सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ने जिले के 10 ब्लॉक में 61 मंडल अध्यक्षों को किया नियुक्त

2025 के अंत तक जिले में प्रत्येक बूथ तक संगठन को एक मजबूत आधार दे दिया जायेगा-बालकृष्ण

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ने जिले के दसों सांगठनिक ब्लॉक में ६१ मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है। कांग्रेस ने अपने उदयपुर अधिवेशन में संगठन की मजबूती के लिये ब्लॉक अध्यक्ष और बूथ लेबल अभिकर्ता के मध्य माइक्रो मैनेजमेंट के लिए मंडल अध्यक्ष नियुक्त करने का फैसला किया था। कांग्रेस जिलाध्यक्ष नियुक्त होने के उपरांत बालकृष्ण पाठक ने मंडल अध्यक्षों के नियुक्ति को प्राथमिकता देते हुए १५ जुलाई के पूर्व इस प्रक्रिया को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा था जो समय पूर्ण पूरा हो गया। पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी में सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ऐसा पहला संगठन है जिसने शतप्रतिशत मंडल नियुक्ति के लक्ष्य को पूरा किया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी से अनुमोदित सूची

अनुसार नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को आज उनके ब्लॉक अध्यक्षों की उपस्थिति में आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य ओर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने उनका नियुक्ति प्रमाण पत्र आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में उन्हें सौपा। इस अवसर पर उन्हें संबोधित करते हुए उन्होंने सर्वप्रथम कांग्रेस जिलाध्यक्ष को इस उपलब्धि की बधाई दी।

उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव आयोग जो कर रहा है उसको देखते हुए ये कवायद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ब्लॉक और बूथ के बीच की कड़ी के रूप में मंडल अध्यक्ष और उनकी टीम चुनाव में पार्टी के निर्णायक बढ़त में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। इस दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति ने वर्ष २०२५ को कांग्रेस के संगठनात्मक मजबूती देने के लिए तय किया है। सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा लिया है। उन्होंने कहा कि २०२५ के अंत तक सरगुजा जिले में प्रत्येक बूथ तक संगठन को एक मजबूत आधार दे दिया जायेगा। इस दौरान पीसीसी उपाध्यक्ष श्री जे पी श्रीवास्तव, २० सूत्रीय कार्यक्रम के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, पीसीसी महामंत्री श्री द्वितेन्द्र मिश्रा, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता, श्री हेमंत सिन्हा, अरविंद सिंह, विनय शर्मा, अमित सिंहदेव, सिद्धार्थ सिहदेव, बलराम यादव, राजनाथ सिंह, इंद्रजीत धंजल, प्रदीप गुप्ता, नारद गुप्ता, मो इस्लाम, दुर्गेश गुप्ता आदि मौजूद थे।

ब्लॉक कांग्रेस और बूथ के बीच की कड़ी बनेगा मंडल

बूथ स्तर पर माइक्रो मैनेजमेंट की दृष्टि से कांग्रेस ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अधीन मंडल बनाने का निर्णय लिया था। इन मंडलो के निर्माण एक जिला कांग्रेस कमेटी या ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सद्दश होगा जहाँ १५ लोगो की कार्यकारिणी होगी। भौगोलिक क्षेत्र, मतदाता की संख्या आदि के आधार पर एक मंडल अध्यक्ष विभिन्न बूथों के बीएलए के बीच कार्य करते हुए बूथ और अनुभाग स्तर पर पार्टी के जनाधार को मजबूत करेगा। मंडल अध्यक्ष को बीएलए के नियुक्ति की अनुशंसा का अधिकार होगा साथ ही वो बूथ लेबल पर बीएलए की कार्यकारिणी भी तैयार करवाएगा। सरगुजा जिले में कुल ६१ मंडल का निर्माण हुआ है, जिनमे अम्बिकापुर शहर ब्लॉक में ६, अम्बिकापुर ग्रामीण ब्लॉक में ९, लखनपुर ९, उदयपुर ५, दरिमा ६, लुण्ड्रा ३, धौरपुर २, बतौली ७, सीतापुर ८, मैनपाट ६ शामिल हैं जिनके नवनियुक्त अध्यक्षों को आज आदित्येश्वर शरण सिहदेव ने नियुक्त पत्र प्रदान किया।

तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
प्रतिदिन उपलब्ध
डॉ. प्रवीन कुमार सिंह
MBBS, MS
(General Surgeon)
जनरल एवं लैप्रोस्कॉपिक सर्जन
सुविधाएं –
* पित्त की थैली की पथरी
* गुर्दे की पथरी
* प्रोस्टेट की समस्या
* अपेन्डिक्स, हार्निया
* लीवर से संबंधित बीमारियां
* बवासीर (फिशर एवं फिस्टुला)
* भूख न लगना, गैस की समस्या
* ऑतों से संबंधित समस्याएं
* शरीर में गांठे
* दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन
* पेट संबंधी सभी प्रकार की बीमारियां
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध

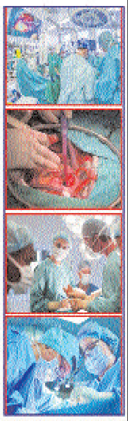

नशीले इंजेक्शन का डीलर फरार आरोपी देवेंद्र सिंह को उड़नदस्ता टीम ने सांडबार से किया गिरफ्तार

गिरफ्तारी के समय उसके बैग से मिला 65 नग नशीला इंजेक्शन

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

नशीले इंजेक्शन के मामले में फरार डीलर देवेंद्र सिंह को आबकारी उड़न दस्ता टीम ने सांडबार से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के समय उसके बैग से लगभग ६५ नग नशीला इंजेक्शन बरामद किया गया। बता दें कि संभागीय उड़नदस्ता संभाग सरगुजा की टीम को कल दिनांक १० जुलाई की शाम में गस्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि फरार आरोपी देवेंद्र सिंह सांडबार के पास अपनी बाइक से नशीले इंजेक्शन के डिलीवरी करने के लिए

आया हुआ है। सूचना मिलते ही तत्काल सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने सांडबार स्मृति वन के पास घेराबंदी कर देवेंद्र सिंह को पकड़ा, इस बार भी देवेंद्र सिंह भागने का प्रयास किया लेकिन भाग नहीं पाया। उसके पीठ पर टंगे पिट्ठू बैग की तलाशी लेने पर उसमें ६५ नग नशीला इंजेक्शन भी बरामद हुआ। आरोपी को उसके पूर्व के अपराध के लिए भी तथा वर्तमान के अपराध के लिए भी गिरफ्तार कर आज दिनांक को माननीय न्यायालय में रिमांड के लिए प्रस्तुत किया गया, जहां से जेल दाखिल का आदेश प्राप्त हुआ।

उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के द्वारा की गई। रंजीत गुप्ता ने बताया कि देवेंद्र सिंह अंबिकापुर एरिया का सबसे बड़े नशीले इंजेक्शन के डीलर के रूप में काम कर रहा था यह हम लोगों के लिए बहुत बड़ी सफलता है। ९ जुलाई को मौके से फरार होने के बाद देवेंद्र सिंह को पकड़ना हम लोगों के लिए एक चैलेंज था क्योंकि यह अंडरग्राउंड होकर इंजेक्शन का व्यापार बेरोजगार लोगों से कराता है। इसीलिए देवेंद्र सिंह को पकड़ने के लिए पूरा सूचना तंत्र फैला दिया गया था। उसी के परिणाम स्वरूप अगले दिन ही उसको गिरफ्तार कर लिया गया। नशीले इंजेक्शन पर उड़नदस्ता टीम की लगातार कार्यवाही से नशे के सौदागरों मे हड़कंप मचा हुआ है।

जिले में अब तक 271.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

भू-अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि जिले के सभी तहसीलों में २४ घण्टे के दौरान ७.१ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक १२.५ मि.मी. वर्षा तहसील लुण्ड्रा में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में १ जून से अब तक २७१.७ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि ०१ जून २०२५ से ११ जुलाई २०२५ तक अम्बिकापुर में ३१४.४, दरिमा में २०५.८, लुण्ड्रा में ३०३.२, सीतापुर में ३०३.७, लखनपुर में २९५.१, ।

एक लाख से ज्यादा कीमत का गांजा पकड़ाया, तस्कर गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

गांजा तस्करी के मामले मे गांधीनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से ४ किलो ९८० ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की खरीद बिक्री एवं तस्करी मे संलिप्त आरोपियों पर सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार पैनी नजर रखकर सख़्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे ११ जुलाई कों थाना गांधीनगर की पुलिस पेट्रोलिंग टीम छेत्र भ्रमण हेतु रवाना हुई थी कि दौरान छेत्र भ्रमण मनेन्द्रगढ़ रोड से किसान राइस मिल रोड के पास पहुंचने पर रोड किनारे चल रहा युवक जो अपने पीठ मे काले रंग का पिट्ठू बैग टांगा था,

पुलिस टीम द्वारा उपरोक्त युवक कों रोककर पूछताछ करने पर युवक द्वारा अपना नाम शनि विश्वकर्मा आत्मज राजकुमार विश्वकर्मा उम्र १८ वर्ष निवासी पटेलपारा थाना चांदनी बिहारपुर जिला सूरजपुर का होना बताया। युवक से पिट्ठू बैग मे रखे सामान के बारे मे पूछताछ करने पर उक्त युवक अचानक हड़बड़ाकर किशन राइस मिल रोड के बगल मे खाली मैदान की तरफ भागने लगा जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया। युवक की गतिविधि संदिग्ध होने पर गवाहों की उपस्थिति मे युवक के कब्जे मे रखे पिट्ठू बैग की तलाशी लेने पर बैग से कुल ४ किलो ९८० ग्राम गांजा कुल किमती लगभग ०१ लाख २५ हजार रुपये जप्त किया गया हैं।आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया है।आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से थाना गांधीनगर मं धारा २०(बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, आरक्षक अतुल शर्मा, विकाश सिंह, अरविन्द उपाध्याय, ऋषभ सिंह सक्रिय रहे।

जनमन योजना के तहत बनी डामरीकरण सड़क चढ़ी भ्रष्टाचार के भेट, 3 माह पहले बनी सड़क में पड़ी दरारें

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट जनमन योजना के तहत राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले कोरवा जनजाति के लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने जनमन योजना के तहत कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इस योजना अंतर्गत कोरवा जनजाति के लोगों को प्रधानमंत्री आवास , शौचालय निर्माण ,पक्की सड़क , सहित अन्य मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना मुख्य उद्देश्य है। वही जनमन योजना अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्य में अधिकारियों और ठेकदारों द्वारा मिलीभगत कर जमकर भ्रटाचार किया जा रहा है। कुछ ऐसा ही मामला लखनपुर विकासखंड के ग्राम बेलदगी में देखने को मिल जहां जनमन योजना के तहत बने डामरीकरण सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है अधिकारियों और ठेकेदार के लापरवाही के कारण तीन माह पहले बने डामरीकरण सड़क में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं सड़क की स्थिति को देखकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत ग्राम बेलदगी मुख्य मार्ग से मुड़ापारा तक ८३.९३ लाख की लागत राशि से लंबाई १.२१५किमी का निर्माण कार्य

ठेकेदार मेसर्स नित्यानंद सिंह मायापुर अंबिकापुर के द्वारा २० .३.२०२५ को घटिया स्तर का निर्माण कार्य किया गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पीएम जनमन के अधिकारियों और ठेकेदार ने मिली भगत कर डाबरी करण सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है।

निर्माण कार्य पूर्ण होने के तीन माह के बाद ही सड़क के बीचो-बीच बड़ी-बड़ी दरारें आ गई है और सड़क उखाड़ना शुरू हो गया है। ८३ लाख रुपए की लागत से बनी डामरीकरण सड़क पहली बारिश भी झेल नहीं पाया सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि अधिकारी और ठेकेदार के द्वारा किस स्तर का सड़क निर्माण किया गया होगा।अब देखने वाली बात होगी कि भ्रष्टाचारियों पर किस प्रकार की कार्रवाई की जाती है। या फिर कार्रवाई के नाम पर लीपापोती कर दिया जाएगा।

ग्रामीणों ने कहा सड़क टिकाऊ नहीं

इस संबंध में गांव के ग्रामीणों ने कहा कि ठेकेदार और अधिकारियों ने मिली भगत कर घटिया स्तर का सड़क का निर्माण कार्य किया गया है। ३ महीने में ही सड़क में बड़ी दरें पड़ गई और सड़क भी कई जगह से उखड़ना शुरू हो गया है। सड़क निर्माण कार्य से पूर्ण रिटनिंग वॉल का निर्माण नहीं होने से मिट्टी कटाव हो रहा है और यह सड़क टिकाऊ नहीं है उन्होंने आक्रोश जताते हुए ठेकेदार और अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

डामरीकरण सड़क निर्माण के बाद बनाया जा रहा रिटर्निंग वॉल

ग्राम बेलदगी की मुख्य मार्ग से मुड़ापारा तक डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद नियमों को ताक पर रख रिटनिंग वाल का निर्माण किया जा रहा है। रिटर्निंग वॉल निर्माण कार्य से पहले ही सड़क के किनारे की मिट्टी कटाव होना शुरू हो गया है। ऐसे में ग्रामीणों को कहना है कि जब तक सड़क के लेवल तक रिटनिंग वाल का निर्माण नहीं किया जाएगा तब तक मिट्टी का कटाव होता रहेगा और सड़क पूरी तरीके से टूट जाएगा।

साइबर ठगी को लेकर सख्ती, एसपी ने बैंक प्रबंधकों को संदिग्ध मोबाइल नंबर पर पैनी नजर रखने किया निर्देशित

सुरक्षा दृष्टिकोण से बैंकों एवं एटीएम में सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित सुरक्षागॉर्ड रखने दी गई समझाइस

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश मुताबिक साइबर ठगी के मामलो मे उपयोग किये गए म्यूल बैंक अकाउंट, संदिग्ध पॉइंट ऑफ सेल्स (पीओएस) एवं संदिग्ध मोबाइल नम्बरो के विरुद्ध सख़्ती से कार्यवाही किये जाने के क्रम मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल मे दिशा निर्देशन मे पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष मे बैंक प्रबंधकों की बैठक आयोजित की गई।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा बैंक प्रबंधको एवं बैंक स्टाप कों म्यूल अकाउंट एवं साइबर ठगी को अंजाम देने वाले संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हांकित/पहचान कर पुलिस को सूचित करने के कड़े निर्देश दिए गए, साइबर ठगी के मामलो मे पुलिस टीम द्वारा भेजे गए प्रतिवेदनो पर त्वरित कार्यवाही कर संदिग्ध बैंक खातों की जानकारी प्रदान करने सहित अन्य जानकारियों कों समय पर प्रदान करने, संदिग्ध ट्रांजेक्शन की सूचना पर बैंक खाते फ्रीज करने हेतु निर्देश दिए गए, जिससे साइबर ठगी के मामलो मे त्वरित कार्यवाही कर ठगी के शिकार व्यक्तियों कों तत्काल राहत प्रदान की जा सके। बैंक प्रबंधको कों सुरक्षा की दृष्टि से बैंकों के प्रवेश, निकासी मार्गो, अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर ससथ ही प्रत्येक बैंक एटीएम कक्ष में सीसीटीवी कैमरे आवश्यक रूप से लगाने के निर्देश दिए गए, एवं प्रत्येक बैंको मे सुरक्षागॉर्ड आवश्यक रूप से रखने के लिए भी निर्देश दिए गए है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा बैंक प्रबंधको से अपील जारी करते हुए कहा गया कि बैंक प्रबंधक अपने आस पास के निशक्तजनों एवं अभावग्रस्त लोगो की सहायता कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करें। बैठक के दौरान विभिन्न बैंको के प्रबंधक, बैंक स्टाप, साइबर सेल से प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, आरक्षक वीरेंद्र पैकरा, अनुज जायसवाल सक्रिय रहे।

सरगवां में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरगवां में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन विधायक प्रबोध मिंज के मुख्य अतिथि एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता तथा एसएमडीसी अध्यक्ष मनीष ली एसएमडीसी सदस्य राजेश सरदार बीडीसी विजय वैरागी उपसरपंच कृष्णा सिंह सभी पंच एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति मे किया गया।

मां सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूवात की गयी। इसके बाद सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ से किया गया। विद्यालय का प्रतिवेदन प्राचार्य संजीव कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया।मुख्य अतिथि विधायक द्वारा अपने उदबोधन मे

छात्र छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने एवं विद्यालय तथा अपने माता पिता एवं ग्राम का नाम रौशन करने हेतु प्रेरित किया गया।विधायक जी द्वारा अपने क्षेत्र के कक्षा १०,एवं १२ वी के सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को २५००० पुरस्कार देने की घोषणा की गयी। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह द्वारा विद्यालय के मैदान समतली करण एवं जल की व्यवस्था हेतु घोषणा की गयी।सभी अतिथियों द्वारा एक पेड़ मा के नाम के तहत पौधा रोपण किया गया।

इस अवसर पर संकुल के सभी प्राथमिक और माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक सभी विद्यालयों के एमडीसी के सदस्य एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरगवा से श्री अजय गुप्ता अशोक रॉय रेखा सिंह रजनी गुप्ता सविता सिंह प्रमिला शर्मा प्राची सिंह आरती सेठी रंजना सिंह पूर्णिमा अवस्थी साहित सभी शिक्षक शिक्षिकाये उपस्थित थे।

दरिमा क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगा रहे कंपनी के कर्मचारियों को ग्रामीणों के भारी विरोध का करना पड़ा सामना

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शहर में स्मार्ट मीटर लगाने का आदेश लेकर दरिमा क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगा रहे कंपनी के कर्मचारियों को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा और तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई। बाद में पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई। विगत कुछ दिनों से ग्राम बकालो और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम जिस आदेश पर जारी था वो अम्बिकापुर शहर के लिए जारी था। यह आदेश ४ अक्टूबर २०२४ को जारी था। इस आदेश के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाये जाने का विरोध कर रहे थे। ग्रामीणों का यह भी कहना था कि स्मार्ट मीटर विद्युत खपत की सही रीडिंग न कर बढचढकर रीडिंग करता है। ग्रामीण इस बात से भी परेशान थे कि इस प्रीपेड मीटर के लग जाने पर वो कैसे अग्रिम भुगतान कर बिजली का उपयोग करेंगे। पहले से ही अधिक विद्युत दर से परेशान

ग्रामीणों को प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगने से बढ़ने वाले व्यय को लेकर भयभीत थे। उसपर अम्बिकापुर शहर को लेकर जारी आदेश के आधार पर गांव में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर कंपनी के कर्मचारियों के दबाव से वे आक्रोशित हो गए। इस स्थिति से निपटने के लिए उन्होंने कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता को बुलाया। मौके पर पहुँच उन्होंने इस मसले को लेकर विद्युत विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क किया और उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराया।इसके उपरांत विद्युत विभाग के अधिकारी संशोधित आदेश की कॉपी लेकर वहाँ पहुंचे और उन्होंने ग्रामीणों को मौखिक रूप से आश्वस्त करने का प्रयास किया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर से विद्युत बिलों में
कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। लेकिन ग्रामीण इस आश्वासन पर सहमत नहीं हुए उन्होंने इसका विरोध जारी रखने का निर्णय लिया है। इस दौरान नारद गुप्ता, ग्राम बकालो के सरपंच अविनाश, नीलेश गुप्ता एवं अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

लापता युवक का रेण नदी में तैरता हुआ मिला शव

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
बहन के घर के लिए निकले विक्षिप्त युवक का शव आज रेण नदी में तैरता हुआ पाया गया है। मृतक के पैर में बंधे लोहे के कड़ा से उसकी लोगों ने शिनाख्त हुई है। करंजी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत राई निवासी ३५ वर्षीय शिवनारायण पिता राम साय, जो मानसिक रूप से विक्षिप्त भी था। गत दिनों ७ जुलाई को अपने बहन के घर सुरजपुर जाने निकला था, जो वापस लौटकर घर नहीं पहुंचा। शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत सोहागपुर में स्थित रेण नदी के तट पर अज्ञात युवक का शव तैरता हुआ देखा। जिसकी सूचना तत्काल करंजी पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंच शव की शिनाख्त शुरू किया। तभी राई निवासी एक ग्रामीण ने मृतक के पैर में लोहे के बंधे कड़ा को देखकर पहचान लिया और परिजन को सूचना दी। पुलिस द्वारा मामले में शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम किया है।

महाविद्यालय में प्रवेश धोखाधड़ी पर आजाद सेवा संघ का हल्ला बोल, पुलिस अधीक्षक से शिकायत

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छात्रों के साथ महाविद्यालय में प्रवेश के नाम पर हो रही धोखाधड़ी के मामले में आजाद सेवा संघ छात्र मोर्चा ने कड़ा रुख अपनाया है। संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा एवं छात्र मोर्चा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में छात्रों ने आज सरगुजा जिला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल को एक लिखित शिकायत सौंपी और तत्काल कार्रवाई की मांग की।

शिकायत में बताया गया कि अंबिकापुर के संभाग के सबसे बड़े महाविद्यालय राजीव गांधी पीजी कॉलेज महाविद्यालय में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा छात्रों के साथ प्रवेश के नाम पर धोखाधड़ी की जा रही है। विशेष रूप से, महाविद्यालय के विधि विभाग की ओर स्थित गिरजा फोटोकॉपियर और ऑनलाइन सेंटर नामक दुकान और उसके सहयोगी इस गैरकानूनी कार्य में संलिप्त पाए गए हैं। हाल ही का एक मामला सामने आया है जहाँ दो छात्राओं ने बीकॉम प्रवेश फॉर्म भरने के लिए उक्त दुकान से संपर्क किया। उन्हें गुमराह किया गया कि प्रवेश फॉर्म भरने की तिथि निकल चुकी है और अब उन्हें दूसरे रास्ते से प्रवेश लेना होगा। इसके लिए दुकान मालिक ने उन्हें एक मोबाइल नंबर दिया। जब छात्राओं ने उस नंबर पर संपर्क किया, तो उनसे ८००० रुपये की मांग की गई और आश्वासन दिया गया कि उनके दस्तावेज जमा करने पर पोर्टल को महाविद्यालय से खुलवाकर प्रवेश सुनिश्चित कर दिया जाएगा। आजाद सेवा संघ ने इसे छात्रों के साथ सरासर धोखाधड़ी बताया है। आजाद सेवा संघ ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि महाविद्यालय के बीकॉम प्रथम सेमेस्टर में अभी भी सीटें खाली हैं, इसके बावजूद दुकान संचालक द्वारा यह कहकर छात्रों को गुमराह किया जा रहा है कि सीटें खत्म हो चुकी हैं। यह स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि सुनियोजित तरीके से छात्रों को ठगा जा रहा है। आजाद सेवा संघ छात्र मोर्चा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से पुरजोर मांग की है कि इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल उचित कार्रवाई की जाए। संघ ने संबंधित दुकानदार और उसके सहयोगियों के विरुद्ध तत्काल एफ.आई.आर. दर्ज करने और उक्त फोटोकॉपियर और ऑनलाइन सेंटर नामक दुकान को तुरंत बंद कराने की प्रार्थना की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने आजाद सेवा संघ छात्र मोर्चा को आश्वस्त किया है कि इस मामले में तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। संघ ने उम्मीद जताई है कि पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप से छात्र समुदाय को न्याय मिलेगा और ऐसी धोखाधड़ी पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

सरस्वती महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर प्रवेश उत्सव का आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शुक्रवार को सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर अंबिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़ मे श्री गुरु पूर्णिमा एवं महाविद्यालय प्रवेश उत्सव का आयोजन सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा एवं विभागाध्यक्ष श्रीमती रानी रजक के नेतृत्व मे करायी गयी। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे गोविन्द यादव सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र सरस्वती महाविद्यालय अंबिकापुर उपस्थित हुए।

सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं दीप वंदना कर किया गया। तत्पश्चात यहाँ उपस्थित अतिथियों का जीवंत पौधा एवं श्रीफल से स्वागत किया गया।

तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य एवं समस्त सहायक प्राध्यापक द्वारा नये कक्षा मे प्रवेश हेतु बी. एड प्रशिक्षणार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया, एवं उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनायें दी गयी। तत्पश्चात बी. एड प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा श्री गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक का तिलक एवं बैच लगाकर सम्मान किया गया।

तत्पश्चात गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा गुरु वंदना, कविता एवं गीत की सुंदर प्रस्तुतियाँ दी गई।साथ ही गुरु की महिमा को बताते हुए भाषण भी दिया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि जी द्वारा अपने उद्बोधन मे सभी को

गुरु पूर्णिमा की शुभकामनायें दी गयी, साथ ही उन्होंने हमारे जीवन मे गुरु के महत्व को बहुत अच्छे तरीके से बताया, उनके द्वारा बताया गया कि माँ के बाद द्वितीय स्थान हमारे जीवन मे गुरु का ही होता है बिन गुरु के हमारा जीवन व्यर्थ है, बिना गुरु के हम दिशा विहीन है, एक गुरु ही होता है जो हमें सही गलत का अंतर बताता है, हमें सही दिशा दिखाते है ताकि हम अपने जीवन मे सफल हो सके एवं अपने जीवन को सार्थक बना सके। साथ ही गुरु का स्थान हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल शिक्षक होते हैं, बल्कि एक मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत और पथप्रदर्शक भी होते हैं, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जिस प्रकार चुम्बक मे उत्तरी ध्रुव एवं दक्षिणी ध्रुव हमेशा एक साथ रहते है वैसे ही शिक्षक एवं शिष्य भी होते है एक दूसरे के पूरक होते है, गुरु से शिष्य होता है और शिष्य से गुरु होता है, हमें हमेशा अपने गुरुजनो का सम्मान करना चाहिए।

ततपश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा जी द्वारा सभी को श्री गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनायें दी गयी, साथ ही बी. एड प्रशिक्षणार्थियों को नये कक्षा मे प्रवेश हेतु शुभकामनाएं दी गयी साथ ही उन्होंने बताया कि यह दिन महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। साथ ही उन्होंने बताया कि गुरु एवं शिष्य का रिश्ता बहुत ही अनोखा होता है, हमें न केवल सिर्फ गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु का सम्मान करना है बल्कि प्रतिदिन अपने गुरु का सम्मान करना चाहिए, बी. एड प्रशिक्षण कार्यक्रम एक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसमे हम एक अच्छे शिक्षक बनते है और हम एक अच्छा शिक्षक बनकर एक अच्छे शिष्य का निर्माण करते है, इसीलिए हमें खुद गुरु का सम्मान करना है और सबको प्रेरित करना है कि कि हम अपने गुरु और अपने से बड़ो का हमेशा सम्मान करें।

तत्पश्चात कार्यक्रम के अंत मे महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष श्रीमती रानी रजक जी द्वारा सभी को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनायें दी गयी साथ ही गुरु के महत्व को बताया गया साथ ही उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को सदैव अपने गुरुजनों का आदर करने और जीवन में उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथियों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया, साथ ही उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। कार्यक्रम मे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा एवं विभागाध्यक्ष श्रीमती रानी रजक एवं सहायक प्राध्यापक श्रीमती प्रियलता जायसवाल, मिथलेश कुमार गुर्जर, श्रीमती उर्मिला यादव, सुश्री सविता यादव, सुश्री सीमा बंजारे, सुश्री पूजा रानी, सुश्री ज्योत्सना राजभर, सुश्री अर्चना सोनवानी, श्रीमती गोल्डन सिंह, अजीत सिंह परिहार, नितेश कुमार यादव, सुन्दर राम एवं बी. एड प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

महादेवसाल मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए दपूमरे ने दिया 4 जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

बिलासपुर। श्रावणी मेला में महादेवसाल मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के महादेवसाल स्टेशन पर 4 जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी ठहराव दिया गया है। ये सुविधा 11 जुलाई से 9 अगस्त 2025 तक रहेगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु आसानी से मंदिर पहुंच सकें। रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इन ट्रेनों को महादेवसाल स्टेशन पर 2 मिनट के लिए रोका जाएगा। जिन ट्रेनों को ठहराव दिया गया है, वो इस प्रकार हैं - 13287/13288 दुर्ग-आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस, 18477/18478 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस, 18109/18110 टाटानगर-इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस तथा 18113/18114 टाटानगर-बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस।

गुरु पूर्णिमा सनातन धर्म की संस्कृति-रमन पेज 09

डायलिसिस सेवा से मरीजों को राहत, जिला अस्पताल में ही मिल रहा निःशुल्क उपचार

बलरामपुर, (अम्बिकावाणी समाचार)।
प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत बलरामपुर जिले के मरीजों को अब अपने ही जिले में डायलिसिस की अत्याधुनिक सुविधा मिल रही है। जिला अस्पताल में दी जा रही इस सुविधा से आर्थिक रूप से कमजोर और जटिल किडनी रोगों से पीड़ित मरीजों को अब महंगे निजी अस्पतालों के चक्कर से राहत मिली है।

जिला अस्पताल में वर्तमान में कुल तीन डायलिसिस मशीनें स्थापित की गई हैं। इन मशीनों के माध्यम से प्रतिदिन ५ से ६ मरीजों का उपचार किया जा रहा है। यह सेवा दो शिफ्टों में संचालित हो रही है ताकि अधिक से अधिक मरीजों को समय पर लाभ मिल सके। अब तक इस सुविधा का लाभ लगभग ३५ मरीजों को मिल चुका है और कुल १४७८ डायलिसिस सेशन सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं। जिला अस्पताल में डायलिसिस सेवा के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों के द्वारा अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है, जो पूरी तरह निःशुल्क है।

ग्राम पंचायत कोटसरी निवासी श्री धनेश ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया पहले डायलिसिस के लिए हर सप्ताह अंबिकापुर जाना पड़ता था। यह खचीर्ली होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम भरी थी। अब जिला अस्पताल में ही हर सप्ताह दो बार आकर डायलिसिस करवा लेता हूं, इस सुविधा से हमारे जैसे परिवारो को राहत मिली है अन्य मरीजों ने भी बताया कि निजी अस्पतालों में डायलिसिस की एक सत्र की कीमत लगभग १००० से २००० रुपये तक होती है, जिसमें कई बार एक निम्न वर्गीय परिवार की पूरी महीने की कमाई का अधिकांश हिस्सा खर्च हो जाता था। इस कारणवश आर्थिक तंगी के चलते इलाज अधूरा छोड़ने को मजबूर होते थे। अब यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध होने से उन परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम का उद्देश्य उन मरीजों तक निःशुल्क किडनी उपचार की सुविधा पहुंचाना है, जो आर्थिक कारणों से समय पर इलाज नहीं करवा पाते। ऐसे में जिला अस्पताल में यह सुविधा असरदार साबित हो रही है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि आने वाले समय में मशीनों की संख्या और स्टाफ की क्षमता में वृद्धि की योजना है, ताकि और अधिक मरीजों को सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

संवर रहा है, पहाड़ी कोरवाओं का जीवन, कुंती कोरवा के जीवन में है अब सुकून और बेहतर भविष्य की आस

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के जीवन में अब बदलाव की बयार बह रही है। वर्षों से उपेक्षा और असुविधा में जीवन बिता रहे इस समुदाय के लिए केंद्र व राज्य सरकार की योजनाएं उम्मीद की किरण बनकर आई हैं। बलरामपुर जिले के पस्ता ग्राम पंचायत की निवासी श्रीमती कुंती कोरवा के जीवन की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। पीएम जनमन योजना से उन्हें संबल मिला।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान योजना के तहत श्रीमती कुंती को वर्ष 2023-24 में पक्का आवास निर्माण के लिए स्वीकृति प्राप्त हुई। जैसे ही पहली किश्त की राशि मिली, उन्होंने मेहनत और लगन से शासन की मदद से नया घर बनवाया। अब उनका परिवार सुरक्षित पक्के घर में चैन की नींद सो पा रहा है। बरसात में टपकती छत और भीगते बिस्तर अब अतीत की बात हो चुकी है। श्रीमती कुंती कोरवा केवल आवास योजना तक सीमित नहीं रहीं। उन्होंने सरकार की अन्य योजनाओं का भी भरपूर लाभ उठाया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत उन्हें व्यक्तिगत शौचालय की सुविधा मिली, जिससे खुले में शौच की मजबूरी समाप्त हो गई। निःशुल्क राशन की नियमित आपूर्ति से अब भोजन की चिंता नहीं रहती। आयुष्मान भारत योजना के तहत उन्हें निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है, जिससे बीमारी की स्थिति में कर्ज लेने की नौबत नहीं आती। महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपए की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है, जिससे घर खर्च में राहत मिलती है।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. भुवन शर्मा
MD, DM (Neurology)
मस्तिष्क रोग एवं नस रोग विशेषज्ञ
• लकवा, पैरालिसिस, मिर्गी एवं सिर दर्द का इलाज
• दिमागी बुखार, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर रोग)
• पार्किंसन बीमारी, गर्दन, बांह और पैरों का दर्द

डॉ. बी. मिंज
MBBS, MD, FIPM
• सुईनुमा उपकरण/दूरबीन द्वारा स्लिप डिस्क को निकालना
• कमर दर्द, गर्दन, पीठ का दर्द एवं हाथ का दर्द
• जोड़ों का दर्द, टेनिस एल्बो, एड़ी का दर्द

डॉ.संजय कुमार अग्रवाल
MBBS, MD, Medicine (Delhi)
DM (Gastro) BHU Varanasi
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
+ गैस, उल्टी की समस्या, भूख न लगना, पेट दर्द
+ पीलिया, पित्त की समस्या, क्रोनिक पेनक्रियाटाइटिस
+ सीने में जलन, खाना एवं पानी का अटकना

सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI All Diagnostic Facilites

डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II
रानी तालाब के सामने, जिला हॉस्पिटल रोड अम्बिकापुर

डॉ.महावीर सिंह जौहरी
MBBS, MS, DNB (Haderbad)
FEN (Jabalpur), CNETS AIIMS (Delhi)
• ब्रेन ट्यूमर, नींद की कमी, मस्तिष्क सम्बन्धी समस्या
• स्पॉन्डिलाइटिस, स्पाइन की समस्या
• हाथ, पीठ, तालु या पैर में दर्द, पैर सुन्न होना

13 जुलाई 2025 माह के दुसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555, 9425583780, 9826183780, 8224007799, 8718003300, 6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जांच की सुविधा उपलब्ध

मोर आवास-मोर अधिकार योजना से बीजापुर में आवासीय क्रांतिः 30 हजार से अधिक परिवारों को मिली उम्मीद

बीजापुर। मोर आवास मोर अधिकार योजना के तहत राज्य के बीजापुर जिले में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अब तक जिले में 30 हजार से अधिक परिवार आवास प्लस सर्वे में शामिल हो चुके हैं। जिससे उन्हें स्थाई आवास की दिशा में एक नई आश मिली है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप सभी पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का विशेष प्रयास किया जा रहा है। वर्ष 2018 में तैयार की गई आवास प्लस की सूची में छूटे हुए पात्र परिवारों को सर्वे में शामिल करने मोर दुवार - साय सरकार थीम पर प्रदेश भर में महाअभियान चलाया गया। जिले में कुल 30 हजार 186 परिवार इस सर्वे में शामिल हुए है। इस सर्वे की महत्वपूर्ण बात यह है कि 2018 में जहां 117 ग्राम पंचायतों में ही सर्वे किए गए थे, वहीं इस बार जिले में कुल 170 ग्राम पंचायतों में से 165 ग्राम पंचायतों में सर्वे कार्य पूर्ण किया गया है। पहुंच विहीन ग्राम पंचायतें जो दशकों से माओवाद प्रभावित क्षेत्र होने के कारण पूर्व में किये गए सर्वे में छूट गए थे। उन क्षेत्रों में भी जिला प्रशासन की ठोस रणनीति की बदौलत पहली बार वंचित परिवार का सर्वे कर पात्र परिवारों को शामिल करने में सफलता मिली है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के जिला समन्वयक श्री गंभीर सिंह परिहार ने बताया कि कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में जरूरत मंद वंचित परिवार तक पहुंचने आवास प्लस सर्वे 2.0 की कार्ययोजना बनाई गई। जिला प्रशासन की विशेष पहल पर निरंतर मॉनिटरिंग एवं नियमित समीक्षा से बड़ी संख्या में परिवार सर्वे में शामिल हुए हैं। मोर दुवार साय सरकार थीम पर प्रदेश भर में 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक सर्वेक्षण विशेष पखवाड़ा चलाये जाने का शासन स्तर से निर्णय था, सर्वे करने की अंतिम तिथि 15 मई निर्धारित थी। तय समय-सीमा में सर्वे से वंचित परिवारों को जोड? हेतु जिला स्तर से पत्र प्रेषित कर पुनः आवास प्लस ऐप को चालू करवाने हेतु राज्य शासन को पत्र प्रेषित किया। जिसे स्वीकार करते हुए भारत सरकार द्वारा 16 जून से 26 जून तक सर्वे तिथि को बढ़ाया गया। जिला प्रशासन की सक्रियता और समर्पित कार्यप्रणाली के चलते यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी पात्र परिवारों को उनका हक मिल सके।

राजनैतिक दलों की उपस्थिति में मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में बैठक संपन्न

बलरामपुर, (अम्बिकावाणी समाचार)।
भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर के निदेर्शानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण ०१ जनवरी २०२६ हेतु ऐसे मतदान केन्द्र जहां मतदाता संख्या १२०० से अधिक हैं उन मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण किये जाने के संदर्भ में आज राजनैतिक दलों की बैठक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिसमें जिले के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

इस संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक ०६-प्रतापपुर (आंशिक) तथा विधानसभा ०७-रामानुजगंज एवं ०८-सामरी पूर्ण रूप से आते हैं। यह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक ०१-सरगुजा के अन्तर्गत आता है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निदेर्शानुसार आगामी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण ०१ जनवरी २०२६ में प्री रिवीजन एक्टिविटी अंतर्गत अधिकतम मतदाता संख्या (१२००) आदि मानदंडों के अनुरूप मतदान केन्द्रों को स्थापित करने एवं मतदान केन्द्रों के विंसकुलन के लिए युक्तियुक्तकरण की तैयारी किया जाना है। वर्तमान स्थिति में जिले में कुल ६८३ मतदान केन्द्र अवस्थित किये गए हैं तथा मतदाता संख्या के अनुसार जिले में ८३ मतदान केन्द्र ऐसे हैं जिनमें १२०० से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं जो युक्तियुक्तकरण के दायरे में आते हैं। इनके अतिरिक्त ऐसे समस्त मतदान केन्द्र जिनके भवन जर्जर हो चुके हैं तथा वहीं आस-पास अन्य नया भवन निर्मित हो चुका है तो मतदान केन्द्र भवन परिवर्तन हेतु प्रस्तावित किये जाने के लिए मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से अनुरोध किया गया। जिले के कुल ६८३ मतदान केन्द्रों में से ६५४ ग्रामीण मतदान केन्द्र एवं २९ शहरी मतदान केन्द्र स्थापित हैं। विधानसभा ०६-प्रतापपुर (आंशिक) में १४४ मतदान केन्द्र, ०७-रामानुजगंज में २७४ मतदान केन्द्र तथा ०८-सामरी में २६५ मतदान केंद्र स्थापित किये गये हैं। वर्तमान में १२०० से अधिक मतदाता वाले ८३ मतदान केन्द्र हैं

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी., ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्धः-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us
+91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता : माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 0774-222999, 8224007799, 98261

विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग पर भरोसा करना चाहिए : शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली ,11 जुलाई (ए)। बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण मामले पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई पर बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा ने विपक्ष द्वारा बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण मामले पर रोक लगाए जाने की मांग पर सवाल खड़े किए हैं। भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि मैं मानता हूं कि विपक्षी दलों के द्वारा चुनाव आयोग पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है। बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण मामले पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई पर भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, इसके (विशेष मतदाता पुनरीक्षण) खिलाफ विपक्षी दल के नेता सुप्रीम कोर्ट गए थे, खासकर मनोज झा। उन्होंने कोर्ट से स्टे मांगा, लेकिन कोई स्टे नहीं लगा। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं, जो उचित हैं। आखिरी सुनवाई में फैसला आएगा। विपक्षी नेताओं को सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा करना चाहिए। मगर ये लोग उस पर भी बयानबाजी करते हैं।

डायलिसिस सेवा से मरीजों को राहत, जिला अस्पताल में ही मिल रहा नि:शुल्क उपचार...पेज 11

शासन के मंशानुरूप जिले के विकास को दिशा देना प्राथमिकता .... प्रसन्ना

◆ अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर, टीम के रूप में कार्य करने की दी सलाह ◆ जिले के प्रभारी सचिव डॉ. सी आर प्रसन्ना की अध्यक्षता मे हुई समीक्षा बैठक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्यपाल के सचिव व जिले के प्रभारी सचिव डॉ. सी आर प्रसन्ना की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में विभागवार अधिकारियों के परिचय पश्चात कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा जिले के संबंध में संक्षिप्त परिचय दिया गया।शासन की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन व शासन की मंशानुरूप जिले के विकास को दिशा देना सभी की प्राथमिकता हो, इसके लिए सभी जिला अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर एक टीम के रूप में कार्य करें और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचना सुनिश्चित करें, यह बात जिले के प्रभारी सचिव डॉ. सी आर प्रसन्ना ने अपने वक्तव्य में कही। उन्होंने क्रमवार विभागों के योजनाओं की अद्यतन जानकारी ली और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की।बच्चे का ध्यानाकर्षण शिक्षा की और बढ़े इसके लिये उन्होंने आंगनबाड़ियों को स्कूल परिसर में खोलने या स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि बच्चे, स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को देखकर बच्चों का ध्यानाकर्षण स्कूली शिक्षा ओर हो और वो अपने बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित हों। उन्होंने महिला एवं बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी से स्वयं के भवन में संचालित ना होने वाले आंगनबाड़ी के सम्बंध में अद्यतन जानकारी ली और भवन विहिन आंगनबाड़ी (स्वंय के भवन में संचालित ना होने वाले आंगनबाड़ी) के अंतराल को कम करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये और दो वर्ष के भीतर ही सभी आंगनबाडी को स्वयं के भवन में संचालित करने हेतु कार्य योजना बनाकर योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वयन करने की बात कही।

भौतिक निरीक्षण अवश्य करें अधिकारी, समय सीमा में पूर्ण करें कार्य - प्रभारी सचिव द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को शासन की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु भौतिक निरीक्षण के स्पष्ट निर्देश दिये गये। सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण हों इसके लिए कार्यों की रेगुलर मॉनिटरिंग की बात कही गई। स्वास्थ्य को लेकर प्रभारी सचिव द्वारा महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य के ढाचें को सुदृढ़ व सशक्त बनाना राज्य शासन की प्राथमिकता है। बेहतर स्वास्थ्य सेवा व स्वास्थ्य सेवा के विस्तार हेतु आवश्यक है कि जिले का स्वास्थ्य अमला अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करें। सभी डॉक्टर एवं स्टॉफ समय पर अस्पताल पहुंचे, डॉक्टरों द्वारा जैनरिक दवा लिखना ही सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही अस्पताल में जहां तक संभव हो जीरो रिफर पॉलिसी अपनाई जाये और अस्पताल मे आये मरीजों को बेहतर से बेहतर सुविधा उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं के शत प्रतिशत स्क्रिनिंग, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण व काउंसलिंग पर विशेष फोकस करने की बात कही । संस्थागत प्रसव को बढावा मिले इस दिशा में कार्य करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके साथ ही टीबी उन्मूलन हेतु माइक्रो लेवल पर प्लान तैयार करने के निर्देश दिये। कलैण्डर आधारित कार्य योजना बनाकर ज्यादा से ज्यादा टीबी स्क्रिनिंग करने व जन जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। समीक्षा बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर व डीएफओ पंकज कमल द्वारा क्रमशः पुलिस व वन विभाग के कार्य तथा योजनाओं के संबंध में बिंदुवार जानकारी मुहैया करायी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा नवीन कानून, नशे के विरूद्ध कार्यवाही, सड़क सुरक्षा इत्यादि विषयों पर किये गये कार्यो का वर्णन किया गया। वहीं डीएफओ द्वारा व्यक्तिगत व सामुदायिक वन अधिकार पत्र हाट बाजार एवं वन धन विकास केंद्र तथा वनोपज प्रसंस्करण के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में जिले के शिक्षा स्तर में सकारात्मक बदलाव व गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिये गये।

कृषि व समवर्गीय विभाग द्वारा जिले मे चल रहे कार्यों के प्रगति के संबंध मे जानकारी ली। बीज व उर्वरक वितरण हेतु पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही जिले में रबी फसल बोआई का रकबा बढ़ाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए ताकि कृषक बंधुओं की आर्थिक स्थिति को और बेहतर व सशक्त बनाया जा सकें। इसके साथ ही पंजीयन विभाग अंतर्गत १० नवीन क्रांति, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा योजना संग्रहण केन्द्र में बचत स्कंध की संग्रहण केन्द्र वार जानकारी, रैक मूव्हमेंट की जानकारी, खरीफ विपणन वर्ष २०२५-२६ हेतु बारदाना व्यवस्था, खरीफ वर्ष २०२५-२६ क्षेत्राच्छादन की जानकारी, मत्स्य बीज उत्पादन संसाधन २०२५-२६, मत्स्य पालन हेतु उपलब्ध जल संसाधन, किसान क्रेडिट कार्ड के अद्यतन की जानकारी,युक्तिकरण के समायोजित (मर्ज) शालाओं की जानकारी, युक्तिकरण के तहत समायोजित (मर्ज) शिक्षकों की जानकारी, निःशुल्क गणवेश वितरण की जानकारी, पाठ्यपुस्तक वितरण इत्यादि की जानकारी ली गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, सर्व एसडीएम व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कन्या विद्यालय के बालिकाओं को दिया गया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर में कक्षा ९ वीं से कक्षा १२ वीं तक के बच्चों को किशोरी बालिकाओं की आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया एवं बच्चियों तथा महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित कानूनो जैसे कन्या भूण हत्या निषेध अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम, पॉक्सो एक्ट-गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा अधिनियम एवं कार्यस्थल पर महिलाओं का लैगिंग उत्पीडन अधिनियम २०१३ की जानकारी उनको दी गई साथ में समाज में लोगों की लिंग भेद वाली सोच को समाप्त करने तथा लड़की जन्म पर खुशी मनाने के लिए प्रेरित किया गया तथा बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने हेतु शपथ भी दिलाया गया साथ में ब्रोसर का वितरण कर उन्हे अपनी सुरक्षा व समाज में पीड़ित बच्चियों व महिलाओं की सुरक्षा के लिए पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। सखी वन स्टॉप सेन्टर से संबंधित सभी जानकारियां दी गई एवं टॉल फ्री नम्बर १८१, १०९८, ११२ में काल कर किसी भी पीड़ित महिला की शिकायत की जा सकती है। जिससे समय पर उस पीड़ित महिला की सहायता हो सके।

उद्यमियों को दी गई प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। रैंप योजना के अंतर्गत एमएसएमई उद्यमियो के वित्तीय सहायता हेतु इंडस्ट्री और बैंकर्स मीट आयोजित किया गया। इस मीट में बैंक अधिकारियों और उद्यमियों को विभाग द्वारा चलाई जा रही विभागीय योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और औद्योगिक विकास नीति २०२४-३० के विषय में चार्टर्ड एकाउंटेंट अरिहंत जैन एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी चार्टर्ड एकाउंटेंट हिमांशु अग्रवाल द्वारा विस्तार से दिया गया। बैंक द्वारा शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी जिले के अग्रणी जिला प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आनंद मिंज द्वारा दी गई। कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के जोनल हेड गायत्री कंप सभी बैंकों द्वारा संचालित योजनाओं और बैंकिंग सुविधाओं के विषय में जानकारी दी। उद्योग विभाग द्वारा सभी बैंकों को केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत जिले को प्राप्त लक्ष्य और प्रगति पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में उद्यमियों द्वारा बैंकों से ऋण लेने में होने वाले परेशानियों के बारे प्रश्न किये गये, जिसका समाधान बैंकर्स द्वारा किया गया । कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स के प्रदेश मंत्री रौनक जैन, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, के महाप्रबंधक, जयसिंह राज, प्रबंधक, अवधेश कुशवाहा, स्वयं गोयल, अरूण गुप्ता, आदर्श तिवारी, मुकेश अग्रवाल, सुचेन्द्र जैन, पुनीत गुप्ता, भारतीय स्टेट बैंक से सूरजप्रसाद सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से शंकर सिंह, आईसीआईसीआई बैंक से क्षमा द्विवेदी, डीआरपी (पीएमएफएमई), नये उद्यमी एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

महाराष्ट्र की भटकती महिला को सखी सेंटर की पहल मिले परिजन

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सखी सेंटर को ०५ जुलाई को महिला हेल्प लाइन नं.१८१ के द्वारा प्रकरण के संबंध में जानकारी दी गई कि बताया कि जयनगर बाजारपारा रेलवे ट्रेक के पास में ३-४ दिन से एक महिला उम्र लगभग २८ वर्ष जो कि मराठी भाषा बोल रही है भटकती हुई अवस्था में है। जानकारी प्राप्त होते ही सखी के द्वारा संबंधित थाने से सहयोग प्राप्त कर पीड़िता को रेस्क्यू कर सुरक्षा की दृष्टि से आश्रय हेतु सखी सेंटर में लाया गया, महिला के मराठी भाषा में बातचीत करने के कारण भाषा संबंधी समस्या आ रही थी इस हेतु मराठी भाषा जानकार व्यक्ति से महिला की बातचीत कराने पर वह अपना नाम मंगल फकिरा होलपादे, ग्राम-धनगारवाडी, पो०-पलसी, जिला-हिंगोली(महाराष्ट्र), की रहने वाली बताई। सखी सेंटर के द्वारा पीड़िता के बताए गए पता के संबंध में संबंधित थाना व सखी वन स्टॉप सेंटर हिंगोली से संपर्क किया गया एवं व्हॉटसअप व सोशल नेटवर्क के माध्यम से पीड़ित महिला के परिवार जनों की पतासाजी की गई। आज पीड़ित महिला के परिवारजनो का पता लगा पीड़ित महिला के भाई को जानकारी मिलते ही महिला को लेने सखी सेंटर में आया। सखी सेंटर के द्वारा परिवारजन (भाई) व महिला का परामर्श किया गया परामर्श पश्चात पीड़ित महिला को सकुशल परिवारजन के सुपूर्द किया गया।जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में सखी सेंटर के द्वारा भटकती हुई महिला को उसके परिवारजन से मिलाया गया।

जिपं सीईओ ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू द्वारा जनपद पंचायत रामानुजनगर अंतर्गत संचालित रीपा (राजीव गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क) यूनिटों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आलू चिप्स निर्माण इकाई, सिलाई यूनिट, एसआरएलएम (स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन) सेंटर, फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण इकाई एवं चेन लिंक फेंसिंग यूनिट का अवलोकन किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बनाए रखने तथा अधिक से अधिक ग्रामीण महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने प्रत्येक यूनिट में चल रहे कार्यों की बारीकी से समीक्षा की और कार्यों में पारदर्शिता एवं दक्षता बनाए रखने की बात कही। उन्होंने रीपा यूनिट के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी जोर दिया।

इसी क्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जनपद पंचायत भैयाथान का भी निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत शिवप्रसादनगर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास प्लस के एक हितग्राही का भौतिक सत्यापन चेकर एप के माध्यम से किया गया। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन की प्रगति की जानकारी ली तथा हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त मनरेगा योजना के तहत आंगनबाड़ी भवन निर्माण, नाला डिसिल्टिंग (मलबा सफाई) तथा नरवा विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने इन कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण विकास एवं आजीविका संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों की यह पहल क्षेत्रीय विकास को सशक्त दिशा प्रदान कर रही है।निरीक्षण के दौरान संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तकनीकी अधिकारी एवं अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेप के आरोपी को 12 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। रेप के आरोपी को यहां की अदालत से १२ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। फास्ट ट्रेक कोर्ट के विशेष न्यायाधीश आनंद प्रकाश वरियाल ने मामले की सुनवाई पश्चात यह सजा मुकर्रर की है। घटना २२अप्रेल वर्ष २०२२ में चांदनी थाना क्षेत्र के ग्राम चोंगा में यह घटना हुई थी।बताया गया कि सुबह महुआ बीनने गई महिला के साथ मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के ग्राम माडा का रामदीन पंडो ने जबरदस्ती नाले की ओर खींच कर ले गया और उसके साथ रेप किया।इसकी शिकायत थाने में पीड़िता ने दर्ज कराई।पुलिस ने गहनता के साथ जांच पड़ताल के बाद मामले को अदालत के सपुर्द किया।जिला एंव अपर सत्र न्यायालय(फास्ट ट्रेक कोर्ट) के विशेष न्यायाधीश आनंद प्रकाश वरियाल ने मामले की सुनवाई व दोनो पक्षो की दलील सुनने के बाद आरोपी रामदीन पंडो उर्फ दीपा को १२ वर्ष के कठोर कारावास व एक हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक नरेश कौशिक ने पैरवी की थी।

नशीली इंजेक्शन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शुक्रवार को बसदेई पुलिस ने २ लोगों से ४० नग नशीली इंजेक्शन जप्त कर उसके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है। बसदेई पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम जूर का शेख नेजायत और ग्राम बंजा का डीएस कुमार सैनी एक मोटर सायकल में नशीली इंजेक्शन बिक्री करने ग्राम जूर से बंजा की ओर जा रहे है। पुलिस टीम के द्वारा ग्राम जूर में घेराबंदी लगाकर मोटर सायकल सहित दोनों को पकड़ा गया जिनके कब्जे से लिजेसिक इंजेक्शन ४० नग व एविल इंजेक्शन ४० कुल ८० नग नशीली इंजेक्शन जप्त किया गया। जिसकी बाजारू कीमत करीब ४० हजार रुपए है। मामले में नशीली इंजेक्शन व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर धारा २१सी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी शेख नेजायत पिता हातीम शेख उम्र ३५ वर्ष ग्राम जूर चौकी बसदेई एवं डीएस कुमार सैनी पिता श्याम राम सैनी उम्र १९ वर्ष ग्राम बंजा चौकी बसदेई को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल व उनकी टीम सक्रिय रही।

पुलिस ने जिन्दगी को हॉ और नशे को ना कहने 8322 ई-प्रतिज्ञा कराया डाउनलोड

०० उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी व कर्मचारी किए गए सम्मानित

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले की पुलिस ने नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के तहत ८३२२ ई-प्रतिज्ञा (शपथ) प्रमाण पत्र डाउनलोड कराया है। नशे से बचाव, जागरूकता एवं ई-प्रतिज्ञा डाउनलोड कराने के अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को डीआईजी व एसएसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में दिनांक १२ से २६ जून २०२५ तक नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के अन्तर्गत जिले के थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा व्यापक अभियान चलाकर नशा रूपी बुराई से बचने और जिन्दगी को हॉ और नशे को ना कहने ८३२२ लोगों से ई-प्रतिज्ञा (शपथ) प्रमाण पत्र डाउनलोड कराया है। इस अभियान में जिला प्रशासन ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अभियान में स्कूल-कालेजों, हाट-बाजारों, एसईसीएल कार्यालय, खदान, औद्योगिक संस्थान तथा विभिन्न आयोजनों के माध्यम से छात्र, नागरिकगण, शासकीय सेवकों, मजदूरों व वाहन चालकों को नशे से बचाव की जानकारी देते हुए ई-प्रतिज्ञा (शपथ) डाउनलोड कराया गया है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें ई-शपथ के माध्यम से नशे के विरुद्ध संकल्पबद्ध करना था।नशे से बचाव एवं जागरूकता के इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए उत्कृष्ट कार्य पर डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने निरीक्षक जावेद मियांदाद, थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, थाना प्रभारी प्रतापपुर अमित कौशिक, थाना प्रभारी रामानुजनगर राजेन्द्र साहू, थाना प्रभारी झिलमिली नसीमुद्दीन, थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, थाना प्रभारी रमकोला हीरालाल साहू, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, चौकी प्रभारी चेन्द्रा लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, चौकी प्रभारी तारा संजय गोस्वामी, चौकी प्रभारी लटोरी अरूण गुप्ता, चौकी प्रभारी रेवटी कृष्णा सिंह, चौकी प्रभारी मोहरसोप कमलेश पाठक, चौकी प्रभारी सलका बिसुनदेव पैंकरा, चौकी प्रभारी करंजी संतोष सिंह, आरक्षक उदयनाथ सिंह एवं सोहेल राजा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

युक्तियुक्तकरण के खिलाफ आम आदमी पार्टी का प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। आम आदमी पार्टी ने युक्तियुक्तकरण के खिलाफ आम आदमी पार्टी द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया गया। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार शिक्षा नीति के मोर्चे पर विफल रही है। युक्तियुक्तकरण के नाम पर हजारों स्कूलों को बंद कर देने के बाद कई स्कूल शिक्षक विहीन हो गए हैं। ६३ हजार शिक्षकों के पदों को भरने में नाकाम रही है सरकार,नाकामी छुपाने १० हजार स्कूल बंद कर दिया गया ताकि छत्तीसगढ़ के युवाओं को नौकरी नहीं देना पड़े इसलिए युक्तियुक्तकरण किया गया है। युवाओं और छात्रों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आम आदमी पार्टी विरोध जताती है।जिला अध्यक्ष रवि जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूलों को आपस में मिलाया गया, शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया और कई छोटे स्कूलों को बंद किया गया। लेकिन वास्तविकता में इसके नतीजे कई जगहों पर नकारात्मक साबित हुए। युक्तियुक्तकरण के तहत जब दो स्कूलों को मिलाया गया, तो कई छात्रों को अब ३-५ किमी दूर स्कूल जाना पड़ रहा है। इससे खासकर बालिकाओं की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा है। जहाँ एक ओर शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया, वहीं कई स्कूल ऐसे रह गए जहाँ विषय विशेषज्ञ शिक्षक ही नहीं हैं। बच्चों को बिना गणित या विज्ञान शिक्षक के पढ़ाई करनी पड़ रही है। कई स्थानों पर बिना स्थानीय स्थिति को समझे स्कूलों का विलय किया गया। इससे सामाजिक, भौगोलिक और आर्थिक बाधाएँ सामने आईं। जो स्कूल बंद कर दिए गए, उनके भवन जर्जर हो रहे हैं, और कई जगहों पर सरकारी संसाधन व्यर्थ जा रहे हैं।जिला कोषा अध्यक्ष अंजय जैन ने कहा कि उदाहरण से समझिये की धरसींवा विकासखंड में परसतराई में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है जो की १९६२ से संचालित है, वर्तमान सरकार के युक्तियुक्तकरण से स्कूल शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहा है। बच्चों को पढ़ाई लिखाई छोड़कर प्रदर्शन करना पड़ रहा है ?